हरिभूमि

जबलपुर

रविवार 1 मार्च 2026

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

PATANJALI®

पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी

पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किड्नी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

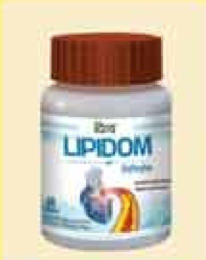

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे निःशुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– **1800 296 1111**
तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए **8954 555 999** पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोडक्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें
ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही 15 लाख के इन्श्योरेंस का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : **8954666222, 8954666333**

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रेंज एवं पतंजलि चावल रेंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के डेयरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाल्म ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रेंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ऑपरेशन 'रोरिंग लॉयन': इजराइल और अमेरिका का ईरान पर भीषण हवाई हमला, तेहरान दहला

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर 'विध्वंसक' हमला

अली खामेनेई बेंजामिन नेतन्याहू डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शनिवार की सुबह अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ एक संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किया। इजराइल ने इसे 'ऑपरेशन रोरिंग लॉयन' और अमेरिकी पेंटागन ने इसे 'ऑपरेशन एपिक फरी' नाम दिया है। इस हमले का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु क्षमताओं को नष्ट करना और वहां सत्ता परिवर्तन की नींव रखना बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हमले के दौरान ईरान की राजधानी तेहरान, इस्फहान और कोम जैसे महत्वपूर्ण शहरों में भारी बमबारी की गई।

खबरों के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालय और आवास के पास भी मिसाइलें गिरी हैं, हालांकि उनके सुरक्षित स्थान पर होने की सूचना है। जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजराइल के उत्तरी हिस्सों और बहरीन व कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं।

ईरान के एक स्कूल पर हमले में 51 छात्रों समेत 54 की मौत, अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर जवाबी मिसाइल वर्षा

इजराइल का दावा- ईरान के रक्षा मंत्री और सैन्य कमांडर की मौत

- **ट्रंप का बड़ा ऐलान कहा** ईरानी परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया सैन्य अभियान
- **सुप्रीम लीडर पर निशाना** अयातुल्ला खामेनेई के आवास के पास धमाके, ईरान ने भी शुरू किया जवाबी पलटवार
- **खाड़ी देशों ने बंद किया** एयरस्पेस, तेल संकट गहराने की आशंका

तेहरान में मिसाइल अटैक के बाद उठता धूल का गुबार

एयर इंडिया समेत 12 एयरलाइंस ने वॉर जोन में फ्लाइट्स रोकीं

ईरान-इजराइल वॉर की वजह से कई एयरलाइंस ने इस क्षेत्र की उड़ानें रद्द कर दी हैं। जिसमें एयर फ्रांस, एयर इंडिया, इबेरिया एक्सप्रेस, इंडिगो, जापान एयरलाइंस, लॉट एयरलाइंस लुफ्थांसा, नॉर्वेजियन एयर, टर्किश एयरलाइंस, वर्जिन एटलांटिक, कतर एयरवेज एवं एयर अल्जीरिया शामिल है।

भारतीयों के लिए एडवाइजरी

आपात स्थिति के लिए दूतावास ने 24 गुणा 7 हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं: +989128109115, +989128109109, +989128109102, और +989932179359

सुबह हमला... ताकि ज्यादा हो नुकसान

शनिवार की सुबह करीब 6.10 बजे का समय ही हमलों के लिए व यों चुना गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सुबह के समय शुरुआती हमलों का समय ईरानियों को चौंकाने के लिए चुना गया, क्योंकि उन्हें दिन के समय हमले की उम्मीद नहीं थी।

ईरान को भारी नुकसान

ईरान की राजधानी तेहरान, देजफुल और खार्ग द्वीप सहित ईरान के कई शहरों को निशाना बनाया गया। तेहरान में यूनिवर्सिटी स्ट्रीट और जम्हूरी जिले के पास कई मिसाइलें गिरीं। दक्षिण ईरान के होर्मोजगन प्रांत में एक गर्ल्स स्कूल पर मिसाइल गिरने से 51 छात्रों समेत 54 की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हुए हैं।

ईरान ने आठ देशों में किए जवाबी हमले

- **इजराइल:** तेल अवीव, हाइफा और अन्य शहर
- **बहरीन:** जुफैर नौसेना बेस, यूएस 5वीं फ्लीट मुख्यालय
- **कतर:** अल उदीद एयर बेस
- **कुवैत:** कैम्प अरिफजान, अहमद अल-जाबेर एयर बेस, मुबारक एयर बेस
- **संयुक्त अरब अमीरात:** अल धफरा एयर बेस, जेबेल अली पोर्ट, अल फुजैरा एयर बेस
- **सऊदी अरब:** रियाद में प्रिंस सुल्तान एयर बेस, ताबुक एयर बेस, खमीस मुशैत बेस, जेद्दाह में एक पश्चिमी बेस
- **जॉर्डन:** मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस
- **इराक:** अरबिल में यूएस बेस

विदेश मंत्रालय बोला- सभी पक्ष संयम बरतें

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के ताजा हमलों के बाद भारत सरकार की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया कि भारत, ईरान और खाड़ी क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करता है। सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। मंत्रालय ने कहा कि तनाव कम करने और मूल मुद्दों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीतिक रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

कूनो नेशनल पार्क में चीतों की कुल संख्या 48 हुई

बोत्सवाना से लाए गए 9 चीते कूनो पहुंचे, बाड़े में क्वारंटीन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/ श्योपुर

बोत्सवाना से करीब 12 घंटे की हवाई यात्रा के बाद 9 विदेशी चीते शनिवार को भारत पहुंच गए हैं। इन चीतों को विशेष विमान से बोत्सवाना से पहले ग्वालियर एयरपोर्ट लाया गया। यहां से हेलीकॉप्टर से कूनो लाकर सीधे क्वारंटीन बाड़ों में शिफ्ट कर दिया गया। चीतों की इस नई खेप में 6 मादा और 3 नर चीते हैं। इसके साथ ही देश में चीतों की कुनबा बढ़कर कुल 39 से 48 हो गई है। चीतों के कूनो पहुंचने पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव खुद कूनो पहुंचे। उन्होंने सभी चीतों को कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़ों तक छोड़ा।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि देश का चीता प्रोजेक्ट मप्र के कूनो नेशनल पार्क में सफलता की कहानी बयां कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत (मप्र) में चीतों के प्रतिस्थापन की योजना पूरी तरह से सफल रही है।

चीतों को विशेष विमान से बोत्सवाना से पहले ग्वालियर एयरपोर्ट लाया गया फिर बाड़े में शिफ्ट किया गया

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा-मप्र का कूनो नेशनल पार्क सफलता की कहानी बयां कर रहा

भूपेंद्र यादव चीतों को क्वारंटीन बाड़े में छोड़ते हुए

कूनो अब दूसरे राज्यों को चीता देने वाला राज्य बना

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि कूनो में जिस तेजी के साथ चीता प्रजनन बढ़ा है, उससे कूनो सिर्फ चीता बसाहट वाला वन्य जीव अभयारण्य ही नहीं रहा, बल्कि वह दूसरे वन्य जीव अभयारण्य को चीता देने वाला बन गया है। उन्होंने कहा कि बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की दिशा में कई देश साथ आए हैं। कूनो नेशनल पार्क में चीतो का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है, वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 48 हो गई है, जिनमें 45 कूनो नेशनल पार्क और 3 गांधी सागर अभयारण्य में है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रयासों से विश्व में जैव विविधता संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है और 97 देश इस मंच के सदस्य बन गए हैं।

तीन हेलीकॉप्टर से कूनो पहुंचे चीते

बोत्सवाना से वायुयान के माध्यम से 9 चीतो को ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट लाया गया। यहां से वायुसेना के तीन हेलीकॉप्टरो से कूनो नेशनल पार्क के लिए एयरलिफ्ट किया गया। सभी 9 चीते शनिवार की सुबह 9.30 बजे कूनो नेशनल पार्क पहुंचे। 9 चीतो में 6 मादा और 3 नर चीते शामिल है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने बोत्सवाना से आए 9 चीतो में से तीन चीतो को प्रतीकात्मक रूप से क्वारंटीन के लिए पालपुर मेघपुरा पूर्व बीट में बनाए गए बाड़े में रिलीज किया।

एक माह के क्वारंटीन के बाद जंगल में छोड़ा जाएगा

बोत्सवाना से आए सभी 9 चीतों को एक महीने तक क्वारंटीन बाड़ों में रखा जाएगा। इस दौरान उनकी सेहत, व्यवहार और अनुकूलन क्षमता पर लगातार नजर रहेगी। इसके बाद चीता स्टीयरिंग समिति तय करेगी कि किन चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाए और किन्हें निगरानी में रखा जाए। उधर, कूनो में अब मादाओं का पलड़ा और बढ़ गया है।

प्रदेश के विकास और समसामयिक विषयों पर चर्चा

सीएम डॉ. यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह से की 'भेंट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं तथा केंद्र सरकार के सहयोग से संचालित परियोजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सीएम ने अन्य नेताओं से भी मुलाकात की।

आंध्र प्रदेश पटाखा फैक्टरी में धमाका

21 लोगों की मौत, आठ लोगों की हालत गंभीर

राहत और बचाव कार्य के बाद झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कार्य में लगी पुलिस की टीम ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने बताया कि पटाखा फैक्टरी में धमाके के बाद 21 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। गृह मंत्री के मुताबिक धमाके में गंभीर रूप से घायल कई लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

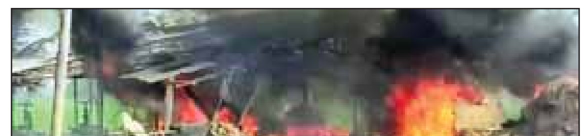

धमाके के बाद पटाखा फैक्टरी उठती आग की लपटें

चेकिंग के बाद मिलेगा प्रवेश

होली पर महाकाल मंदिर में रंग-गुलाल पर प्रतिबंध

प्रतीकात्मक रूप से हर्बल गुलाल अर्पित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

होली पर्व के अवसर पर मंदिर प्रशासन ने विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गर्भगृह, नंदी मंडपम, गणेश मंडपम, कार्तिकेय मंडपम सहित संपूर्ण मंदिर परिसर और महाकाल लोक क्षेत्र में किसी भी प्रकार का रंग-गुलाल ले जाना, उड़ाना या आपस में लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। मंदिर परिसर एवं महाकाल लोक में कार्यरत पुजारी, पुरोहित, प्रतिनिधि, अधिकारी, पुलिसकर्मी, सुरक्षाकर्मी, सफाई कर्मचारी, सेवक तथा अन्य आउटसोर्स कर्मचारी भी रंग-गुलाल लेकर प्रवेश नहीं करेंगे और आपस में रंग नहीं लगाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए भी रंग-गुलाल लाना और लगाना पूर्णतः वर्जित रहेगा।

इंद्रधनुषी रंगों से रंग जाए जीवन

वासंती बयारों के बीच जब नवकोंपल, नवपुष्पों के मोहक वर्णों और सुगंध से प्रकृति सुशोभित-सुवासित हो रही होती है, ऐसे ही अवसर पर इंद्रधनुषी रंग-भाव लिए आता है, होली का त्योहार। उसके आगमन की आहट से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। उल्लास-उमंग को संग लिए रंगोत्सव हमें जीवन के हर रंग को आत्मसात करने का भी संदेश देता है।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

प्रकृति जब धरती पर ऋतु परिवर्तन का विविधवर्णी उत्सव मनाती है। पलाश, गेंदा, गुलाब, गुलमोहर जैसे फूलों और खेतों में दूर तक फैली पीली सरसों से अपना श्रृंगार करती है, इसी अवसर पर रंगपर्व होली के बहाने हम सब भी प्रकृति के इस उत्सव में शामिल हो जाते हैं। ऋतु की मादकता से अपने भीतर उपजे आह्लाद को ठिठोली, राग, रंग और अल्हड़पन के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यह ऋतु ऐसी मदमस्त होती है कि धूप की हल्की हंसी जैसी किरणें भी धरती पर किसी सुनहरी पिचकारी-सी लगती हैं। शीतल बयार का जादू प्रकृति के कण-कण में छाने लगता है। क्या इंसान और क्या पशु-पक्षी, सब प्रकृति के सम्मोहन में बंध जाते हैं। हृदय में उल्लास के कपाट खुल जाते हैं। मन में फाग के राग बजने लगते हैं। पांव ढोलक, मृदंग की थाप पर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं। इस ऋतु के प्रभाव को कवि दिनेश शुक्ल की ये पंक्तियां प्रभावी तरीके से व्यक्त करती हैं-

पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भंवरे, तितली, धूप
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूल।

विविध रंगों से सजता है जीवन: होली तो रंगों की उमंग से उत्साहित होने का त्योहार है। उत्सव के रंग में रंग जाने का समय। लेकिन ये रंग महज बाहरी रंग नहीं होते, जीवन जीने का फलसफा भी सिखाते हैं। हमारा जीवन विविध भावों वाले रंगों से ही तो मिलकर बना हुआ है। कहीं दुःख का धूसर रंग है तो कहीं आनंद का चटख रंग। कहीं वियोग के पनीले रंग हैं तो कहीं प्रेम और मिलन के सुर्ख रंग। लाभ, हानि, संकट, समाधान, रोग, निरोग, शोक, अशोक, सफलता, असफलता सब जीवन के विविध रंग ही हैं। इन्हीं विविधताओं से ही इंद्रधनुषी बनता है जीवन हमारा।

जरा कल्पना करके देखिए यदि इस धरती पर केवल एक ही रंग होता। अंधकार का स्याह रंग या रोशनी का चमकीला रंग। तब एकरसता हमारे जीवन, हमारी दिनचर्या को कितना बोझिल बना देती। यदि हमारी जिंदगी में भी सिर्फ कोई एक ही रंग होता। सिर्फ सुख का चटख रंग या दुःख ही दुःख तो हम सुख-दुःख के रंगों को विलग कर उनके भावों को किस प्रकार समझ पाते? दुःख के स्याह रंग नहीं होते तो सुख के दिनों की पहचान करना भी मुश्किल होता। दुःख के रंग से ही सुख के रंग और निखरते हैं। दुःख हमें सुख की महत्ता को समझाने, उसे अपनी झोली में सहेजने की सीख लेकर आता है। यह विरोधाभास ही एक सार्थक, अनुभव संपन्न जीवन का बेहतरीन उदाहरण है। जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन में संपूर्णता का आनंद मिल सकता है। जीवन रंगों के इस संतुलन को साधने का नाम है। आशा, उम्मीद, सकारात्मकता, करुणा, प्रेम, उदारता जैसे रंगों की अधिकता हमारे जीवन के एक वृहद हिस्से को उत्सव में तब्दील कर देती है। सिर्फ हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन में भी खुशी और उल्लास के रंग बिखेरती है।

समझें रंगों का संदेश: हर रंग में गहरे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक अर्थ निहित होते हैं। ये रंग जीवन की अलग-अलग स्थितियों का आईना होते हैं। इस आईने में हम हर रोज खुद को देखते हैं। अलग-अलग भावों को महसूस करते हैं। जैसे प्रकृति में इंद्रधनुष सात रंगों से सजा होता है,

वैसे ही हमारा जीवन भी विभिन्न रंगों का मिश्रण होता है। वास्तव में विभिन्न रंग, हमारे मन की गहराइयों को प्रतिबिंबित करते हैं। जीवन को जितने खुले मन से विभिन्न रंगों में देखेंगे, उतना ही वह रंगीन और अर्थपूर्ण लगेगा। रंग हमें सिखाते हैं कि हर स्थिति स्थायी नहीं होती। जैसे इंद्रधनुष बारिश के बाद निकलता है, वैसे ही दुःख के बाद सुख, क्रोध के बाद शांति, हानि के बाद नई शुरुआत होती है। रंग हमें याद दिलाते हैं कि जीवन को एक रंग में बांधना असंभव है। रंग हमें हंसना सिखाते हैं। प्रेम में पड़ना सिखाते हैं। जीवन की विसंगतियों से लड़ना भी सिखाते हैं। रंगों के जरिए हम अपने भावों, अनुभवों और विचारों को व्यक्त करते हैं। जरूरत बस इतनी है कि हम रंगों के भावार्थ को अपने जीवन में ठीक से उतारें। होली के रंग भी यही संदेश लेकर आते हैं। जीवन आपसी मेलजोल और खुशियों के रंगों का मेला है। इस मेले में से हमें रंग चुनकर अपने जीवन को रंगीन बनाना है। अपने आस-पास की उदासियों को विदा करना है। आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में रंग हमें थोड़ा ठहरने और आत्म मंथन करने की आवश्यकता को बताते हैं। जीवन में रंगों का उल्लास उतारने के लिए थोड़ा ठहरना, हर रंग की तासीर को समझना जरूरी है।

रंगों में निहित सामाजिकता: इस रंग पर्व की बेला में हम सब रंगों में निहित सामाजिकता को भी आत्मसात करें, उसे भी प्रत्यक्ष रूप से प्रकट करें। खुशियों की सौगात लेकर आने वाली होली में अपनों को गले लगाएं। जैसे शीत से रूठी प्रकृति को वसंत अपने माधुर्य से मनाता है। पत्ते-पत्ते, कली-कली और पुष्प-पुष्प को अपनी वासंती बयार से गुदगुदाता है। आम्र मंजरियों को अपनी ऊष्मा से महमहाता है, ठीक वैसे ही हम अपने रूठे प्रियजनों को अपने प्रेम, अपनापे की ऊष्मा से मनाएं। एकांत के उदास रंगों में डूबे अपने पड़ोसियों, भाई-बंधुओं से मिलकर उनके जीवन को होली के रंगों से स्पंदित करें। होली तो अजनबियों और शत्रु को भी गले लगाने का संदेश लेकर आती है ताकि हमारे बीच सामूहिकता की भावना जिंदा रहे, ताकि हम एक-दूसरे के साथ के महत्व को समझें और कोमल संवेदनाओं को धारण कर सकें। हमारे बीच सामाजिकता बनी रहे और हम अवसाद, एकाकीपन के दुष्प्रभावों से दूर रह सकें।

रंग वाली होली से एक रात पूर्व, होलिका जलाते हैं। जलती होलिका तो एक प्रतीक मात्र है। असली होलिका तो तब जलेगी जब अपनी चारित्रिक कमजोरियों, असहजताओं, मन की कुंठाओं को भी दहन कर दिया जाए। मन से ईर्ष्या, वैर के बदरंगों की निकासी की जाए और प्रेम के रंग से सराबोर हुआ जाए। तभी तो समाज को विभाजित करने वाली शक्तियों का विध्वंस होगा। ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर, जाति-धर्म का विभेद सबकी होली जलेगी। यदि होली के रंग में हमारा मन सच्चे अर्थों में रंग जाए तो मन से सारे दूषित विचार निकल जाएंगे। हमारा शरीर नए मनोभाव को धारण कर एकदम तरोताजा महसूस करेगा। भाईचारे के रंग में भीगा मन, बड़ों के लिए सम्मान और छोटों के लिए दुलार से भरा मन, रिश्तों के प्रति आत्मीयता से भरा रंग। तभी होली मनाना सार्थक होगा। कवि हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में-

होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो
भूल-शूल से भरे वर्ष के वैर, विरोधों को
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो। *

दोहे
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में सब हो लिए, तन-मन से रंगीन।
गोपी नाचे झूम कर, ग्वाल बजाए बीन।।
पिचकारी से छूटती, रंगों की रसधार।
प्रेम रंग में डूबकर, करें नेह संचार।।
तरह-तरह के रंग से, भरकर पूरा थाल।
छुई-मुई गोरी हुई, हुए गुलाबी गाल।।
रंग अबीर गुलाल को, लेकर चले गुपाल।
गाएं, बछड़े, कुंज तरु, ग्वाल-बाल सब लाल।।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
उठती गिरती ताल पर, फड़क रहे हैं अंग।।
राग-रंग के पर्व पर, छाया है अनुराग।
नाच रही हैं गोपियां, ग्वाले गाएं फाग।।
राधा जी हैं छोड़ती, पिचकारी से धार।
नैन श्याम से मिल गए, धार हुई बेकार।।

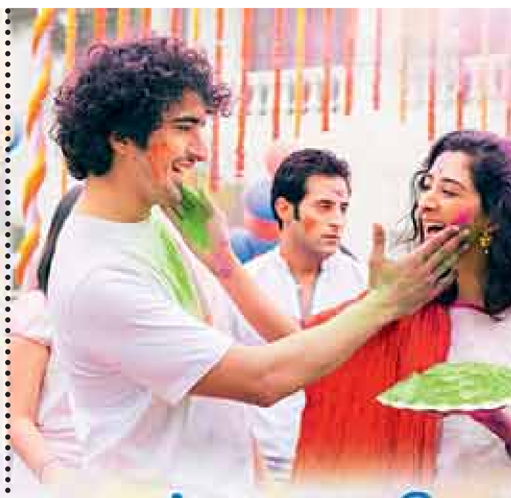

रंग, उमंग, तरंग के संग मस्ती भरा धमाल मचाने का संदेश लेकर आता है, होली का पर्व। यही वजह है कि खासतौर पर युवाओं का यह सबसे पसंदीदा त्योहार माना जाता है। होली से युवाओं के जुड़ाव और इसे मनाने के अंदाज पर एक नजर।

रंग-मस्ती-उमंग के संग युवाओं का होली धमाल

नया अंदाज
शैलेंद्र सिंह

बीते साल के होली वाले दिन की सुबह की घटना है। पुणे के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में गजब की युवा हलचल देखने को मिल रही थी। वीकेंड पर आमतौर पर देर तक सोने वाले युवा उस दिन सूरज की किरणों के उगने के पहले ही जग चुके थे। किसी के हाथ में गुलाल के पैकेट थे, कोई फोन पर प्ले लिस्ट सेट कर रहा था, तो कोई पूछ रहा था, 'पानी वाला रंग लाऊं या सिर्फ ड्राई?' ये सब वही युवा थे, जो सप्ताह भर कॉरपोरेट ऑफिस में प्रजेंटेशन की आपा-धापी में रहते हैं। स्टार्टअप्स की मीटिंग में भविष्य के सपने बुनते हैं और अपने करियर की सीढ़ियां तेजी से चढ़ने की हर कोशिश करते हैं। लेकिन होली का दिन आते ही इनकी पहचान बदल जाती है। होली के दिन ये बेफिक्र और रंगों से सराबोर मस्ती के रंग में डूबे दोस्त बन जाते हैं। यह अकेले पुणे के एक मिडिल क्लास मुहल्ले की कहानी नहीं है। यह समूचे शहरी भारत के ब्राइट करियर वाले युवाओं के होली धमाल की कहानी है।

होली खेलने में नहीं रहते पीछे: यह सही है कि आज के शहरी युवा अपने करियर को लेकर जितने गंभीर रहते हैं, उतना ही ध्यान अपने जीवन में उत्सव और संतुलन के लिए भी देते हैं। आईटी प्रोफेशनल मोहन रंगनाथन जो कि साउथ इंडिया से हैं, लेकिन पढ़ाई से लेकर करियर तक उत्तर भारत में गुजारने के कारण होली को भरपूर सेलिब्रेट करते हैं। उनके मुताबिक, 'हम जैसे युवा डेडलाइन और टारगेट में भले उलझे रहते हों, लेकिन होली एक ऐसा दिन है, जब हम बिना किसी दबाव के खुलकर होली खेलते हैं, तब हमें कतई नहीं याद रहता कि हममें प्रोफेशनल कौन है या जूनियर कौन है या सीनियर कौन है? ना ही उस समय हमें अपना वर्क प्रेशर और प्रोजेक्ट की डेडलाइन परेशान करती है। होली के दिन सिर्फ रंग और मस्ती का धमाल होता है।'

दिल्ली में रहने वाली यंग प्राफेशनल पूनम कहती हैं, 'वास्तव में होली मूड नहीं बल्कि साल भर के लिए मेंटेलिटी को रिसेट करने का त्योहार होता है। यह अकेला ऐसा फेस्टिवल है, जो उत्तर से मध्य ही नहीं लगभग पूरे भारत के हर हिस्से तक हर जगह और हर युवा को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से बाहर निकालता है।'

इसलिए है पसंदीदा त्योहार: कई ऐसे त्योहार होते हैं, जो कुछ लोग मनाते हैं और कुछ लोग नहीं मनाते। लेकिन होली एक ऐसा त्योहार है, जिसे आप चाहे मनाएं या न मनाएं पर आपको इस दिन पूरी छुट्टी मिलती है। पूरी तरह से आजादी महसूस होती है। इसलिए अपार्टमेंट से लेकर क्लबों तक हर जगह होली, युवाओं को मस्ती और बेफिक्री से जीने को प्रेरित करती है। इसीलिए इसे युवाओं का पसंदीदा पर्व माना जाता है।

नए रूप में होली की मस्ती: हाल के दशकों में भारत के बड़े शहरों का पारंपरिक चेहरा बदल गया है। अब 70 और 80 के दशक वाले मुहल्ले नहीं बचे। अब गेटबंद सोसायटियों का चलन है, इसलिए होली के दिन सुबह से ही सोसायटियों में डीजे की धमाल के साथ रूफ टॉप होली के एक से बढ़कर एक वर्जन देखने को मिलते हैं। पूल पार्टी होली, इकोफ्रेंडली होली जैसे नए आयाम भी इस मस्ती के हिस्से बन चुके हैं। बेंग्लुरु में जॉब करने वाले भिलाई के राघव कहते हैं, 'हम युवा लोगों में से अगर कोई होली न भी खेलना चाहे तो मनाने वालों की संख्या ज्यादा होती है और न मनाने वालों की इस मामले में जरा भी नहीं चलती। उन्हें घर से खींचकर होली पार्टी में खींच लिया जाता है। मजेदार बात यह है कि कुछ देर पहले तक खेलने से ना-नुकुर करने वाला बंदा भी कुछ देर में होली के रंगों में सराबोर होकर खेलने लगता है। यही तो इस पर्व की खासियत है।' इससे उलट हावड़ा की रहने वाली कनुप्रिया के मुताबिक पांच सालों से चेन्नई में रहते हुए भी उन्होंने बंगाल की फूलों वाली होली का कल्चर जिंदा रखा है और अब तो उनकी देखा-देखी बहुत से उनके युवा साथी भी होली के दिन फूलों वाली होली बड़े प्यार से खेलते हैं। तेलंगाना के रहने वाले रमेश जो मथुरा में जॉब करते हैं, बताते हैं, 'फूलों की होली में गजब का आकर्षण है। यह खूबसूरत भी है, मस्ती घनघोर भी है और पर्यावरण के अनुकूल भी है।'

दिल्ली में फाइनेंस प्रोफेशनल आरव के मुताबिक 'अब दिल्ली में भी बेंग्लुरु और मुंबई की तरह युवाओं की होली पार्टियां बनती हैं और दिनभर डीजे के साथ होली धमाल होता है। अब होली पर कुछ भी चेहरे पर चुपड़ देना, मिट्टी, गंदगी आदि से होली खेलना धीरे-धीरे चलन से बाहर होता जा रहा है। इसके साथ ही कम से कम भारत के शहरी यंगस्टर्स, जो अपने करियर को लेकर सीरियस और सुरक्षित हैं, मस्ती के इस त्योहार में न केवल नए-नए आयाम जोड़ रहे हैं बल्कि इसके साथ जुड़े डरावने अनुभवों को मनोरंजन से यादगार अनुभव से स्थानांतरित करने लगे हैं।'

रंगीली होती है वर्चुअल होली: अब युवाओं द्वारा सोशल मीडिया में भी जमकर होली खेली जा रही है। आज सोशल मीडिया में विशेषकर इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में होली के दिन जितने इंद्रधनुषी चेहरे दिखते हैं, उतने चेहरे तो सचमुच में आस-पास भी नहीं दिखते हैं। वास्तव में होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें प्राचीनता हो या आधुनिकता, सब एक जैसे और एक ही जगह एकत्र हो जाते हैं। कुल मिलाकर अगर कहें तो भले यह 1980 या 90 की बजाय इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक हो, लेकिन भारत के युवाओं में होली की मस्ती में जरा भी बदलाव नहीं आया है। *

हुड़दंग
राजा चौरसिया

ताऊजी की होली

होली के रंग में भइया
जब घुली भंग की तरंग,
ताऊजी के ठुमके देख
हर कोई रह गया दंग।
टुन्नावस्था में बहककर
ताऊजी सठिया गए
उनका हुड़दंग देखकर
जवान भी शरमा गए।
ताई को जब पता लगा
लेकर दौड़ीं डंडा
ताऊ जान बचाकर भागे
नशा हो गया ठंडा।

हंसी-ठिठोली
राकेश सोहम्

एआई के संग कार्यालयीन होली के रंग

एआई का जमाना है। सांस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले त्योहारों की मिट्टी पलीत हुई पड़ी है। फूलों के रंगों से खेला जाने वाला होली का त्योहार कालांतर में कीचड़ और गोबर से खेला जाता था। फिर केमिकल युक्त रंगों से खेला जाने लगा। हाल ही में ऑर्गेनिक रंगों से खेला जा रहा था। पर एआई के आगमन से वह भी बंद हो गया है। लोग मोबाइल पर होली खेलते हैं। होली की आधिकारिक छुट्टियां भी समाप्त कर दी गई हैं। सरकारी महकमों में प्रतीकात्मक होली मनाई जाती है। हालांकि ऐसे मामलों में महकमों का रवैया अभी भी ढर्रा-सा और खाने-पीने तक सीमित है।

इधर होली के ठीक एक दिन पहले मुख्यालय का आदेश बॉस की फैक्स मशीन के बाहर लटकती हुई जुबान की माफिक झांक रहा था। उन्होंने गुस्से में मशीन की जुबान खींच ली। जैसे अधीनस्थ की खींच लिया करते हैं। पर आदेश को देखते ही बॉस के होंठों पर रसीली मुस्कान तैर गई। आंखों में रंग अठखेलियां करने लगे। फौरन सेक्रेटरी को फोन घुमाया, 'रंगीली जी..आइए।' मिस रंगीली चौंक गईं। टेढ़े बॉस के मीठे बोल! दिलो-दिमाग में 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ..' का प्रश्न वाचक संगीत बजने लगा। 'मिस रंगीली' से 'रंगीली जी'! बॉस ने कक्ष में बिखरी खुशबू को सांसों में समेटा और बोले, 'हाय रंगीली.. हैप्पी होली।' फिर रुक गए। मिस रंगीली के हाथ से मोबाइल गिर गया। ऐसी धृष्टता? बॉस ने कनखियों से भांपा और लंबा पॉज लेकर बोले, 'हैप्पी ..सॉरी.. ऑफिस में होली सेलिब्रेशन का आदेश आया है। कल होली है। सो कार्यालयीन सभाकक्ष में सेलिब्रेशन सुनिश्चित करें। सेलिब्रेशन की रिपोर्ट भी कल ही भेजनी है।' मिस रंगीली ने मोबाइल उठाया और चंपत हो लीं।

दूसरे दिन कार्यालय का सभा कक्ष खुशबुओं से महक रहा था। दीवारों पर रक्ताभ दिलनुमा गुब्बारे झूल रहे थे। बॉस की कुर्सी के पीछे स्क्रीन पर रंगों की फुहार के साथ 'हैप्पी-होली' की लिखावट उछल रही थी। सभा कक्ष खचाखच भरा हुआ था। हमेशा लेट-लतीफ पहुंचने वाले अधिकारी भी समय पूर्व पहुंच गए थे। बेहद जरूरी बैठकों का बहिष्कार करने वाले अड़ियल टाइप के अधिकारी सजे-धजे सभा कक्ष में मौजूद थे। किसी को रंग लगने-लगाने की चिंता नहीं थी क्योंकि होली एआई के माध्यम से मोबाइल पर खेली जानी थी।

कार्यक्रम का संचालन कार्यालय के जबरिया कवि प्रेम रोगी जी कर रहे थे। शुरुआत मिस कंटीली द्वारा बॉस के मोबाइल पर लाल रंग के दिलनुमा गुब्बारे को भेजकर किया गया। जैसे ही डिजिटल गुब्बारा बॉस की मोबाइल स्क्रीन पर फूटा उनकी बत्तीसी बाहर गिरने को हो आई। बॉस ने सभी को कलर्ड अंगूठे की इमोजी प्रेषित की। प्रत्युत्तर में लोगों ने 'हाथ-जोड़े' और 'गुलाली-टीके' की इमोजी भेज दी। प्रेम रोगी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बोले, 'मुख्यालय के निर्देशानुसार, किसी को दुःख पहुंचाए बिना आप एक-दूसरे को एआई के माध्यम से डिजिटल रंग डाल सकते हैं। प्रेम का संदेश जाना चाहिए बस। बहरहाल, मैं कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से बता देना चाहता हूं।'

प्रेम रोगी जी ने 'रूपरेखा' और 'चाहता हूं' पर विशेष जोर दिया तो सभी की नजरे बैठक में उपस्थित खूबसूरत सहकर्मी 'रूपरेखा' की ओर घूम गईं। रूपरेखा ने उनको आड़े हाथों लिया। उन्होंने फट से एक डॉगी की इमोजी रोगी जी को भेज दी और गुस्से में पांव पटकते हुए सभाकक्ष से बाहर हो गईं। इसी दौरान एक चिढ़े हुए अधिकारी ने दूसरे अधिकारी की उड़ते नोटों के बीच रिश्वत से रंगे हाथों वाली तस्वीर एआई से बनाकर साझा कर दी। मामला इतना गर्मा गया कि बॉस को इसे अपने संज्ञान में लेना पड़ा।

सभा कक्ष में 'होली के रंग एआई के संग' का दौर चलता रहा। भले ही वहां एआई के माध्यम से बनावटी होली खेली जा रही थी पर टेबल के बीचों-बीच गरमा-गरम समोसे और लजीज गुझिए एकदम असली थे। सो खाने-पीने का दौर बाकायदा चलता रहा। हैप्पी होली! *

विज्ञापन
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।
NBC@
डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

इजराइल पीएम बोले- ईरान का परमाणु हथियार हासिल करना मानवता के लिए खतरा
कई देशों ने जताई चिंता, हमले रोकने की अपील, कूटनीतिक समाधान की दी सलाह

इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि यह अभियान ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध की आशंका को तेज कर दिया है

- रूस का तंज, शांति दूत फिर सक्रिय हुआ। ईरान के साथ बातचीत सिर्फ एक बहाना था
- ब्रिटेन बोला- ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दें

यूएस-इजराइल का ईरान पर संयुक्त हमला

भारत के लिए अमेरिका-ईरान युद्ध के मायने

ईरान के नागरिकों ने हमले के विरुद्ध सड़कों पर प्रदर्शन किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में अचानक सैन्य तनाव बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान ईरान से पैदा हुए अस्तित्व के खतरे को खत्म करने के लिए शुरू किया गया है। इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध की आशंका को तेज कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के आतंकी शासन के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया है। ईरानी शासन लंबे समय से इजराइल और अमेरिका के खिलाफ हिंसक नारे और गतिविधियां चलाता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा शासन परमाणु हथियार हासिल कर ले तो पूरी मानवता के लिए खतरा बन सकता है। नेतन्याहू ने मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के समर्थन को ऐतिहासिक बताया।

बेंजामिन नेतन्याहू

भारत के लिए यह युद्ध केवल दो देशों की लड़ाई नहीं, बल्कि एक बड़ा आर्थिक संकट है

- *▶▶ **अर्थव्यवस्था पर प्रभाव** : भारत अपनी तेल जरूरतों का 80% से अधिक आयात करता है। युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें $100 प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। इससे भारत में पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होगा।*
- *▶▶ **कूटनीतिक संतुलन** : भारत के इजराइल और ईरान, दोनों के साथ गहरे संबंध हैं। इजराइल हमारा प्रमुख रक्षा भागीदार है, जबकि ईरान रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत को एक बार फिर 'गुटनिरपेक्षता 2.0' का पालन करना होगा, जो काफी चुनौतीपूर्ण होगा।*
- *▶▶ **चाबहार बंदरगाह** : भारत ने ईरान के चाबहार पोर्ट में भारी निवेश किया है ताकि मध्य एशिया तक पहुंच बनाई जा सके। युद्ध की स्थिति में यह प्रोजेक्ट ठप पड़ सकता है, जिससे भारत के व्यापारिक हितों को चोट पहुंचेगी।*
- *▶▶ **भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा** : खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। यदि युद्ध फैलता है, तो उनकी सुरक्षा और वहां से आने वाले रेमिटेंस (विदेशी मुद्रा) पर संकट खड़ा हो जाएगा।*

इजराइल ने जानबूझकर हमला किया: नॉर्वे

नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ने कहा कि इजराइल के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप नहीं हैं। इजराइल इसे एहतियात के तौर पर किया गया हमला बता रहा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत एहतियात के तौर पर हमले तभी सही माने जाते हैं, जब खतरा तुरंत और स्पष्ट रूप से सामने हो।

हम ईरान के साथ: पाकिस्तान

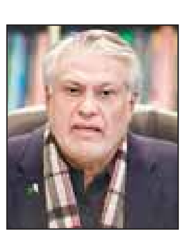

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने ईरान पर हुए हमलों की आलोचना की। उन्होंने तनाव को तुरंत रोकने और संकट के शांतिपूर्ण, बातचीत के जरिये समाधान के लिए दोबारा कूटनीति शुरू करने की अपील की और कहा कि पाकिस्तान का पूरा समर्थन ईरान के साथ है।

सभी पक्षों से संयम की अपील: ईयू

यूरोपीय आयोग (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने ईरान से जुड़े घटनाक्रम पर गहरी चिंता जताई है। सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील की गई। यूरोपीय संघ ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कार्रवाई क्षेत्रीय संघर्ष में न बदले: ब्रिटेन

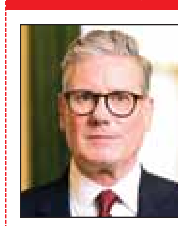

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टारमर ने कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसीलिए हमने बातचीत के जरिए समाधान तक पहुंचने के प्रयासों का लगातार समर्थन किया है। हम नहीं चाहते कि यह मामला और बढ़कर एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष में तब्दील हो जाए। ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में भाग नहीं लिया। हमारी तत्काल प्राथमिकता इस क्षेत्र में मौजूद ब्रिटेन के नागरिकों की सुरक्षा है, जिन्हें चौबीसों घंटे सातों दिन राजनयिक सहायता प्रदान की जाएगी।

शांतिपूर्ण समाधान खोजें: रूस

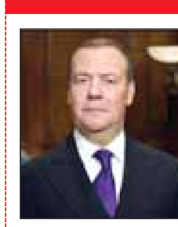

रूस ने अमेरिका और इजराइल से ईरान में तुरंत हमले रोकने की अपील की। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्हें मौजूदा स्थिति से राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के रास्ते पर लौटना चाहिए। रूस पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय कानून, आपसी सम्मान और हितों के संतुलन के आधार पर शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा कि शांति दूत फिर सक्रिय हो गया है। ईरान के साथ बातचीत सिर्फ एक बहाना था। यह सबको पता था।

अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई एकतरफा: स्पेन

स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज ने अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई को एकतरफा कदम बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सांचेज ने कहा कि ऐसी कार्रवाई वैश्विक व्यवस्था को और अस्थिर तथा टकरावपूर्ण बना सकती है। हालांकि उन्होंने ईरान सरकार और रिवोल्यूशनरी गार्ड की गतिविधियों को भी स्वीकार्य नहीं बताया। स्पेन ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान करने की मांग की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा संकट का समाधान केवल कूटनीतिक बातचीत और शांतिपूर्ण रास्ते से ही संभव है।

मध्यस्थता के लिए तैयार: इंडोनेशिया

इंडोनेशिया के विदेश मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो वॉशिंगटन और तेहरान के बीच संवाद कराने के लिए तैयार हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत विफल होने से पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ा है, जिस पर इंडोनेशिया को बेहद अफसोस है। इंडोनेशिया ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद व कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है।

समाधान नहीं निकला दु:खद: बेल्जियम

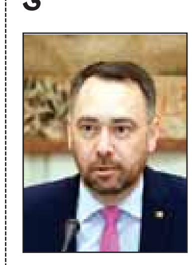

बेल्जियम के विदेश मंत्री मैक्सिम प्रेवो ने कहा कि यह बेहद अफसोस की बात है कि कूटनीतिक प्रयास पहले किसी बातचीत से समाधान तक नहीं पहुंच पाए। ईरानी जनता को अपनी सरकार के फैसलों की कीमत नहीं चुकानी चाहिए।

ईरान के समाचार माध्यमों पर साइबर हमला

ईरान पर अमेरिकी और इजराइली मिलिट्री हमलों के बाद ईरान की कई सरकारी न्यूज एजेंसियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साइबर हमले हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिलिट्री कार्रवाई में बढ़ोतरी के साथ-साथ साइबर ऑपरेशन की एक 'बड़ी लहर' शुरू हो गई है, जिसमें कई बड़े घरेलू मीडिया प्लेटफॉर्म पर रुकावट या ऑपरेशनल दिक्कतें आ रही हैं। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए और सेमी ऑफिशियल आईएसएनए न्यूज एजेंसी की वेबसाइटें उन आउटलेट्स में शामिल थीं जिन्हें कथित तौर पर हैक कर लिया गया या उन्हें एक्सेस में दिक्कतें आ रही थीं।

नकारात्मक टिप्पणी करना कांग्रेस की आदत: भाजपा

भाजपा) ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर सैन्य हमले शुरू करने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस 'नंगई' पर उतर आई है। यह कायरों की सेना है। किसी भी संवेदनशील घटनाक्रम पर नकारात्मक टिप्पणी करना कांग्रेस का स्वभाव बन गया है। उसे मौजूदा स्थिति के बीच 'बचकाना बयान' देने से बचना चाहिए और मोदी सरकार पर भरोसा रखना चाहिए।

पीएम का इजराइल दौरा शर्मनाक: जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा कि पीएम मोदी के इजराइल दौरे की खुशी मनाने के दो दिन बाद ही इजराइल और अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपना संयुक्त हमला शुरू कर दिया है। उनका इजराइल दौरा शर्मनाक था और अब तो यह और भी अधिक शर्मनाक प्रतीत होता है, क्योंकि युद्ध उन्हीं दो नेताओं द्वारा शुरू किया गया है जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र बताते रहे हैं।

भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करें: राहुल

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तेजी से बढ़ती शत्रुता बेहद चिंताजनक है। पूरे पश्चिम एशिया में प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। मैं भारत सरकार से हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल और सक्रिय कदम उठाने का आग्रह करता हूं।

खबर संक्षेप

पटरी से उतरी ट्राम, 2 की मौत, 38 घायल

मिलान। इटली के मिलान शहर में बेपटरी होने के बाद ट्राम एक इमारत से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। शहर के मेयर ग्यूसेप्पे सला ने बताया कि मृतकों में से एक व्यक्ति ट्राम के पटरी से उतरने के दौरान उसकी चपेट में आ गया, जबकि दूसरा पीड़ित एक यात्री था। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने सदमे में आए यात्रियों को आपातकालीन कंबलों में लपेट दिया, जबकि एंबुलेंस गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्पताल ले गई। पीएम मेलोनी ने दुख जताया।

पंजाब में आतंकी गिरोह का भंडाफोड़, 2 अरेस्ट

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि उसने विदेश स्थित एक आतंकी गिरोह का भंडाफोड़ करके दो लोगों को गिरफ्तार करने के साथ आरडीएक्स से भरा और पूरी तरह से तैयार एक परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। पुलिस ने लगभग 2.5 किलो वजनी आरडीएक्स से भरा आईईडी जब्त किया।

अफगानिस्तान का दावा

जलालाबाद में मार गिराया पाक लड़ाकू विमान, पायलट को जिंदा पकड़ लिया

एजेंसी ▶▶ काबुल

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अफगान सैन्य और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक पाकिस्तानी लड़ाकू विमान शनिवार को जलालाबाद के एक जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एएफपी को बताया कि पायलट ने विमान से पैराशूट की मदद से छलांग लगाई और फिर उसे हिरासत में ले लिया गया।

पूर्वी अफगानिस्तान में सेना के प्रवक्ता वाहिदुल्ला मोहम्मदी ने भी इस बात की पुष्टि की है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने 297 लड़ाकों को मार गिराया और 450 से अधिक अफगान जवान घायल हो गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गजब-लिल-हक के दौरान पाकिस्तान ने अफगान बलों की 89 चौकियों को नष्ट कर दिया और 18 अन्य पर कब्जा कर लिया।

किम जोंग उन ने दी चेतावनी

देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो साउथ कोरिया को पूरी तरह कर देंगे तबाह

एजेंसी ▶▶ सिओल

नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं।

प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है।

एएआईबी ने बारामती विमान दुर्घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

वीएफआर उड़ानें के संचालन पर मानकों के पालन के दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने बारामती विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में शनिवार को सिफारिश की कि विमानन नियामक डीजीसीए अनियमित हवाईअड्डों पर वीएफआर उड़ानें संचालित करने वाले सभी संचालकों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर सकता है। जनवरी में बारामती के पास वीएसआर वेंचर के लेयरजेट विमान दुर्घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी।

सभी पहलुओं की जांच करेंगे

इस दुर्घटना पर अपनी 22 पृष्ठ की प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने कहा कि तथ्यों और दुर्घटना के मूल कारणों वाले कारकों को सामने लाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। अब तक प्राप्त अंतरिम निष्कर्षों को देखते हुए, विमानन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए तत्काल आवश्यक निवारक कार्रवाई करने के लिये निम्नलिखित अंतरिम सुरक्षा सिफारिशें जारी करना आवश्यक समझा जाता है।

रिपोर्ट सार्वजनिक मंच पर साझा करें

महाराष्ट्र की महिला एवं बाल विकास मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता अदिति तटकरे ने मांग की कि विमान दुर्घटना से संबंधित सभी रिपोर्ट और निष्कर्षों को संकलित कर किसी साझा मंच पर उपलब्ध कराए जाए, ताकि आम लोग इसे देख सकें।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच ट्रंप का क्यूबा को लेकर बड़ा बयान

आर्थिक तंगी से जूझ रहा, जल्द कर सकते है फ्रेंडली टेकओवर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि क्यूबा सरकार गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रही है और अमेरिका से बातचीत कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका क्यूबा का 'फ्रेंडली टेकओवर' कर सकता है,

जिससे क्यूबन-अमेरिकियों को लाभ हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा सरकार हमसे बात कर रही है। वे बड़ी मुसीबत में हैं। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास कुछ भी नहीं है। लेकिन वे हमसे बातचीत कर रहे हैं और हो सकता है कि हमारा क्यूबा पर फ्रेंडली टेकओवर हो जाए।

टेकओवर से क्यूबन अमेरिकियों को लाभ होगा

हम बातचीत कर रहे, परिणाम सकारात्मक

ट्रंप ने कहा कि संभावित कदम अमेरिका में रहने वाले उन क्यूबाई मूल के लोगों के लिए सकारात्मक हो सकता है, जो दशकों पहले क्यूबा छोड़कर आए थे। उनके मुताबिक, ऐसे कई लोग क्यूबा लौटना चाहते हैं और मौजूदा बातचीत से संतुष्ट हैं। अमेरिका और क्यूबा के संबंध दशकों से राजनीतिक तनाव और आर्थिक प्रतिबंधों के कारण जटिल रहे हैं।

ट्रंप के निर्देश, संघीय एजेंसियां एंथ्रोपिक तकनीक से बनाएं दूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह सभी संघीय एजेंसियों को तुरंत एआई डेवलपर एंथ्रोपिक की तकनीक का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश देंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि हमें इनकी जरूरत नहीं है, हम इनके साथ काम नहीं करना चाहते और हम इनके साथ फिर से काम नहीं करेंगे। बता दें, एंथ्रोपिक का व्हाइट हाउस के साथ विवाद चल रहा है। कंपनी ने अमेरिकी सेना को अपने एआई टूल्स तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच देने की मांग को मानने से इनकार कर दिया था। इसके बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने एंथ्रोपिक को 'सप्लाई चेन के लिए जोखिम' माना है। यह दर्जा मिलने पर एंथ्रोपिक ऐसी पहली अमेरिकी कंपनी बन जाएगी, जिसे सार्वजनिक रूप से इस तरह का लेबल दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह किसी भी 'सप्लाई चेन रिस्क' के दर्जे को अदालत में चुनौती देगी।

व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और सहित कई क्षेत्रों में किया विमर्श

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वर्ष 2026 की भारत-यूरोपीय यूनियन संबंधों पर पहली परामर्श समिति की बैठक आयोजित की। इस बैठक में भारत-ईयू के मजबूत होते सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में आपकी लाभकारी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इस बैठक में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की मजबूत गति और व्यापार, टेक्नोलॉजी, सुरक्षा और गतिशीलता सहित विभिन्न क्षेत्रों में इसके पारस्परिक लाभकारी पहलुओं पर चर्चा की गई। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच हाल में ही मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), जिसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' हुआ है।

> पिटाई से हर किसी को डर लगता है, लेकिन मगर यूपी के एक गांव के पुरुष होली के मौके पर महिलाओं के हाथों पिटाई खाने को उतावले रहते हैं। इतना ही नहीं, जो पुरुष महिलाओं से ज्यादा मार खाता है उसे पुरस्कार भी दिया जाता है।

यूपी के इस गांव में होली पर महिलाओं से पिटने की होड़

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होली की पहचान सिर्फ रंग-गुलाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां हर इलाके की अपनी अलग परंपरा है। ब्रज क्षेत्र की इसी सांस्कृतिक विरासत में एक अनोखा रंग जुड़ता है फिरोजाबाद जिले के टूंडला क्षेत्र के चुल्हावली गांव से, जहां सदियों पुरानी 'पैनामार होली' आज भी पूरे उत्साह से मनाई जाती है।

कब होती है यह अनोखी होली

यह परंपरा होलिका दहन के अगले दिन, यानी परेवा को आयोजित होती है। गांव की महिलाएं नई साड़ियां पहनकर हाथों में 'पैना' लेकर मैदान में उतरती हैं। वहीं, पुरुष भी नए कपड़े पहनकर इस अनोखे उत्सव में भाग लेते हैं और शाम होते-होते गांव का चौक हंसी-मजाक और शोर-गुल से भर जाता है और फिर शुरू होती है हंसी मजाक के साथ पिटाई वाली होली।

सबसे ज्यादा मार खाने वाले की बल्ले-बल्ले!

क्या होता है पैना पैना लकड़ी की छड़ी में चमड़े की पट्टी बांधकर बनाया जाने वाला पारंपरिक औजार है, जिसका उपयोग पुराने समय में बैलों को हांकने के लिए किया जाता था। लेकिन, फिरोजाबाद के इस गांव में बैलों के हांकने का यह औजार होली का खिलौना बन जाता है।

पैनामार होली की असली रस्म

महिलाएं पैना से पुरुषों को प्रतीकात्मक रूप से मारती हैं और पुरुष बिना नाराज हुए मुस्कुराते हुए मार सहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यहां इसे प्रतियोगिता का रूप भी दिया जाता है। सबसे ज्यादा पैना सहने वाले पुरुष और सबसे ज्यादा 'पिटाई' करने वाली महिला को बाद में सम्मानित किया जाता है। यही वजह है कि आसपास के गांवों से भी लोग इस परंपरा को देखने उमड़ पड़ते हैं

होली की अनोखी परंपरा कहां से हुई शुरू

स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, यह परंपरा ब्रज की होली संस्कृति से जुड़ी है, जिसकी झलक मथुरा, वृंदावन, बरसाना और बलदेव की प्रसिद्ध लट्ठमार और कोड़ामार होली में भी दिखाई देती है। ब्रज में रंगभरनी एकादशी से ही होली का उत्सव शुरू हो जाता है और मंदिरों में ठाकुरजी-राधारानी की विशेष होली खेली जाती है। चुल्हावली की पैनामार होली केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तों की मिठास, हास्य और सामूहिक उल्लास का प्रतीक है। यहां मार में भी प्यार है और परंपरा में भी अपनापन- शायद यही वजह है कि सैकड़ों साल बाद भी यह अनोखी होली गांव की पहचान बनी हुई है।

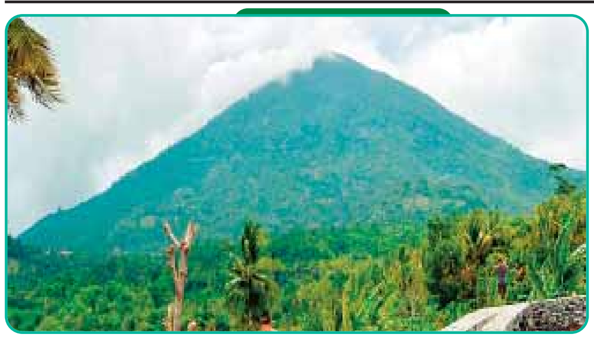

टर्नेट द्वीप पर है दुनिया का सबसे पुराना लौंग का पेड़

जकार्ता। लौंग एक मुख्य मसाला और औषधीय जड़ी-बूटी है। इसे एंटीबैक्टीरियल, एंटीसेप्टिक और दर्द निवारक गुणों के लिए जाना जाता है। इसका इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। भोजन में स्वाद बढ़ाने के लिए लौंग का इस्तेमाल किया जाता है। आज भले ही लौंग दुनियाभर में अपनी पहचान बना चुका है, लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया में पहली बार लौंग का पेड़ कहां उगा था? इसका एक लंबा इतिहास है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आज से करीब तीन हजार साल पहले लौंग का पेड़ सिर्फ पूर्वी एशिया के कुछ द्वीपों पर ही हुआ करता था। कहा जाता है कि इंडोनेशिया के टर्नेट द्वीप पर दुनिया का सबसे पुराना लौंग का पेड़ है। माना जाता है कि यह पेड़ करीब 350-400 साल पुराना है। टर्नेट द्वीप के ज्यादातर हिस्से में ज्वालामुखी हैं, लेकिन फिर भी यहां बड़ी संख्या में लोग घूमने आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 3-4 हजार साल पहले टर्नेट, टिडोर और उसके आस-पास के कुछ द्वीपों पर लौंग के पेड़ पाए जाते थे। लौंग का कारोबार करके इन द्वीपों पर रहने लोग उस समय काफी अमीर हो गए थे। कहा जाता है कि जब टर्नेट और टिडोर के सुल्तानों के पास लौंग के कारोबार से काफी दौलत आ गई तो वो खुद को कुछ ज्यादा ही ताकतवर समझने लगे और आपस में ही लड़ने लगे।

इस बात का फायदा उठाकर अंग्रेज और डच कारोबारियों ने उन इलाकों पर कब्जा कर लिया, जहां भारी मात्रा में लौंग पाए जाते थे।

उड़ने वाले मेंढक भी पाए जाते हैं द्वीपों पर

कई वर्षों तक ये द्वीप यूरोपीय देशों के उपनिवेश रहे हैं। इन द्वीपों पर कई तरह के जीव-जंतु भी पाए जाते हैं। यहां उड़ने वाले मेंढक भी पाए जाते हैं। उन्नीसवीं सदी में अंग्रेज वैज्ञानिक अल्फ्रेड रसेल वॉलेस ने नई नस्लों की खोज में इन द्वीपों पर कई साल बिताया था। साल 1862 में जब वो वापस लंदन चले गए, वो अपने साथ करीब सवा लाख से भी ज्यादा प्रजातियों के नमूने लेकर गए थे। आज उन्हीं की वजह से हमें जानवरों की कई सारी नस्लों के बारे में जानकारी मिली है।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के 2026 सीज़न की धमाकेदार शुरुआत

नई दिल्ली। वर्ष 2026 सीज़न के शुरुआती महीने ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई का आकार और मजबूती लगातार बढ़ रही है। टूर ने कुछ ही समय में नया रायपुर, दिल्ली और कोलकाता में तीन महत्वपूर्ण टूर्नामेंट आयोजित किए, और फिर 72वें लीग की घोषणा के साथ एक नया आयाम जोड़ा है। ये सभी घटनाक्रम दर्शाते हैं कि टूर न केवल अपनी पहुंच में, बल्कि अपने सार में भी विस्तार कर रहा है। इस प्रगति का एक प्रमुख मापदंड पुरस्कार राशि है। सीज़न के शुरुआती घरेलू चरण में, डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई ने 1.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार राशि वाले तीन टूर्नामेंट आयोजित किए, जिससे कुल पुरस्कार राशि 4.5 करोड़ रुपये हो गई। यह भारतीय पेशेवर गोल्फ के वित्तीय पैमाने में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है

सीज़न की शुरुआत नया रायपुर में 3 से 6 फरवरी तक आयोजित एसईसीएल छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप से हुई। यह आयोजन न केवल 1.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि के कारण, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि इसे किसी पारंपरिक महानगर के बजाय एक उभरते हुए बाज़ार में आयोजित किया गया था। इसने दिखाया कि पेशेवर गोल्फ अपने स्थापित केंद्रों से बाहर भी ध्यान आकर्षित कर सकता है और कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर सकता है।

टॉलीगंज क्लब में 17 से 20 फरवरी तक अर्बाना द्वारा प्रायोजित डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 का आयोजन किया गया। एक बार फिर, पुरस्कार राशि ₹1.5 करोड़ थी और विजेता को ₹22,50,000 मिले। ओम प्रकाश चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप जीती। कोलकाता में हुए इस आयोजन ने एक महत्वपूर्ण बात को पुष्ट किया: डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई अब बड़े टूर्नामेंटों पर निर्भर रहने के बजाय अपने टूर्नामेंटों के आकार और गुणवत्ता में निरंतरता लाने की ओर अग्रसर है। इस वर्ष, प्रत्येक नेक्सजेन इवेंट की पुरस्कार राशि 20 लाख रुपये से बढ़कर 25 लाख रुपये हो गई है। उद्घाटन इवेंट जीतने वाले अभिषेक कुमार, उस तरह की युवा प्रतिभा का एक उदाहरण हैं, जिसे यह मंच समर्थन देने के लिए बनाया गया है।

कुल मिलाकर, सीज़न के पहले महीने से संकेत मिलता है कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई लगातार गति पकड़ रहा है। विभिन्न शहरों में बेहतर संचालन, अधिक पुरस्कार राशि, एक स्पष्ट विकास मार्ग और प्रारूप में नवाचार एक साथ काम करना शुरू कर रहे हैं। यदि यह सिलसिला जारी रहता है, तो भारतीय पेशेवर गोल्फ में मजबूत खिलाड़ी, व्यापक ध्यान और नए बाजारों में व्यापक उपस्थिति देखने को मिल सकती है।

लोधी समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हुआ नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

लोधी समाज की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह शुक्रवार को शहीद भवन आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि लोधी समाज को अपने गौरवशाली इतिहास के बारे में जानकारी होनी चाहिए, साथ ही पदाधिकारी को जो दायित्व मिल रहा है, उसके प्रति समर्पण भाव से काम करने की आवश्यकता है। आने वाली सदी डाटा की होगी जिस समाज के पास डाटा नहीं होगा उस समाज को कुछ मिलने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि लोधी लोधा समाज को अपने अतीत की जानकारी होना आवश्यक है एवं समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि समाज कुरीतियों से मुक्त हो। इस मौके पर राजा हृदेशशाह लोधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 28 अप्रैल को कार्यक्रम किए जाने का निर्णय लिया गया।

समाज को नशा जैसी कुरीतियों से दूर रहना चाहिए : मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी

इस अवसर पर मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि समाज को नशा जैसी कुरीतियों से दूर रहना चाहिए लोधी समाज को राष्ट्रभक्ति का, बच्चों को पढ़ाई का तथा समाज सुधार का जुनून होना चाहिए।

नाबालिग भतीजी ने दोस्तों संग मिलकर की थी चोरी

दुर्ग। वैशाली नगर थाना पुलिस ने घर में घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में 2 नाबालिग शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के सोने के आभूषण समेत नगदी रकम बरामद की है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है। वैशाली नगर थाना क्षेत्र रामनगर मुक्तिधाम की रहने वाली पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि घर में घुसकर आलमारी में रखे सोने के आभूषण और नगदी रकम अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर लिया गया है। पुलिस अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई। घर के सदस्यों से कड़ाई से पूछताछ करने पर पीड़िता की नाबालिग भतीजी ने अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पूछताछ में बताया कि सोने के नेकलेस को अपने दोस्त रंजीत वर्मा को बेचे दिया था।

वैवाहिकी
वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वधु चाहिए

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें-
6263215412
9229991967

वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 8815859240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

आवश्यकता

आवश्यकता है - अनुभवी सुरक्षागार्ड, गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साईं निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 8085233213, 8253010291, 722302602, 8889997826 (बिलासपुर /04/मार्च 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

हजारों फीट ऊंचाई पर बहती है कंकालों की झील

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल को झीलों का शहर कहा जाता है। यहां एक दो नहीं बल्कि सात झीलें हैं। चारों ओर पहाड़ों से घिरे इस शहर की खूबसूरती भी यहां के झील बढ़ाते हैं। यही वजह है कि लोग यहां झील देखने आते हैं। उत्तराखंड में ही 'कंकालों' की झील भी है।

कहां हैं कंकालों की झील?

उत्तराखंड का रूपकुंड समुद्र तल से करीब 16500 फीट की ऊंचाई पर है। इसी को कंकालों की झील भी कहते हैं। साल भर यह झील बर्फ से जमी रहती है। जैसे ही गर्मी शुरू होती है यह पिघलने लगती है।

बर्फ पिघलते ही दिखते हैं कंकाल

गर्मी के मौसम में जैसे ही यहां बर्फ पिघलती है तो सैकड़ों मानव कंकाल पानी में या सतह के नीचे तैरते दिखाई देते हैं। शुरू में लगा कि यह अवशेष जापानी सैनिकों के हो सकते हैं, जो यहां घुस आए थे।

कई प्रचलित कहानियां

इसके पीछे कई मान्यताएं हैं। बताया जाता है कि इस झील के पास एक नंदा देवी का मंदिर है। माना जाता है कि राजा रानी ने मंदिर के दर्शन के लिए पहाड़ चढ़ने का फैसला किया, लेकिन वो यहां अकेले न जाकर नौकर के साथ ले गए। यह सब देखकर नंदा देवी नाराज हो गईं। उनका गुस्सा बिजली बनकर उन सब पर ऐसा गिरा कि वे सभी मौत के मुंह में समा गए। झील के बारे में यह भी कहा जाता है कि कंकाल उन लोगों के हैं जो किसी महामारी में एक साथ मारे गए।

700-800 इंसानी कंकाल पाए जा चुके

यह झील इतनी भयावह है कि ये कंकाल की जगह पूरे इंसान के अंग भी दिखाई देते हैं। इसे देखकर ऐसा लगता है कि उन्हें अच्छी तरह से संरक्षित किया गया हो। इस झील में अब तक 700-800 इंसानी कंकाल पाए जा चुके हैं।

रिसर्च क्या कहते हैं?

शोध के मुताबिक, ये कंकाल सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि ग्रीस, साउथ ईस्ट एशिया के लोगों के भी हैं। नई रिसर्च बताती है कि यह सभी कंकाल अलग अलग नस्लों के हैं। इनमें महिला और पुरुष दोनों के कंकाल शामिल हैं। हालांकि जब अंग्रेजों ने टीम भेजकर पता लगाने को कहा तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ. जांच में पता चला कि ये लाशें जापानी सैनिकों की नहीं हो सकतीं, क्योंकि ये काफी पुरानी हो चुकी थी।

राशिफल

मेष रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

शब्द पहेली - 6153

बाएँ से दाए-
1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -6152 का हल

सूडोकु नवताल - 6163

**** कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENAGHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6162 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीता जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहली बार जीती रणजी ट्रॉफी, 8 बार की चैंपियन कर्नाटक से छीना खिताब

एजेंसी ▶▶| हुबली

जम्मू कश्मीर ने अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीतकर 67 साल का इंतजार खत्म किया और अपना नाम इतिहास में दर्ज कर दिया। जम्मू कश्मीर ने यह शानदार जीत 8 बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ दर्ज की। उसने पांच दिन तक चले मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया।

जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में बनाए थे 584 रन

जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन ही बना पाई थी। इस तरह से जम्मू कश्मीर को 291 रन की बढ़त मिली और उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने की बजाय दूसरी पारी खेलने का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए थे तब दोनों टीम के कप्तान मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हो गए और जम्मू कश्मीर पहली बार चैंपियन बन गया। इस तरह से जम्मू कश्मीर में अपनी कुल बढ़त 633 रन कर दी थी।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण है : डोगरा

जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने कहा कि उनकी टीम की रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है और यह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण है। डोगरा नेकहा, 'सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।' उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो जेकेसीए (जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ) के साथ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां के खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैं केवल 11 खिलाड़ियों की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि सभी 14-15 खिलाड़ियों की बात कर रहा हूं। वे लाजवाब हैं, उन्होंने अपना पूरा योगदान दिया है और मैच जीतने के लिए बेताब रहे हैं।

हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए : पडिक्कल

कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी के पूरे सत्र में असाधारण गेंदबाजी की लेकिन स्वीकार किया कि उनकी टीम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही, जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। पडिक्कल ने कहा, 'हम जानते थे कि टॉस बड़ी भूमिका निभाएगा, लेकिन आखिरकार यह फाइनल है। हम सभी जानते हैं कि चाहे आप कुछ भी करो फाइनल का दबाव रहेगा। हमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए और उन्होंने हमसे कहीं बेहतर क्रिकेट खेली।' कर्नाटक के कप्तान ने इस पूरे सत्र में नबी के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'उन्होंने पूरे सत्र में असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी की।

अंतिम समय में शामिल हुए कामरन इकबाल ने जड़ा शतक

चोटिल शुभम खजूरिया की जगह तुरंत जम्मू-कश्मीर की टीम में शामिल हुए कामरन इकबाल ने फ्लाइट की थकान से पार पाते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 160 रन की पारी खेलकर टीम को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में मदद की। इकबाल का रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ना शानदार रहा। वह श्रीनगर में अपने घर पर आराम कर रहे थे क्योंकि वह मूल टीम का हिस्सा नहीं थे। तभी उन्हें तुरंत टीम में शामिल होने के लिए फोन आया। इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज को 23 फरवरी को दोपहर तीन बजे टीम प्रबंधन का फोन आया और उन्हें अगले दिन सुबह नौ बजे खेल शुरू होने से पहले टीम में शामिल होना था।

जम्मू कश्मीर ने 67 साल पहले राष्ट्रीय टूर्नामेंट में लिया था हिस्सा

रणजी ट्रॉफी का इतिहास 92 साल पुराना है लेकिन जम्मू कश्मीर की टीम ने 67 साल पहले पहली बार इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। एक समय उसे कमजोर टीम माना जाता था लेकिन अब उसने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प से खुद को मजबूत टीम साबित कर दिया। जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, लेकिन लेकिन वह इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। लेकिन केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेल रहे हैं। उसकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने उस टीम को हराया, जिसके पास कई स्टार भारतीय खिलाड़ी हैं। यह सही मायने में एक टीम प्रयास था, जिसने कमजोर मानी जाने वाली टीम को खिताब तक पहुंचाया। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा रणजी ट्रॉफी में 10 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए मिचेल और मोस्टरी

एजेंसी ▶▶| दुबई

डेरिल मिचेल और सोभना मोस्टरी को जनवरी महीने के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' दिया गया है। मिचेल ने न्यूजीलैंड को भारत में वनडे सीरीज में जबरदस्त जीत दिलाई थी। वहीं, मोस्टरी ने आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया था।

मिचेल ने सूर्यकुमार और रूट को पीछे छोड़ा

मिचेल ने इस अवॉर्ड के लिए भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया।

मिचेल ने न्यूजीलैंड के भारत दौरे की 50 ओवर की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने वनडे फॉर्मेट में अपनी टीम की सफलता दिलाने में अहम योगदान दिया। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज में 0-1 से पीछे थी, जिसके बाद मिचेल ने लगातार दो सेंचुरी लगाकर उस सीरीज को पलट दिया। मिचेल ने सीरीज के पहले मैच में 84 रन बनाने के बाद अगले दो मुकाबलों में 131* और 137 रन की पारी खेली थी। उनकी इस शतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने सीरीज के अंतिम दो मुकाबले जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी।

सोभना ने बनाए 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन

दूसरी ओर, बांग्लादेश की सोभना मोस्टरी ने महिलाओं की श्रेणी में जनवरी माह का 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का अवॉर्ड अपने नाम किया। सोभना ने बांग्लादेश को ग्लोबल क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में बिना हारे रहने में मदद करने में अहम भूमिका निभाई। उस टूर्नामेंट के अपने पहले छह मैचों में मोस्टरी ने 45.80 की औसत और 145.85 के स्ट्राइक रेट से 229 रन बनाए। सोभना के साथ महिलाओं की श्रेणी में इस अवॉर्ड के लिए गैबी लुईस और तारा नॉरिस को नॉमिनेट किया गया था।

खबर संक्षेप

खेल मेरे खून में रचा बसा है: ज्योति सिंह

बेंगलुरु। 21 वर्षीय ज्योति सिंह भारतीय हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि खेल उनके खून में रचा बसा है। झांसी में जन्मी ज्योति ने महिला जूनियर विश्व कप में भारत की कप्तानी की और पिछले साल सीनियर टीम में भी पदार्पण किया, जिसमें उन्होंने प्रो लीग के चार मैचों में भाग लिया। इसमें विश्व में नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ जीत भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता अंतरराष्ट्रीय एथलीट थे। मैं उनके साथ मैदान में दौड़ने और बैडमिंटन खेलने जाया करती थी।' ज्योति ने कहा, 'मेरी चचेरी बहन ने मुझे हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया। वह सीनियर अकादमी का हिस्सा थी। जब भी वह गर्मियों की छुट्टियों में घर आती थी, मैं उसके साथ समय बिताती थी और उसकी तरह बनना चाहती थी।' ज्योति ने कहा, 'मेरे परिवार और कोच ने हमेशा मेरा साथ दिया। मुझ पर कभी कोई दबाव नहीं था। खेलों से जुड़े परिवार से आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है क्योंकि उन्होंने भी इसी तरह के अनुभव किए हैं।'

हैरी ब्रूक युग की शुरुआत : जैक्स

कोलंबो। ऑलराउंडर विल जैक्स का मानना है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का शानदार प्रदर्शन 'हैरी ब्रूक युग' की शुरुआत है, जो शांत और स्पष्ट मानसिकता के साथ खेलती है। टी20 विश्व कप से पहले ब्रुक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इसकी शुरुआत एशेज में निराशाजनक प्रदर्शन से हुई और उसके बाद वेलिंगटन में एक नाइटक्लब के बाउंसर के साथ नशे में हुई झड़प के बाद उनके नेतृत्व को लेकर सवाल उठने लगे। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मैच शेष रहते सेमीफाइनल में जगह दिला दी। इसके बाद इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को भी हराया। जैक्स से जब पूछा गया कि क्या उन्हें ऐसा लग रहा है कि 'बैज़बॉल' (आक्रामक अंदाज में खेलना) के अच्छे दिन वापस आ गए हैं तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हैरी ब्रूक का युग है।

'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत, गेंदबाजी में करना होगा प्रभावशाली प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा।

आज शाम 7 बजे से ईडन गार्डन्स में रोमांचक मुकाबला

वेस्टइंडीज का टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा

वेस्टइंडीज ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी रणनीति स्पष्ट है। शुरू में कुछ सतर्क होकर खेलना और बाद में बेखौफ अंदाज में आक्रमण करना। अपनी इस रणनीति के कारण उसे लगातार पांच मैच में जीत मिलीं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने उसकी जीत का सिलसिला रोक दिया। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में गहराई है और इसका नमूना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ देखने को मिला जब नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे रोमारियो शेफर्ड के नाबाद अर्धशतक लगाया। शिमरोन हेटमायर का नंबर तीन पर आना भी बड़ा सकारात्मक फैसला साबित हुआ है।

तीसरा महिला वनडे : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्लीन स्वीप से बचने उतरेगी टीम इंडिया

तीसरा वनडे आज : महिला टीम को करना होगा बल्लेबाजी की कमजोरी दूर

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

पहले दो मैचों में बुरी तरह हारने के बाद बैकफुट पर खड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अगर जीत हासिल करके अपनी प्रतिष्ठा कुछ हद तक बचानी है तो उसको अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा।

भारतीय टीम पहले दोनों मैच में चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में नाकाम रही और ऑस्ट्रेलिया ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनाई। यह लगातार 12वां अवसर है जबकि भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे श्रृंखला गंवाई। असल में भारत अभी तक अपने इस प्रतिद्वंदी से द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीत पाया है।

जेमिमा-दीप्ति का बल्ला खामोश

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को अगर क्लीन स्वीप से बचना है तो उसके बल्लेबाजों को अपने खेल में आमूलचूल सुधार करना होगा। युवा सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्धशतक बनाया, वहीं स्मृति मंधाना ने दोनों मैचों में क्रमशः 31 और 58 रन बनाए।

इंग्लिश प्रीमियर लीग

वॉल्व्स ने किया उलटफेर एस्टन विला को दी मात

एजेंसी ▶▶| वॉल्वरहैम्प्टन

जोआओ गोम्स ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के वर्तमान सत्र का अपना पहला गोल किया जबकि रोड्रिगो गोम्स ने स्टॉपेज टाइम में गोल दागा, जिससे इस प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता के सबसे निचले पायदान की टीम वॉल्वरहैम्प्टन ने शानदार फॉर्म में चल रहे एस्टन विला को 2-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

लीग में यह उस क्लब की केवल दूसरी जीत है, जिसके 29 मैच में केवल 13 अंक हैं, जो अपनी करीबी टीम से छह अंकों से पिछड़ रही है। एक ऐसी टीम, जिसका निचली श्रेणी के टूर्नामेंट में खिसकना तय है। वॉल्व्स के प्रशंसक अपनी टीम की इस जीत से काफी खुश थे, जिससे एस्टन विला की चैंपियंस लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। यह बर्मिंघम के इस क्लब के कोच के रूप में अपनी 100वीं जीत दर्ज करने की कोशिश कर रहे कोच उनाई एमरी के लिए भी करारा झटका है।

एस्टन विला अभी प्रीमियर लीग की तालिका में 28 मैच में 51 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। मैनचेस्टर यूनाइटेड (48 अंक), चेल्सी (45) और लिवरपूल (45) भी शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। आर्सेनल (61) और मैनचेस्टर सिटी (56) पहले दो स्थान पर हैं।

11 अप्रैल तक मंगोलिया में चलेगा टूर्नामेंट

एशियाई मुक्केबाजी: भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी लवलीना और निकहत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत की 20 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगी।

भारत ने एक महीने तक चली गहन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद 20 सदस्यीय टीम का चयन किया है। जनवरी में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। चयन नीति के अनुसार एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए चुना जाएगा। इससे इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप का महत्व बढ़ गया है।

प्रीति, अरुंधति और प्रिया टीम में शामिल

स्पेन में हाल ही में बॉक्सम एलीट चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली लवलीना (75 किग्रा) महिला टीम की अगुवाई करेंगी। स्पेन में स्वर्ण पदक जीतने वाली अन्य खिलाड़ियों प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) को भी टीम में शामिल किया गया है। मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मीन (57 किग्रा) भी टीम में शामिल हैं। महिला वर्ग में अन्य खिलाड़ियों में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन (51 किग्रा), अंकुशिता बोरो (65 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (80 किग्रा से अधिक) को टीम में जगह दी गई है।

डीसीसीआई नहीं करें भारत या भारतीय शब्द का उपयोग : खेल मंत्रालय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) को निर्देश दिया है कि वह अपने नाम या गतिविधियों में 'इंडिया (भारत)' या 'इंडियन (भारतीय)' शब्दों का उपयोग न करे, क्योंकि उसे राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है। मंत्रालय ने डीसीसीआई के सचिव रवि कांत चौहान को भेजे पत्र में स्पष्ट किया कि 'इंडिया' या 'इंडियन' शब्दों का उपयोग करने की केवल उन्हीं निकायों को अनुमति है, जिन्हें सरकार से आधिकारिक मान्यता प्राप्त है। इसी प्रकार के पत्र भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ और भारतीय बॉडी बिल्डर महासंघ सहित अन्य संगठनों को भी भेजे गए हैं। पत्र में कहा गया है, ' विभाग के संज्ञान में आया है कि आपकी संस्था, अर्थात 'भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद', 'भारत' शब्द का उपयोग कर रही है, जबकि इसे इस मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

प्राग अंतरारष्ट्रीय शतरंज महोत्सव : मास्टर्स वर्ग का तीसरा दौर

अरविंद ने खेला ड्रॉ, गुकेश को मिली फोरेस्ट से हार

एजेंसी ▶▶| प्राग

विश्व चैंपियन डी गुकेश को प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के तीसरे दौर में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अरविंद चिदंबरम ने ईरान के परहम मगसूदलू के साथ ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में लगे गुकेश ने वैन फोरेस्ट के खिलाफ शुरू से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

वह मैच में किसी भी समय अपनी पकड़ नहीं बना पाए। फोरेस्ट ने सफेद मोहरों से खेलते हुए रूय लोपेज शैली का इस्तेमाल किया और टार्टाकोवर वेरिएशन में बिशप की जोड़ी के साथ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गया और उन्हें अपना एक मोहरा गंवाना पड़ा। तकनीकी पेचीदगियां तो बनी रहीं, लेकिन तब तक फोरेस्ट जीत की स्थिति में नहीं दिख रहे थे। रानी के आदान-प्रदान के बाद गुकेश की स्थिति खराब हो गई और फोरेस्ट ने 48 चाल में जीत हासिल की।

फोरेस्ट ने हासिल की फिर से संयुक्त बढ़त

इस जीत से फोरेस्ट ने फिर से संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है। वह इस प्रतियोगिता में एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिनके तीनों मैच को निर्णय निकला। फोरेस्ट के दो अंक हैं और वह उज़्बेकिस्तान की जोड़ी नोदिरबेक याकुबोए और नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव तथा स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दस खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे हैं इस टूर्नामेंट में अभी छह दौर का खेल होना बाकी है। गुकेश, जर्मनी के शीर्ष वरीयता प्राप्त विन्सेंट कीमर, अमेरिका के हैंस मोके नीमन और मगसूदलू सातवें स्थान पर हैं। इन सभी ने अपने तीन मैचों में एक-एक अंक हासिल किया है।

FORM - IV
Statement of ownership and other particulars about Hari Bhoomi as required by Registration of Newspapers (Central) Rules 1956 :

1. Place of Publication :
   Hari Bhoomi, 66/1, Industrial Area, Richhai, Jabalpur-482002 (M.P.)
2. Periodicity of Publication : Daily
3. Printer's Name :
   Achint Maheshwari
   Nationality : Indian
   Address : 66/1, Industrial Area, Richhai, Jabalpur-482002 (M.P.)
4. Publisher's Name :
   Achint Maheshwari
   Nationality : Indian
   Address : As above
5. Editor's Name :
   Dr. Himanshu Dwivedi
   Nationality : Indian
   Address : 66/1, Industrial Area, Richhai, Jabalpur-482002 (M.P.)
   Hari Bhoomi, is owned by Hari Bhoomi Communications Private Limited, 201, Onkardeep Building, A-19, Connaught Place, New Delhi-110001 having following share holders holding more than one percent of the total capital :

i) Abhimanyu Sindhu, 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
ii) Sarvesh Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
iii) Vir Sen Sindhu 1, Garud Nagar, Gevra Project, Korba, Chhattisgarh - 495452
iv) Vrit Pal Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
v) Satya Pal Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vi) Anika Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana-124001
vii) Swasti Sindhu 53, Sector-14, Rohtak, Haryana - 124001
viii) Rachna Sindhu 57, Sector-14, Rohtak, Haryana-124001
ix) M/s Indus Edumanagement Services Private Limited 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035
x) Paramitra Holdings Private Limited, 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035

I, Achint Maheshwari, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Achint Maheshwari
Publisher
Dt. 01-03-2026

नशा मुक्ति केन्द्र में बेटे द्वारा जबरन बंधक बनाने के मामले में हाई कोर्ट के निर्देश

मेडिकल के नशा-मुक्ति ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर में रखकर किया जाए उपचार

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने संपत्ति विवाद के कारण पुत्र द्वारा पिता को नशा मुक्ति केंद्र में बंधक बनाकर रखे जाने के रवैये को गंभीरता से लिया। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस द्वारा मुक्त कराकर पेश किए गए पिता की मेडिकल रिपोर्ट पर गौर किया। इसके साथ ही पाया कि बंधक कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित है। लिहाजा, हाई कोर्ट ने मेडिकल कालेज, जबलपुर स्थित नशा-मुक्ति मेडिकल ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर में रखकर उपचार किए जाने की व्यवस्था दी।

दरअसल, यह बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका जबलपुर निवासी अक्षय चौधरी की ओर से दायर की गई है। जिसमें कहा गया था कि वह दुर्गेश पटेल के पास काम करता है। उनके पुत्र रूपेश पटेल ने पिता दुर्गेश पटेल को जबरन नशा-मुक्ति केंद्र में बंधक बनाकर रखा है। हाई कोर्ट के निर्देश पर तिलवारा पुलिस ने वयोवृद्ध को हाई कोर्ट में पेश किया था। जिन्होंने हाई कोर्ट को बताया था कि वे कोई साइकोट्रोपिक सब्सटेंस नही लेते है और प्रापर्टी के झगड़े की वजह से उसे नशा-मुक्ति केंद्र में रखा गया है। कोर्ट में अनावेदकों की ओर से बताया गया कि वे भू-माफिया के प्रभाव में हैं, जो प्रापर्टी पर कब्जा करना चाहते हैं। हाई कोर्ट ने पुलिस जांच अधिकारी को वृद्ध की मेडिकल जांच नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज, डाक्टर बोर्ड से कराने के आदेश जारी किए थे। हाई कोर्ट के निर्देश पर पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में बताया गया कि वृद्ध कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं और उनकी विस्तृत जांच आवश्यक है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हास्पिटल में एक नशा-मुक्ति मेडिकल ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर है, जो नई दिल्ली के आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस के साथ को-आर्डिनेशन में चलाया जाता है। रिपोर्ट में सिफारिश की गई कि वृद्ध को उसी हास्पिटल में भर्ती कराया जाए। हाई कोर्ट ने सभी पक्षों की सहमति के बाद मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार वृद्ध को नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कालेज, जबलपुर में भर्ती कराने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को निर्धारित की है।

हत्या के प्रयास पर सात वर्ष का कारावास

जबलपुर। जिला अदालत ने हत्या के प्रयास के आरोपित जबलपुर निवासी राहुल गुप्ता का दोष सिद्ध पाया। अपर सत्र न्यायाधीश नदीम खान की कोर्ट ने आरोपी को सात वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 11 हजार रुपये जुर्माना लगाया।अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजन अरविंद जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपी ने 31 जनवरी, 2023 को पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे अजय उर्फ बल्ला पर लेनदेन को लेकर हमला कर दिया था। बोतल में पेट्रोल भरकर बनाया गया पेट्रोल बम आग लगाकर जलता हुआ ऊपर फेंक दिया। इससे अजय बुरी तरह घायल हो गया। शिकायत पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का अपराध पंजीबद्ध कर लिया।

हाईकोर्ट का अहम निर्देश

सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर्स को अंतिम वेतन से 8 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दो

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अहम आदेश में शासकीय अस्पतालों में कार्यरत सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर्स को उनके द्वारा प्राप्त अंतिम वेतन से 8 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ प्रदान करने कहा है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने डॉक्टर्स को 6 फीसदी ब्याज के साथ 2018 से एरियर्स का भुगतान करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा शासन को ऑपरेशन व हस्तक्षेप उपचार से प्राप्त राजस्व का 20 फीसदी राशि का भी भुगतान करने को कहा। कोर्ट ने साफ कहा कि चूंकि उपरोक्त भुगतान करने के लिए एक नियम है, इसलिए सरकार नियमों के विपरीत कार्य नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि उक्त भुगतान सुपरस्पेशलिटी डॉक्टरों को दिया जाए। सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर्स एसोसिएशन रीवा की ओर से अधिवक्ता अमित सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि सरकार प्रारंभिक निर्धारित वेतन से वेतन वृद्धि की गणना कर रहे हैं। डॉक्टर्स को हर साल मिलने वाली वेतन वृद्धि को अगले वर्ष की वेतन वृद्धि की गणना में नहीं जोड़ा जाता है। मांग की गई कि अंतिम वेतन से वेतन वृद्धि का लाभ प्रदान करें।

सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि 2018 की अधिसूचना के नियम के अनुसार प्रत्येक वर्ष 8 प्रतिशत की वेतनवृद्धि दी जानी है। यदि निर्धारित प्रारंभिक वेतन से वेतनवृद्धि दी जाती है, तो वास्तव में एक वर्ष के बाद कोई वेतनवृद्धि नहीं होगी। पूरी सेवा अवधि में, सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर को प्रारंभिक वेतन से केवल 8 फीसदी की वेतनवृद्धि ही मिलेगी। कोर्ट ने आयुक्त के उस आदेश को अनुचित करार देते हुए निरस्त कर दिया जिसमें सुपरस्पेशलिटी डॉक्टर को प्रारंभिक वेतन से केवल 8 फीसदी की वेतनवृद्धि देने का प्रावधान किया गया था।

कानपुर निवासी 3 युवक पकड़े गए

ट्रक में ठूंसकर लायी जा रही थीं 26 भैंसें

जबलपुर। जबलपुर संभाग के मंडला जिले में जबलपुर मार्ग पर स्थित टिकरिया में पुलिस ने एक 16 चका ट्रक में ठूंस-ठूंसकर भरी गई 26 भैंसों को मुक्त कराया । टिकरिया थाना पुलिस ने उक्त ट्रक को उस वक्त पकड़ा जब मवेशियों को काटने के लिए जबलपुर लेकर आ रहे थे। पुलिस ने मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर लिया है। इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नैनपुर जिला मंडला से 16 चका ट्रक में 26 भैंसों को भरकर तीन युवक जबलपुर के लिए रवाना हुए थे। मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस दल पहले से ही तैनात रहा और जैसे ही बताए गए नंबर का ट्रक टिकरिया से आगे को बढा कि इसी दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रक को रोका तो उस में सवार तीन युवक कूदकर भागने लगे । पुलिस ने तीनों को पीछा करते हुए जंगल के रास्ते से पकड़ लिया। इसके बाद ट्रक की तलाशी ली तो उसमें 26 भैंस ठूंस-ठूंसकर भरी गई थी, जिनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने मवेशियों को फूलसागर पड़रिया स्थित गौशाला में सुरक्षित पहुंचाते हुए मामले में इश्तियाक अहमद, जीशान व आफताब नामक युवकों को गिरफ्तार किया है। तीनों यूपी के कानपुर के रहने वाले बताए गए है। उनके खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

छिंदवाड़ा जिला केंद्रीय बैंक में 10.30 लाख का गोलमाल!

जबलपुर। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित छिंदवाड़ा, प्रधान कार्यालय में वर्ष 2015 से 2020 तक हुए 10.30 लाख रुपए गबन के मामले में गबन, षडयंत्र तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत बैंक के तीन अधिकारी व कर्मचारियों पर प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच में छिंदवाड़ा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय में पदस्थ सहायक प्रबंधक अभय कुमार पिता कस्तूरचंद जैन, प्रभारी लेखा कक्ष नीरज पिता धनकुमार जैन, प्रभारी लिपिक अभिषेक पिता अजीत कुमार जैन की इस गबन में संलिप्तता पाई गई है। बैंक के लिपिक अभिषेक जैन बैंक के आंतरिक खाता से नेफट के माध्यम से 10.30 लाख रुपए स्वयं के निजी खाते में डाली थी। वर्ष 2015 से 2020 के मध्य उक्त राशि 19 ट्रांजेक्शन के माध्यम से ट्रांसफर की गई थी। ट्रांजेक्शन अभिषेक जैन ने अपनी मेकर आईडी एवं चेकर के रूप में प्रभारी सहायक प्रबंधक लेखा एवं लेखा शाखा प्रभारी नीरज जैन की आईडी का उपयोग कर ट्रांसफर किया था। सहायक प्रबंधक व लेखा प्रभारी की आईडी का उपयोग लगातार अभिषेक जैन के द्वारा किया जाता रहा। इस प्रकरण का खुलासा होने के बाद सहकारी बैंक ने विभागीय जांच कराई तथा जिसमें अभिषेक जैन के साथ ही अन्य दोनों अधिकारी दोषी पाए गए थे। विभागीय जांच के बाद जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ने शिकायत ईओडब्ल्यू जबलपुर को की थी जिसके बाद जांच कर प्रकरण दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रभारी लिपिक को जांच के दौरान सौंसर में पदस्थ कर दिया गया था वहीं अन्य दोनों अधिकारी वर्तमान में प्रधान कार्यालय में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

नगर निगम के बाबू को ईओडब्ल्यू ने दबोचा

मेडिकल लीव मंजूर करने ले रहा था रिश्वत

जबलपुर। नगर निगम की स्थापना शाखा में पदस्थ दैनिक भोगी कर्मचारी राकेश शर्मा को आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नगर निगम मुख्यालय के ठीक सामने की गई, जिससे वहां हड़कंप मच गया। आरोपी बाबू स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी पी रामाराव की मेडिकल लीव स्वीकृत करने के बदले पैसों की मांग कर रहा था। ईओडब्ल्यू के डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ कर्मचारी पी रामाराव ने अपनी मेडिकल लीव (चिकित्सा अवकाश) स्वीकृत कराने के लिए

आवेदन दिया था। इसी काम को पूरा करने के एवज में बाबू राकेश शर्मा ने 3 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की मांग से परेशान होकर पीड़ित कर्मचारी ने इसकी शिकायत ईओडब्ल्यू कार्यालय में दर्ज कराई। शिकायत की तस्दीक करने के बाद ईओडब्ल्यू की टीम ने अपना जाल बिछाया और जैसे ही पीड़ित ने निगम मुख्यालय के सामने ही बाबू को पैसे दिए, टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट की वारदातों में 2 घायल

जबलपुर। सिहोरा और गोरखपुर में मारपीट की दो वारदातें सामने आई है। मारपीट की इस वारदात में दो युवक घायल हो गए। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार धनगवां सिहोरा निवासी 35 वर्षीय सुनील कुचबंधिया के घर गत रात 8 बजे भतीजा आदित्य कुचबंधिया गालीगलौज व मारपीट कर रॉड से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296बी, 115(2), 118(1), 351(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह गोरखपुर में संतोषी माता मंदिर के पास गोरखपुर निवासी 26 वर्षीय सूरज यादव गत दिवस 10.30 बजे मंदिर के पास गया, जहां पहले से खड़े हिमांशु एवं पण्डित उसे देखकर गालीगलौज करने लगे, गालीगलौज की वजह पूछने पर दोनों ने मारपीट कर हिमांशु पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296बी, 115(2), 118(2), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

2 बदमाशों ने युवक पर हमला कर 10 हजार रुपए लूटे

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत सब्जी मंडी कलारी के बाजू वाली गली कटरा में अज्ञात दो बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट कर डंडे से प्राणघातक हमला कर दिया है। इस दौरान युवक के 10 हजार रुपए भी बदमाशों ने लूट लिए। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय नगर अधारताल निवासी 18 वर्षीय आशीष रजक गत रात 11 बजे अपने मालिक से 10 हजार रूपए लेकर दुकान से घर लौट रहा था जैसे ही सब्जी मंडी कलारी के बाजू वाली गली कटरा अधारताल पहुँचा, तभी वहाँ पर दो अज्ञात लड़के मिले और उससे जो भी तुम्हारे पास है हमे दे दो कहने, वह आगे बढ़ने लगा तो दोनों गालीगलौज करते हुए उस पर डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। आवाज सुनकर दोस्त विपिन विश्वकर्मा आया तो दोनों लडके वहाँ से भाग गये इसी दौरान उसके पास रखे हुये 10 हजार रुपए छीन लिये है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 115, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जबलपुर नगर निगम का नया नवाचार

मंदिरों के फूलों से बनी गुलाल से महकेगा शहर

हरिभूमि जबलपुर।

शहर में स्वच्छता और नवाचार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जबलपुर नगर निगम ने कबाड़ से कमाल अभियान की सफलता के बाद अब वेस्ट टू वेल्थ का नया मॉडल लागू किया है। इस पहल के तहत शहर के प्रमुख मंदिरों में अर्पित होने वाले फूलों को अब कचरे में फेंकने के बजाय विशेष प्रक्रिया से उपयोगी उत्पादों में बदला जाएगा।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पत्रकारवार्ता में बताया कि पहले चरण में कबाड़ से कमाल अभियान के अंतर्गत पुराने और अनुपयोगी कबाड़ से आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर उन्हें शहर के उद्यानों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित किया गया। इस पहल को नागरिकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसके बाद अब नगर निगम ने वेस्ट टू वेल्थ के मंत्र पर अगला कदम बढ़ाया है। महापौर ने बताया कि इस नवाचार के अंतर्गत शहर के प्रमुख मंदिरों में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में अर्पित होने वाले फूलों को विशेष वाहनों के माध्यम से एकत्रित किया जा रहा है। इन फूलों को बल्देवबाग स्थित कंपोस्ट प्लांट में लाया जाता है, जहां आधुनिक तकनीकों की मदद से उनका वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाता है।

बनाए जा रहे जैविक उत्पाद

महापौर ने बताया कि मंदिरों से एकत्रित फूलों से निम्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं हर्बल गुलाल, प्राकृतिक रंगोली पाउडर, अगरबत्ती, जैविक खाद आदि बनाए जा रहे हैं. इन उत्पादों का उपयोग न केवल पर्यावरण के अनुकूल होगा, बल्कि इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होने की संभावना है।

आस्था का सम्मान, स्वच्छता का सशक्त मॉडल

महापौर ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था का सम्मान करते हुए शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। अक्सर मंदिरों में चढ़ाए गए फूल नदी, तालाब या कचरे के ढेर में पहुंच जाते थे, जिससे प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती थी। अब इन फूलों का पुनर्चक्रण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा रहा है।

स्वच्छता अभियान को गति मिलेगी : बिज

निगमाध्यक्ष रिकुंज विज ने कहा कि नगर निगम के नवाचार से स्वच्छता अभियान को इस वर्ष और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि महापौर एवं निगमायुक्त के सार्थक प्रयास स्वच्छता के क्षेत्र में रैंकिंग लाने में सहायक सिद्ध होगा।

जमीनी स्तर पर बेहतर प्रयास करेंगे : निगमायुक्त

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में शासन से प्राप्त दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप जमीनी स्तर पर जनभागीदारी के साथ मिलकर हम सब बेहतर प्रयास करेगें और जबलपुर को स्वच्छता अभियान में बेहतर रैंकिंग लाने के लिए कार्य करेगें।

पत्रकारवार्ता के दौरान नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, एमआईसी सदस्य सुभाष तिवारी, विवेकराम सोनकर, दामोदर सोनी, अंशुल राघवेन्द्र यादव, रजनी कैलाश साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मालवीय चौक पर होर्डिंग को लेकर विवाद

पूर्व विधानसभा में फिर सियासी तकरार

जबलपुर। पूर्व विधानसभा क्षेत्र में अब कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम, चुनावी आयोजन या फिर त्योहार बिना विवाद के संपन्न हो जाए, यह मुश्किल सा लगता है। कभी कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने होते हैं, तो कभी विरोधी दल न होने पर एक ही दल के कार्यकर्ता आपस में उलझ जाते हैं। ऐसा ही एक मामला शहर के व्यस्त मालवीय चौक पर देखने को मिला। पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया के जन्मदिन (1 मार्च) के अवसर पर होर्डिंग लगाने को लेकर एक ही पार्टी के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। कुछ देर के लिए चौराहे पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

एक ही स्थान पर कब्जे की कोशिश

जानकारी के अनुसार, दोनों गुट मालवीय चौक के मुख्य चौराहे पर एक ही स्थान पर अपना-अपना बैनर लगाना चाहते थे। इसी बात को लेकर पहले तीखी बहस हुई, जो बाद में विवाद में बदल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने समझाइश देने की कोशिश की, लेकिन मामला बढ़ता देख पुलिस को सूचना देनी पड़ी।

पुलिस ने संभाली स्थिति

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर समझाइश दी। कुछ देर की मशक्कत के बाद स्थिति सामान्य हो सकी। यातायात भी थोड़ी देर प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारु किया गया।

नेताओं ने दी संयम बरतने की सलाह

घटना की जानकारी मिलते ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय बनाए रखने और सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन का पालन करने की अपील की। नेताओं का कहना है कि इस तरह के विवादों से संगठन की छवि पर असर पड़ता है। पूर्व विधानसभा क्षेत्र में बार-बार हो रहे ऐसे विवाद अब चर्चा का विषय बनते जा रहे हैं। सवाल यही है कि राजनीतिक उत्सव और सार्वजनिक आयोजन आखिर कब बिना तकरार के पूरे होंगे।

ईओडब्लयू ने दर्ज की लोन लेने वाले के खिलाफ एफआईआर

बिना अनुमति बैंक में गिरवी रखी प्रापर्टी का हिस्सा बेचा

जबलपुर। राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बैंक में गिरवी रखी संपत्ति का एक हिस्सा बिना अनुमति बेचने के आरोप में एक व्यापारी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। प्रकरण में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। शिकायत और आरोप ईओडब्ल्यू के एसपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि, शिकायतकर्ता रामेश्वर दयाल शर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक, केनरा बैंक जबलपुर ने ईओडब्लयू में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि इसरार खान, प्रोपराइटर जी.के. मेडीकोज, मेन रोड तिलक वार्ड, बड़ी ओमती घण्टाघर, जबलपुर द्वारा केनरा बैंक की खोवा मंडी शाखा में अपनी भरतीपुर स्थित प्लॉट नंबर 254/7 (क्षेत्रफल 1350 वर्गफुट) को गिरवी रखकर विभिन्न तिथियों में कुल 89.22 लाख रुपये का ऋण लिया गया था। आरोप है कि ऋण अवधि के दौरान, दिनांक 6 जनवरी 2020 को उक्त गिरवी संपत्ति के निर्मित मकान का 560 वर्गफुट हिस्सा बैंक की अनुमति के बिना मोहम्मद रफीक एवं मोहम्मद आसिफ को विक्रय कर दिया गया। शिकायत के अनुसार यह कार्य धोखे से अवैध लाभ प्राप्त करने की नीयत से किया गया, जिससे बैंक को आर्थिक क्षति हुई। आर्थिक अपराध ब्यूरो द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इसरार खान ने सर्वप्रथम उक्त प्लॉट को गिरवी रखकर 18 लाख रुपये का ऋण लिया था। इसके बाद उसी संपत्ति पर विभिन्न कैश क्रेडिट (सीसी) लिमिट और टर्म लोन भी लिए गए। वर्ष 2025 में बैंक ऑडिट के दौरान मूल विक्रय पत्र और भार प्रमाण पत्र का सत्यापन कराया गया। जांच में पाया गया कि उक्त 1350 वर्गफुट संपत्ति पर कुल 1 करोड़ 43 लाख रुपये के विभिन्न ऋण स्वीकृत थे। इसी दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि गिरवी रखी गई संपत्ति के एक हिस्से (560 वर्गफुट) का विक्रय 6 जनवरी 2020 को कर दिया गया था, जबकि संपत्ति बैंक के पास मॉर्गेज थी। धोखाधड़ी का मामला दर्ज प्राथमिक जांच में आरोपों के प्रथम दृष्टया सत्य पाए जाने पर इसरार खान, निवासी नया मोहल्ला जय प्रकाश नारायण वार्ड, जबलपुर के विरुद्ध धारा 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। आर्थिक अपराध ब्यूरो अधिकारियों के अनुसार मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से बाईक सवार की मौत, दूसरा घायल

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत कूड़न नेशनल हाईवे रोड पर अज्ञात कार ने एक बाईक को टक्कर मार दी, जिसमें सवार एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा घायल हो गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिल्पीनगर निवासी 35 वर्षीय भीकम चौधरी गत दिवस ग्राम पथरिया थाना बेलखेड़ा में अपने मौसेरे भाई 26 वर्षीय करन अहिरवार के साथ मोटर सायकिल से ग्राम बुमरहा हिनौता मे मामा के यहॉ कार्यक्रम में जा रहे थे शाम 5 बजे कूड़न नेशनल हाईवे रोड पर किसी अज्ञात कार के चालक ने उनकी मोटर सायकिल मे टक्कर मार दी जिससे दोनों गिर पड़े तथा दोनों को चोटे आ गयी। करन को अधिक चोटे आने पर उसे तत्काल मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टर ने चैक कर करन अहिरवार को मृत घोषित कर दिया।

गौरीघाट झंडा चौक में पुलिस की घेराबंदी

मैहर की ज्वेलरी चोरी के तार जबलपुर से जुड़े

जबलपुर। मैहर जिले के पकड़यिा गांव में हुई ज्वेलरी चोरी के मामले में जांच का दायरा अब जबलपुर तक पहुंच गया है। पुलिस को मिले तकनीकी इनपुट के अनुसार संदिग्ध आरोपियों की आखिरी लोकेशन ग्वारीघाट थाना क्षेत्र के झंडा चौक इलाके में मिली है। इसके बाद मैहर और जबलपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्र में घेराबंदी कर संदिग्धों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि सोमवार दोपहर पकड़यिा गांव स्थित एक ज्वेलरी दुकान पर चोरी की घटना हुई। दुकान संचालक बाहर पानी

भरने गया था, तभी बाइक से आए दो युवक मौके पर पहुंचे। एक युवक दुकान के अंदर घुसा और काउंटर के पास रखा जेवरों से भरा बैग उठाकर फरार हो गया। बैग में करीब 350 ग्राम सोना और 10 किलो चांदी बताई जा रही है। पूरी घटना बहुत कम समय में अंजाम दी गई। जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने वारदात से पहले दुकान की गतिविधियों पर नजर रखी थी। उन्हें समय और मौके की पूरी जानकारी थी। इसी आधार पर घटना को अंजाम दिया गया। ग्वारीघाट के झंडा चौक क्षेत्र में पुलिस की टीम लगातार तलाशी अभियान चला रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की उम्मीद है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

350वें शहीदी वर्ष पर हुआ रामदत्त जी चक्रधर का प्रेरणादायी व्याख्यान

त्याग, तप और तेज की प्रेरकगाथा है गुरु तेगबहादुर: संघ सह सरकार्यवाह

हरिभूमि जबलपुर।

सनातन धर्म की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सिखों के नौवें गुरु गुरु तेगबहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कृति थिएटर, कल्चरल स्ट्रीट, भंवरताल, जबलपुर में एक भव्य एवं प्रेरणादायी व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न वर्गों, व्यवसायों एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री रामदत्त जी चक्रधर ने अपने ओजस्वी एवं भावपूर्ण उद्बोधन में गुरु तेगबहादुर जी के अद्वितीय त्याग, तपस्या, धैर्य और अप्रतिम साहस का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का जीवन केवल एक धार्मिक महापुरुष का जीवन नहीं था, बल्कि वह अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने और सत्य की रक्षा के लिए सर्वस्व अर्पण करने की प्रेरक गाथा है।

श्री चक्रधर ने बताया कि गुरु तेगबहादुर जी, गुरु हरगोविंद के सुपुत्र थे। बाल्यावस्था में उनका नाम त्यागमल था, किंतु मात्र 13 वर्ष की आयु में युद्धभूमि में असाधारण वीरता का परिचय देने पर उन्हें "तेगबहादुर" की उपाधि प्राप्त हुई। यह नाम केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि उनके तेजस्वी व्यक्तित्व और अदम्य साहस की पहचान बन गया—तेग (तलवार) की धार जैसी प्रखरता और बहादुरी का प्रतीक।

मुख्य वक्ता ने उस ऐतिहासिक कालखंड का स्मरण कराया जब औरंगज़ेब के शासनकाल में धार्मिक असहिष्णुता और अत्याचार चरम पर थे। उन्होंने कहा कि उस समय अनेक स्थानों पर लोगों पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था और समाज भय एवं असुरक्षा के वातावरण में जी रहा था। ऐसे कठिन समय में गुरु तेगबहादुर जी ने निर्भीकता के साथ अन्याय को ललकारा और स्पष्ट घोषणा की कि यदि उन्हें इस्लाम स्वीकार करने के लिए विवश किया जा सकता है, तभी अन्य किसी को बाध्य किया जा सकता है। यह घोषणा केवल एक चुनौती नहीं, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की सशक्त उद्घोषणा थी।

श्री चक्रधरजी ने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी ने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि धर्म केवल पूजा-पद्धति का विषय नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आस्था की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उनका बलिदान किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था।

उन्होंने गुरुजी के साथियों भाई मति दास, भाई दयाल दास और भाई सती दास—के अद्भुत साहस का भी उल्लेख किया। विपरीत परिस्थितियों और अमानवीय यातनाओं के बावजूद उन्होंने अपनी आस्था नहीं छोड़ी और अडिग रहे। श्री चक्रधर जी ने कहा कि यह बलिदान केवल सिख समाज का इतिहास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के आत्मसम्मान, सहिष्णुता और धर्मनिष्ठा का अमर अध्याय है।

अपने वक्तव्य के समापन में उन्होंने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी का बलिदान भारतीय इतिहास में धार्मिक स्वतंत्रता, नैतिक साहस और मानवीय गरिमा की अमिट मिसाल है। उनका जीवन हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, सत्य का साथ देने और समाज में आत्मबल जागृत करने की सतत प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम में विभाग संघचालक डॉ. कैलाश जी गुप्ता, प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप जी दुबे तथा प्रांत प्रचारक श्री ब्रजकांत जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम में विभाग संघचालक डॉ. कैलाश गुप्ता, प्रांत संघचालक डॉ. प्रदीप दुबे तथा प्रांत प्रचारक ब्रजकांत जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का गरिमामय समापन हुआ।

10 अन्य दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक लाभ प्रदान करने के भी आदेश जारी

नगर निगम के इतिहास में पहली बार 37 आश्रितों को एक साथ अनुकम्पा नियुक्ति

जबलपुर। नगर निगम ने प्रशासनिक पहल करते हुए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। निगम के इतिहास में पहली बार एक साथ 37 दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गई। लंबे समय से आर्थिक और मानसिक संघर्ष झेल रहे इन परिवारों के लिए यह निर्णय राहत और सम्मान का प्रतीक बनकर सामने आया। निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, निगमाध्यक्ष रिकुंज विज सहित एम.आई.सी. सदस्यों डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव और श्रीमती रजनी कैलाश साहू की उपस्थिति में सभी आश्रितों को मंच पर आमंत्रित कर बुके और माल्यार्पण के साथ सम्मानपूर्वक नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

एक माह में पूरी हुई प्रक्रिया

महापौर श्री अन्नू ने कहा कि यह केवल औपचारिक नियुक्ति नहीं, बल्कि उन परिवारों के प्रति निगम का दायित्व है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को निगम सेवा के दौरान खोया है। उन्होंने बताया कि निगमायुक्त के निर्देशन में रिकॉर्ड समय में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। महज एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का सूक्ष्म परीक्षण कर 37 आश्रितों को नियुक्ति आदेश जारी किए गए। इसके साथ ही 10 अन्य दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक लाभ प्रदान करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

परिवार खुद को अकेला न समझे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर ने कहा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पीड़ित परिवार स्वयं को असहाय या अकेला न समझे। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने भी आश्वस्त किया कि यह प्रक्रिया यहीं समाप्त नहीं होगी। वर्तमान में लंबित अन्य आवेदनों पर भी तेज गति से कार्यवाही जारी है, ताकि शेष परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके।

छलके खुशी के आँसू

नियुक्ति पत्र प्राप्त करते समय कई आश्रित भावुक नजर आए। वर्षों की प्रतीक्षा और अनिश्चितता के बाद मिले इस अवसर ने परिवारों में नई उम्मीद जगाई है। कार्यक्रम में 47 दिवंगत कर्मचारियों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शीघ्र होगा गोहलपुर पुलिया का चौड़ीकरण

जबलपुर। नगर निगम ने गोहलपुर पुल चौड़ीकरण कार्य द्वितीय निविदा सूचना 27 फरवरी को जारी कर दी है। इस कार्य की लागत 3 करोड़ तीन हजार एक सौ पच्चीस रुपयों की होगी। निविदा की अंतिम तिथि 16 मार्च रखी गई है। इसके पश्चात वर्क आर्डर जारी कर गोहलपुर की पुलिया के चौड़ीकरण कार्य का भूमिपूजन मार्च माह के तीसरे सप्ताह में कर कार्य की शुरुआत की जाएगी। इससे नए पुल का लोकार्पण जून जुलाई तक किया जा सकेगा। यह जानकारी महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने जनसंगठनों को प्रदान की है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन तथा पेंशनर समाज के प्रतिनिधियों ने महापौर से गोहलपुर पुलिया के चौड़ीकरण कार्य में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त कर ज्ञापन सौंपा।

मोक्ष संस्था ने लावारिस बुजुर्ग का कराया सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार

हरिभूमि, जबलपुर।

मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति द्वारा एक लावारिस बुजुर्ग का मानवता के साथ अंतिम संस्कार किया गया। समिति के संयोजक आशीष ठाकुर को सूचना मिली थी कि जुम्मन ठाकुर (50 वर्ष) निवासी रसईया, कटंगी पाटन, गंभीर बीमारी की हालत में मेडिकल लाइन लाए गए थे, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों के अभाव में अंतिम संस्कार की समस्या उत्पन्न होने पर मोक्ष संस्था ने जिम्मेदारी निभाते हुए चौहान ही श्मशान घाट में सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराया। मोक्ष के सदस्यों ने बेटे की भूमिका निभाते हुए मुखाग्नि दी। संस्था द्वारा फरवरी माह में लगभग 9 लावारिस शवों का अंतिम संस्कार किया गया, वहीं 8 बेसहारा, बीमार एवं मानसिक रूप से पीड़ित लोगों को मोक्ष आश्रम में आश्रय दिया गया। इसके अलावा सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल से भी दो लावारिस लोगों को संस्था के आश्रय में भेजा गया। इस अवसर पर रागिनी वर्मा, अभिषेक भोजक, योगेश कोरी एवं प्रशांत निषाद उपस्थित रहे। मोक्ष मानव सेवा एवं जन उत्थान समिति ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं कोई लावारिस बुजुर्ग या बेसहारा व्यक्ति मिले तो उसे मोक्ष आश्रय, मेडिकल परिसर तक पहुंचाने में सहयोग करें।

ब्राह्मण प्रीमियर लीग 10 से 25 मार्च तक

जबलपुर। ब्राह्मण प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 10 मार्च से 25 मार्च तक किया जाएगा। प्रतियोगिता के सभी मैच वेलोड्रम ग्राउंड रानीताल खेल परिसर में खेले जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस प्रतियोगिता में केवल प्रथम 20 टीमों को ही प्रवेश दिया जाएगा। इच्छुक टीमें 6 मार्च तक अपना पंजीयन सुनिश्चित कर लें, क्योंकि निर्धारित संख्या पूर्ण होने के बाद प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन से समय सीमा का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।

होटल व्यवसायी की फर्मों में सेंट्रल जीएसटी की रेड, कई ठिकानों पर देर रात तक चली कार्रवाई

जीएसटी रेड पड़ते ही चंडोक बंधुओं ने जमा किये 40 लाख

जबलपुर। सेंट्रल जीएसटी की एंटी इवेजन टीम की कार्रवाई शनिवार को शहर में चर्चा का विषय बनी रही। गत दिवस शुरू हुई छापेमार कार्रवाई के दूसरे दिन नया अपडेट सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, जांच शुरू होने के कुछ घंटों के भीतर ही चंडोक मशीनरीज एवं शान अलीजे होटल के संचालक नितिन और राजेश चंडोक ने करीब 40 लाख रुपये का टैक्स जमा किया। विभागीय स्तर पर इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्र इसे जांच के दबाव में की गई आंशिक कर-अदायगी मान रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टीमों ने तिलवारा रोड स्थित होटल, अधारताल इंडस्ट्रियल स्टेट की फैक्ट्री, करमचंद चौक के समीप कार्यालय और सिविल लाइन क्षेत्र में दस्तावेजों की पड़ताल की। कंप्यूटर हार्ड डिस्क, बिल-बुक, जीएसटी रिटर्न, ई-वे बिल और बैंक लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड जब्त कर उनकी मिलान प्रक्रिया शुरू की गई है। कार्रवाई देर रात तक चली और कई जगहों पर दस्तावेज सील कर सुरक्षित रखे गए।

इवेंट बिलिंग के जरिए कैश खपाकर जीएसटी चोरी का शक

सूत्रों के हवाले से एक नया एंगल सामने आया है। बताया जा रहा है कि टीम को ऐसे दस्तावेज मिले हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि नितिन और राजेश चंडोक के होटल तिलवारा रोड स्थित शान अलीजे में बड़े कार्यक्रम शादिया आयाजित होती हैं. इस दौरान बिलिंग में बड़े हेर फेर की संभावना है। बताया जा रहा है कि किसी भी कार्यक्रम के भुगतान में आधिकारिक बिलिंग को कम दिखाकर शेष राशी नगद में बड़े स्तर पर ली जाती है. जांच एजेंसी अब इस मॉडल के जरिए संभावित टैक्स चोरी की प्रक्रिया की बारीकी से जांच कर रही है। हालांकि, संबंधित होटल या व्यवसायियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आधिकारिक चुप्पी बरकरार

सेंट्रल जीएसटी विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई के संबंध में कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जब्त दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच के बाद ही वास्तविक कर देनदारी और संभावित अनियमितताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। शहर के व्यापारिक हलकों में इस कार्रवाई को बड़े स्तर की जांच माना जा रहा है। आने वाले दिनों में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

हाई कोर्ट का आदेश

यदि किराये की दुकान खाली नहीं की तो रोजाना 500 जुर्माना

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने सिंधी धर्मशाला, ओमती, जबलपुर स्थिति एक दुकान के विवाद में महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। जिसके तहत साफ किया गया कि यदि किरोयदार ने 31 अगस्त, 2026 या उससे पूर्व किराये की दुकान खाली नहीं की तो प्रतिदिन 500 रुपये का जुर्माना अदा करना होगा। साथ ही इस रवैये को अदालत की अवमानना भी माना जाएगा। मामले की सुनवाई के दौरान अनावेदक जबलपुर निवासी सुभान बी व अन्य की ओर से अधिवक्ता केके पांडे, नीलम गोयल, इंद्रमणि दुबे, नीतू बाबरिया व मोहिनी यादव ने दलील दी कि अनावेदक सुभान बी सहित अन्य ने सैयद वाहिद अली को दुकान किराये से दी थी। पहले-पहल तो नियमित किराया दिया गया, लेकिन बाद में दुकान कब्जाने जैसा रवैया अपनाते हुए किराया रोका जाने लगा। इसीलिए मामला अदालत पहुंचा। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपने आदेश में साफ किया कि दुकान खाली करने 31 अगस्त, 2026 तक की मोहलत दी जाती है। इस बीच किरायेदार नियमित किराया अदा करेंगे। अदालत द्वारा लगाए गए सभी ड्यूज़, अगर कोई हों, तो उन्हें भी 30 दिनों के अंदर चुका देंगे, जिसमें लिटिगेशन का खर्च भी शामिल है, अगर कोई हो। किरायेदार किराये की जगह किसी को नहीं देंगे और उसका नेचर नहीं बदलेंगे। किरायेदार तीन हफ़्ते के अंदर एग्जीक्यूटिंग कोर्ट के सामने ऊपर बताई गई शर्तों के बारे में एक अंडरटेकिंग देंगे। अगर अपील करने वाले किरायेदार ऊपर बताई गई किसी भी शर्त को मानने में नाकाम रहते हैं, तो मकान मालिक तुरंत डिक्री को एग्जीक्यूट करने के लिए आजाद होंगे।

अवैध कॉलोनियों पर ननि ने दिखाई सख्ती

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर नगर निगम के कॉलोनी सेल ने शहर में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड अंतर्गत मौजा अमखेरा (खसरा नंबर 249 के भाग) में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित किए जाने पर अंसारी डेवलपर्स के प्रोपराइटर सिराजुद्दीन पिता गुलाम रसूल, निवासी रामनगर गोहलपुर, को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कॉलोनी सेल प्रभारी के अनुसार संबंधित डेवलपर द्वारा बिना नक्शा स्वीकृति और वैधानिक अनुमति के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इस पर म.प्र. नगर पालिका कॉलोनी विकास नियम 2021 के तहत 15 दिवस के भीतर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समयावधि में जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी ने बताया कि अवैध कॉलोनियों के कारण सड़क, बिजली, पानी और ड्रेनेज जैसी मूलभूत सुविधाओं में बाधा उत्पन्न होती है तथा ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित होती है। वैध और नियोजित कॉलोनियों से ही शहर का सुव्यवस्थित विकास संभव है। नगर निगम ने नागरिकों और निवेशकों को सलाह दी है कि किसी भी प्लॉट या भूमि में निवेश से पूर्व संबंधित दस्तावेज, रजिस्ट्रेशन और निगम की अनुमति की विधिवत जांच अवश्य करें।

एनजीटी ने राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी किए

हाथी कारीडोर को इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने की मांग

जबलपुर। राष्ट्रीय हरित अधिकरण, एनजीटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव व विशेषज्ञ सदस्य डा. अफरोज अहमद की युगलपीठ ने हाथी कारीडोर को इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने की मांग के मामले की प्रारंभिक सुनवाई की। इसी के साथ राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया। याचिका में मध्य प्रदेश राज्य द्वारा प्रस्तावित हाथी करीडोर को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने पर बल दिया गया है। सुनवाई के दौरान आवेदक ने अनुमति मांगी कि वह मूल आवेदन से प्रार्थना खंड-ए को हटाना चाहता है, क्योंकि उक्त अनुमति नौ मई, 2025 व 22 मई, 2025 के संबंध में पृथक अपील दायर की गई है। अधिकरण ने मांग को स्वीकार करते हुए एक सप्ताह में संशोधन करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से एनजीटी के पूर्व आदेशों का उल्लेख किया गया, जिनमें देशभर के हाथी कॉरिडोर को इको-सेंसिटिव जोन घोषित करने के मुद्दे पर विचार किया गया था तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया था। यह भी कहा गया किया गया कि लोकसभा में वर्ष 2018 में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मध्य प्रदेश के दो हाथी कारीडोर-सिंगरौली-सीधी-गुरु घासीदास, सीधी-सिंगरौली-पलामू प्रस्तावित बताए गए थे, किन्तु इनके इको-सेंसिटिव जोन के रूप में अधिसूचना संबंधी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। क्षेत्राधिकार संबंधी आपत्ति पर यह दलील दी गई कि उक्त करीडोर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व झारखंड राज्यों में फैले हुए हैं तथा पूर्व संबंधित आदेश प्रधान पीठ द्वारा पारित किए गए थे, अतः मामले की सुनवाई प्रधान पीठ द्वारा की जानी उचित है। सभी तकनीकी आपत्तियां खुली रखते हुए अधिकरण ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया तथा उन्हें अगली तिथि से कम से कम एक सप्ताह पूर्व शपथपत्र के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने कहा। आवेदक को भी प्रतिवादियों को नोटिस की सेवा कर सेवा-प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। मामले की अगली सुनवाई 26 मई को निर्धारित की गई है।

कॉलेज परिसरों में रंगों का उत्साह गुलाल उत्सव में झूमीं छात्राएं

जबलपुर। जबलपुर में होली की रौनक अब परवान चढ़ने लगी है। बाजारों में रंग, पिचकारी और मिठाइयों की खरीदारी तेज हो गई है। शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश से पहले ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्र-छात्राएं त्योहार की खुशियों को साझा कर रहे हैं। पढ़ाई के बीच जब उत्सव का रंग घुलता है, तो परिसर केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सांस्कृतिक ऊर्जा से भी सराबोर हो उठता है। इसी क्रम में शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान माता गुजरी महिला महाविद्यालय में 'गुलाल उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक उल्लास और आधुनिक उमंग का सुंदर संगम देखने को मिला। रंग-बिरंगे गुलाल, ढोल की थाप और डीजे की धुनों ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। छात्राएं पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी नजर आईं और पूरे परिसर में होली का जीवंत वातावरण बन गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता झाम, डायरेक्टर डॉ. सुनील कुमार पहवा तथा रजिस्ट्रार डॉ. सत्येन्द्र कुररिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन की रूपरेखा तैयार करने और उसे सफल बनाने में होली उत्सव प्रभारी डॉ. अंजु मिश्रा, राफेल परस्ते और प्रभात केवट की प्रमुख भूमिका रही। वहीं स्वाति गुप्ता और डॉ. राकेश तिवारी ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। गुलाल उत्सव में 500 से अधिक छात्राओं ने हिस्सा लिया।

400 करोड़ का ओवरब्रिज 3 साल में ढह गया

विधायक घनघोरिया ने विधानसभा में उठाया सवाल, उच्चस्तरीय जांच की मांग की

जबलपुर।

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में जबलपुर पूर्व के विधायक लखन घनघोरिया ने शहपुरा के पास बने लगभग 400 करोड़ रुपये लागत के ओवरब्रिज फ्लाईओवर के तीन वर्ष के भीतर गिरने का मुद्दा सदन में उठाया। उन्होंने 23 फरवरी को हुई घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए निर्माण गुणवत्ता और जवाबदेही पर सवाल खड़े किए तथा मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। विधायक घनघोरिया ने शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में लोक शिक्षण संस्थानों को कलेक्टर के माध्यम से राशि आवंटित होती है, किंतु द्वितीय चरण में 69 करोड़ रुपये के आवंटन एवं उपयोग को लेकर गंभीर प्रश्न हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई कार्य बिना टेंडर और सार्वजनिक सूचना के कराए गए तथा डायरेक्टर, डिप्टी डायरेक्टर और ज्वाइंट डायरेक्टर स्तर से सीधे स्वीकृतियां दी गईं। उन्होंने प्रदेशभर में पिछले तीन वर्षों में लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा कराए गए निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की व्यापक जांच की मांग की। उनका कहना था कि बिना भौतिक सत्यापन के भुगतान जैसे मामलों की जांच आवश्यक है।

इस पर मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सदन में जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि जहां अनियमितता मिलेगी, वहां एफआईआर दर्ज कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। विधायक घनघोरिया ने कहा कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही से सिद्ध होता है।

सिहोरा हिंसा मामले में एसपी से निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग

जबलपुर। 19 फरवरी 2026 को आजाद चौक सिहोरा स्थित मस्जिद में तरावीह की नमाज के दौरान हुए विवाद और उसके बाद भड़की हिंसा के मामले में एक पक्ष ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर सुनियोजित दंगा, तोड़फोड़, लूटपाट एवं आगजनी के आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नमाज के समय मस्जिद के सामने आरती शुरू होने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ, जिसके बाद पत्थरबाजी की घटनाएं हुईं। आरोप है कि पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई करते हुए मस्जिद से बाहर आए लोगों को गिरफ्तार किया तथा मस्जिद परिसर में आंसू गैस छोड़ी। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि रात में कुछ लोगों द्वारा घरों, दुकानों एवं दरगाह में तोड़फोड़, इलेक्ट्रिक मीटर तोड़ने, नगद लूटने तथा आगजनी की घटनाएं की गईं। साथ ही नगर निगम व विद्युत मंडल की भूमिका की जांच की मांग की गई है। ज्ञापन में विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल तथा करणी सेना के कुछ पदाधिकारियों पर माहौल बिगाड़ने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में सुमित सिंह ठाकुर सहित अन्य लोगों के विरुद्ध नामजद रिपोर्ट दर्ज कर कठोर कार्रवाई तथा एनएसए के तहत कार्यवाही की मांग की गई है। शिकायतकर्ताओं ने मामले की सीबीआई जांच कराने की भी मांग की है। पुलिस प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी होने की जानकारी दी गई है।

कैंट क्षेत्र के व्यापारियों ने समस्याओं के निराकरण हेतु सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। कैंट क्षेत्र के व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, छावनी परिषद जबलपुर को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने बताया कि हाल के प्रशासनिक निर्णयों से वे चिंतित एवं परेशान हैं तथा क्षेत्र की आर्थिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय आवश्यक है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से दुकानों के किराए में लगभग 500 प्रतिशत की वृद्धि को निरस्त करने की मांग की गई। व्यापारियों का कहना है कि नियमानुसार प्रत्येक तीन वर्ष में 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रावधान है, अतः उसी आधार पर किराया निर्धारित किया जाए और वर्ष 2017 के बाद की अवधियों में भी क्रमशः 10-10 प्रतिशत वृद्धि जोड़कर ही संशोधन किया जाए। इसके अलावा दुकानों के रजिस्ट्रेशन शुल्क को सामान्य एवं युक्तिसंगत बनाने, सीलिंग की कार्यवाहियों को तत्काल रोकने, दुकानों व संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए एनओसी प्रदान करने तथा पुराने दुकानों के नामांतरण शुल्क को व्यावहारिक बनाने की मांग की गई। व्यापारियों ने घरों व दुकानों के बढ़े हुए टैक्स का पुनः आकलन करने, छोटे दुकानदारों को अनावश्यक परेशान न करने तथा उनके पुनर्वास के लिए हॉकर जोन बनाए जाने की भी मांग उठाई। ज्ञापन के माध्यम से व्यापारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की अपेक्षा जताई है।

लेखक का काम सत्य को उजागर करना : प्रो. विकास शर्मा

जबलपुर। राष्ट्रीय सेमिनार के अंतिम सत्र में प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रो. विकास शर्मा ने 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम में कहा कि साहित्यकार का काम समाज की वास्तविकताओं को उजागर करना व सच का साथ देना है, जो बात सामान्य व्यक्ति नहीं कह पाता, रचनाकार उसे सहजता से कह देता है। प्रो. विकास शर्मा ने अपने नवीनतम उपन्यास 'ऑल हर फायर्स' पर छात्राओं से चर्चा करते हुए कहा कि उनका यह उपन्यास जेन-जी की जीवन शैली, उच्च शिक्षा में व्याप्त भ्रष्टाचार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों पर आधारित है। छात्राओं ने प्रो. विकास शर्मा से उनके उपन्यासों की विषय वस्तु पर प्रश्न पूछे। उल्लेखनीय है कि प्रो. विकास शर्मा अब तक 15 उपन्यास लिख चुके हैं व उनके उपन्यासों पर देश भर के विश्वविद्यालयों में 50 पी.एच.डी. चल रही है। प्रोफेसर विकास शर्मा ने अपने उपन्यास "498A : फीयर्स एंड ड्रीम्स" की चर्चा करते हुए कहा कि इस उपन्यास में दहेज के झूठे केस में पुरुषों को फंसाकर पीड़ित करने की कहानी है। उपन्यास "मीडिया रिवॉल्यूशन 2030" के बारे में कहा कि इस उपन्यास में विश्वविद्यालयों व मीडिया की भूमिका का उल्लेख है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की हुई मासिक बैठक

सिहोरा। जन अभियान परिषद विकासखंड सिहोरा सेक्टर 1 के द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भाटादोंन की मासिक बैठक का आयोजन नवांकुर संस्था सेक्टर प्रभारी सुषमा सिंह करचुली की उपस्थिति में किया गया जिसमे समग्र ग्राम विकास की परिकल्पना में समिति के कार्यों को निरंतर करने के साथ ग्राम में समिति का कार्यालय, जन सूचना केंद्र, संस्कार केंद्र, नशा मूक्त ग्राम बनाने के साथ गिरते तापमान बढ़ते प्रदूषण को देखते हुये ग्राम में वृक्षारोपण जल संरक्षण हेतु श्रमदान करने के साथ समिति के दस्तावेजो को बनाने के संबंध में सभी सदस्यों से चर्चा की गई। किशोरी बालिकाओं को पारंपरिक गीतों के साथ ढोलक मंजीरा और झांझ एवं पारंपरिक खेल का प्रशिक्षण स्कूली छात्रों को प्रस्फुटन समिति के द्वारा दिया गया। नवांकुर संस्था द्वारा चलाए जा रहे अंगदान देहदान अभियान के तहत ग्राम भाटादोंन के जमुना लोधी द्वारा देहदान संकल्प पत्र भरा गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष एव सदस्य गौरव विश्वकर्मा, सविता लोधी, अनीता दाहिया, चांदनी, यशोदा बाई, छोटी बाई श्रीवास, सोनम लोधी, दुर्गा लोधी, शिवानी लोधी उपस्थित थीं।

श्रीराम महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं बल्कि समाज परिवर्तन का है सशक्त माध्यम

जबलपुर। श्री राम महाविद्यालय एवं म.प्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एस.पी. गौतम (प्रो. कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. पवन तिवारी (ओएसडी, उच्च शिक्षा), डॉ. वैभव शुक्ला (संगठन मंत्री, महाकौशल विज्ञान परिषद) एवं वात्सल्य खंडेलवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि प्रो. गौतम ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने युवाओं से वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता को समानता और प्रगति का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, विज्ञान एवं मॉडल प्रदर्शनी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रश्नोत्तरी में छह टीमों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में कु. वैशाली साहू प्रथम, राजीव बघेल द्वितीय एवं माही गुप्ता तृतीय स्थान पर रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने हर्बल शैम्पू, साबुन, हर्बल होली कलर, अम्ल वर्षा एवं वाटर फिल्टर जैसे पर्यावरण अनुकूल मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का आयोजन रामेन्द्र करसोलिया, राजुल करसोलिया एवं सोनम करसोलिया के निर्देशन तथा प्राचार्य डॉ. भरत सोलंकी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम डॉ. वर्षा दुबे के संरक्षण में आयोजित हुआ। सहसमन्वयक के रूप में डॉ. सविता तिवारी, डॉ. आरती शर्मा सहित अनेक शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सहयोग रहा। मंच संचालन जया पांडेय एवं दिशा भागतानी ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. वर्षा दुबे ने किया।

पुलिस थाने में हुई शांति समिति की बैठक

सिहोरा। विगत दिनों घटित हुई घटना से सतर्क प्रशासन ने होली ईद नवरात्र सहित अनेक त्यौहारों को लेकर सिहोरा पुलिस थाना प्रांगण में शांति समिति की बैठक का आयोजन नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे, एसडीएम पुष्पेन्द्र अहके, एसडीओपी आदित्य सिंघारिया,थाना प्रभारी प्रतीक्षा मार्को सहित नगर पालिका,विद्युत मंडल के अधिकारीयों की उपस्थिति में किया गया। जिसको सम्बोधित करते हुए एसडीएम ने कहा सभी होली के पर्व को मिलजुलकर मनायें और भाईचारे का संदेश दें। एसडीओपी ने कहा पूर्व में हुई घटना को भूलकर आगे बढ़े और होली का त्यौहार इस तरह से मनाएं की आपसी भाईचारे का संदेश दूर तक पहुंचे यह शहर सभी का है और यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी भी सभी की है। बैठक में उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने अपने अपने सुझाव भी दिए । पुलिस ने पहले की घटना को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं तथा असामाजिक तत्वों पर शक्ति बरतने की भी तैयारी कर ली है तथा प्रमुख स्थानों पर पुलिस भी तैनात रहेगी। बैठक में तय किया गया की होलिका दहन 2 मार्च को एंव धुरेडी 4 एंव 5 मार्च को होगी तथा दोनों समुदायों के लोग मिलकर आजाद चौक में शांति सदभाव भाईचारे के साथ फूलों की होली खेलेंगे जिससे देश में एकता का संदेश पहुंचे। शराब के नशे में गाड़ी चलाने के साथ बिना इजाजत किसी पर रंग और कीचड़ डालने पर कार्यवाही होगी। प्रशासन बिजली के तारों के नीचे एंव छोटी सकरी गली में होलिका दहन न करने की भी बात कही। इस अवसर पर नगर के गणमान्य नागरिकों के साथ दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सिहोरा में मंदिर पत्थरबाजी प्रकरण पर विहिप ने सौंपा ज्ञापन

सिहोरा में आजाद चौक स्थित दुर्गा मंदिर में हुई कथित पत्थरबाजी की घटना के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद की जिला इकाई ने अन्य जिला इकाइयों के साथ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन थाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को को दिया गया, जिन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि आरती के दौरान विशेष समुदाय के लोगों द्वारा मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की गई तथा पत्थरबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। परिषद ने कहा कि आत्मरक्षा करने वाले हिंदू समाज के लोगों पर विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच कर रिहाई की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि बड़ी मात्रा में पत्थर और कांच की बोतलों की उपलब्धता तथा सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक वीडियो प्रसारित किए जाने की जांच की जाए। साथ ही इंस्टाग्राम, फेसबुक सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर भ्रामक सामग्री पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई की मांग की गई। इस अवसर पर बजरंग दल एवं सकल हिंदू समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शिक्षक संतोष बर्मन होंगे सेवानिवृत्त

सिहोरा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बरगी में पदस्थ शिक्षक संतोष बर्मन आज अपनी शासकीय सेवा की आयू पूर्ण कर सेवानिवृत्त होंगे। उन्होंने अपने सेवाकाल का अधिकांश समय हायर सेकेंडरी स्कूल बरगी में ही समर्पित भाव से कार्य करते हुए विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।श्री बर्मन विकासखंड मझौली के अंतर्गत लंबे समय तक शैक्षणिक एवं संस्थागत गतिविधियों में सक्रिय रहे। उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया है।

सरस्वती कॉलोनी में निकाली संकीर्तन शोभा यात्रा

जबलपुर। चैतन्य महाप्रभु जन्मोत्सव के अवसर पर 9 दिवसीय प्रभातफेरी अंतर्गत देवेंद्र नेमा के अनंत ज्योति निवास सरस्वती कॉलोनी से भव्य संकीर्तन यात्रा संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे, पं.वासुदेव शास्त्री, पं.देवेंद्र त्रिपाठी के सानिध्य में निकाली गई। जहां संकीर्तन शोभा यात्रा का फूलों की वर्षा कर अबीर गुलाल तिलक लगाकर यात्रा में सहभागी रहे समस्त धर्मावलबियो का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सत्यप्रकाश नामदेव, इं.राजेंद्र नेमा, पार्षद प्रतिभा भापकर, नरेंद्र साहू, सुरेन्द्र गिरी, रमेश विश्नोई, जितेंद्र शर्मा, केएल दीक्षित, पप्पू चौबे, राजेश असाटी, सत्यनारायण दुबे, राजेश शर्मा, नवीन नेमा, राजेंद्र ब्यौहार, विशाल पंड्या,अमित विश्नोई, राजेंद्र कसेरा, सुनील नामदेव, विवेक अग्रवाल, अनिता गुप्ता, प्रभा शर्मा, निधि बबेले, क्रांति पटेल, कीर्ति चौहान, वर्षा झरिया आदि उपस्थित रहे। संयोजक देवेंद्र नेमा ने बताया आज 1 मार्च को शाम 4 बजे भव्य संकीर्तन शोभा यात्रा शिवकल्याण मंदिर गढ़ाफाटक से प्रारंभ होगी।

निधन

श्रीमती ज्ञानवती त्रिपाठी- पंचशील नगर निवासी श्रीमती ज्ञानवती त्रिपाठी का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे स्वर्गीय राम सागर त्रिपाठी की पत्नी ओर सुदीप त्रिपाठी , सुजीत त्रिपाठी की माँ थी अंतिम यात्रा 1 मार्च रविवार को सुबह 9 बजे निज निवास से ग्वारीघाट मुक्तीधाम के लिए रवाना होगी

सुश्री सतिन्दर कौर अबरोल- गोरखपुर रतन कॉलोनी निवासी श्री दर्शन सिंह अबरोल की पुत्री सुश्री सतिन्दर कौर अबरोल (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता- लालमाटी सेठ गोविंददास वार्ड छोटी संतोषी माता के निकट निवासी श्री राम किशोर गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुकेश बर्मन- पीएचई कॉलोनी ललपुर रोड गौरीघाट निवासी श्री सरमन बर्मन के पुत्र श्री मुकेश बर्मन (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सूरज प्रसाद- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री सूरज प्रसाद (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भास्कर बापूराव आजने- अवधपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री भास्कर बापूराव आजने (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामलली जैसवाल- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री बल्लभ दास जैसवाल की धर्मपत्नी श्रमीती रामलली जैसवाल (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम चरण चौधरी- अम्बेडकर कॉलोनी गली नं. 5 पोलीपाथर निवासी श्री राम चरण चौधरी (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुखलाल चौधरी- ठक्करग्राम बड़ी मदार टेकरी निवासी श्री सुखलाल चौधरी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति कालम से.मी.
सिंगल साइज:- से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज:- से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

पमरे की पहली महिला जीएम को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

जबलपुर।

पश्चिम मध्य रेल की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय अपनी अधिवार्षिता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गईं। मुख्यालय सभागार में आयोजित एक भव्य विदाई समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक प्रमोद कुमार खत्री, प्रमुख वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर एवं प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी एस. डी. पाटीदार द्वारा उन्हें सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। रेल प्रशासन की ओर से उनके आगामी स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 15706662X RANK HAV NAME BAJANTRI R B S/O BHIMRAO NARASAPPA BAJANTRI OF UNIT HQ COY, HQ 1 STC, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 6291 4225 8440 I, have changed name and date of birth of my MOTHER from name BAJANTRI RUKMINI BHIMRAO and date of birth 12/11/1966 (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name RUKMINI BHIMRAO BAJANTRI and date of birth 01/01/1961 (name and date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 7185 8723 6631) vide affidavit dated 16/02/2026 formerly before Public Notary A.M. BAGALKOT, VIJAYAPUR, KARNATAKA.
CORRECT NAME
RUKMINI BHIMRAO BAJANTRI
INCORRECT NAME
BAJANTRI RUKMINI BHIMRAO
CORRECT DATE OF BIRTH
01/01/1961
INCORRECT DATE OF BIRTH
12/11/1966

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. 15706662X RANK HAV NAME BAJANTRI R B S/O BHIMRAO NARASAPPA BAJANTRI OF UNIT HQ COY, HQ 1 STC, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 6291 4225 8440 I, have changed name and date of birth of my FATHER from name BAJANTRI BHIMRAO NARSAPPA and date of birth 10/05/1960 (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name BHIMRAO NARASAPPA BAJANTRI and date of birth 01/06/1955 (name and date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 3164 9135 5911) vide affidavit dated 16/02/2026 formerly before Public Notary A.M. BAGALKOT, VIJAYAPUR, KARNATAKA.
CORRECT NAME
BHIMRAO NARASAPPA BAJANTRI
INCORRECT NAME
BAJANTRI BHIMRAO NARSAPPA
CORRECT DATE OF BIRTH
01/06/1955
INCORRECT DATE OF BIRTH
10/05/1960

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 15706662X RANK HAV NAME BAJANTRI R B S/O BHIMRAO NARASAPPA BAJANTRI OF UNIT HQ COY, HQ 1 STC, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 6291 4225 8440 I have changed name of my WIFE, from BAJANTRI ANJANA RAVINDRA (name as per my ARMY SERVICE RECORDS) to ANJANA RAVINDRA BAJANTRI (name as per my WIFE, AADHAR CARD NO. 5529 9342 8051) vide affidavit dated 16/02/2026 formerly before Public Notary A.M. BAGALKOT, VIJAYAPUR, KARNATAKA.
CORRECT NAME
ANJANA RAVINDRA BAJANTRI
INCORRECT NAME
BAJANTRI ANJANA RAVINDRA

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.-स.क्र 11/25-26/ दिनांक 25-02-2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री राम मनोहर पुरोहित पिता श्रीकांत पुरोहित(2) श्रीमती सविता पुरोहित पिता स्व. धन्नालाल ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक FR-4 चौथी मंजिल ब्लाक सी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000429188 पर दर्ज चतुर्थ तल FR-4 चौथी मंजिल ब्लाक सी सत्यमेव जयते कॉम्पलेक्स तहसील परिसर मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती सुषमा पांडे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाणं सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

खबर संक्षेप

नगर निगम से सात कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

भोपाल। नगर निगम में सेवा अवधि पूर्ण कर सेवानिवृत्त सात कर्मियों को उपायुक्त हीरेन्द्र सिंह कुशवाह ने शाल, श्रीफल, मिष्ठान भेंटकर विदाई दी और उनके दीर्घ एवं सुखमय जीवन की कामना की। माता मंदिर, हर्षवर्धन काम्प्लेक्स स्थित निगम कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित विदाई समारोह में उपायुक्त ने सेवानिवृत्त हुईं स्टेनो टाईपिस्ट लीली मैथ्यू, शहाना अली, कौशल्या रंगवानी, नौशाद अली, पुरूषोत्तम, रामप्यारे और विनियमित नसरीन को विदाई दी। इस मौके पर सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष एस. नजीर अहमद के अलावा राम सिंह राठौर, हसन तैयब, जगदीश प्रसाद, आनंद कुमार फुलवानी, अब्दुल रफीक सहित आदि मौजूद रहे।

होली अवकाश 4 मार्च को घोषित करने की मांग

भोपाल। होली को लेकर बैंकिंग उद्योग में अवकाश की तारीख को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। इसी क्रम में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मध्यप्रदेश के कोऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने राज्य शासन से मांग की है कि बैंकिंग उद्योग में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के अंतर्गत 4 मार्च 2026 को होली का अवकाश घोषित किया जाए, क्योंकि वास्तविक पर्व इसी दिन मनाया जाएगा। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 के लिए घोषित अवकाश सूची में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट के अंतर्गत होली का अवकाश 3 मार्च 2026 को घोषित किया गया है। होली भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण त्योहार पर यदि बैंक कर्मचारी और अधिकारी अपने परिवारों के साथ समय नहीं बिता पाएंगे तो यह उनकी भावनाओं के साथ न्याय नहीं होगा।

वन भवन में विधिक प्रकोष्ठ का हुआ शुभारंभ

भोपाल । प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अंबाडे ने शुक्रवार 27 फरवरी को वन भवन मुख्यालय में वन विभाग विधिक प्रकोष्ठ का शुभारंभ किया गया। विधिक प्रकोष्ठ वन विभाग मध्यप्रदेश की केन्द्रीय संस्थागत इकाई के रूप में कार्य करेगा। प्रकोष्ठ उन समस्त न्यायिक एवं अर्द्ध न्यायिक कार्यवाहियों का प्रबंधन, समन्वय एवं अनुश्रवण करेगा जिनमें विभाग पक्षकार है। साथ ही यह विवादों के रोकथाम के लिये विभागीय कार्यों को सक्रिय कानूनी सहायता प्रदान करेगा। इस अवसर पर समस्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक उपस्थित रहे।

कुल 3478 प्रश्न प्राप्त हुए, ध्यानाकर्षण की 902 सूचनाएं, शून्यकाल की 337 सूचनाएं, 771 याचिकाएं प्राप्त हुईं

विधानसभा की कार्यवाही कुल 62 घंटे तक चली, सभी कार्य सुव्यवस्थित रूप से संपन्न

बजट सत्र का समापन, सदन की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विधानसभा अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित हो गई। इस बजट सत्र (फरवरी-मार्च 2026) के समापन मौके पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन में कहा कि 16वीं विधान सभा के नवम सत्र में कुल 10 बैठकें आयोजित हुईं। इनमें विधायी, वित्तीय तथा लोक महत्व के अनेक महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुए। बजट सत्र के समापन अवसर पर अध्यक्ष तोमर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही कुल 62 घंटे तक चली। सभी कार्य सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुए। जहां प्रश्नों के माध्यम से सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। वहीं ध्यानाकर्षण के माध्यम से शासन एवं प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। अध्यक्ष तोमर ने कहा कि इस सत्र के महत्वपूर्ण ध्यानाकर्षणों में गौ-संरक्षण के विषय को प्रमुखता से उठाया गया।

विधायक रामेश्वर शर्मा

सदन में वर्ष 2026-27 का बजट पारित

विधानसभा में महत्वपूर्ण कार्यों के साथ सदन ने वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक को पारित किया। वर्ष 2025-26 की तृतीय अनुपूरक मांगों को अपनी स्वीकृति प्रदान की। यह वित्तीय उत्तरदायित्व एवं लोकतांत्रिक कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन का एक महत्वपूर्ण चरण रहा, जिसने शासन की नीतियों एवं योजनाओं को विधिक एवं संवैधानिक आधार प्रदान किया। सत्र के दौरान कुल 3478 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें 1750 तारांकित एवं 1728 अतारांकित प्रश्न सम्मिलित थे। ध्यानाकर्षण की 902 सूचनाएं प्राप्त हुईं, शून्यकाल की 337 सूचनाएं तथा 771 याचिकाएं प्राप्त हुईं। इसके अतिरिक्त 01 शासकीय विधेयक तथा 6 अशासकीय एवं 01 संविहित संकल्प पारित किए गए।

मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण वर्ष में महत्वपूर्ण वक्तव्य सदन में दिया

समितियों के प्रतिवेदन भी सदन के पटल पर प्रस्तुत किए गए। साथ ही सदन के नेता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 के संबंध में महत्वपूर्ण वक्तव्य सदन में प्रस्तुत किया। सदस्यों ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर 9 घंटे 05 मिनट तथा आय-व्ययक पर सामान्य चर्चा 1 घंटा 44 मिनट तक चली। इसके साथ ही भोजनावकाश स्थगित कर सदन की बैठक अवधि में वृद्धि करते हुए अनुदान की मांगों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चाएं सम्पन्न हुईं। सदन की कुल कार्यवाही लगभग 62 घंटे तक चली। सभी कार्य सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुए। मप्र विधान सभा कई नवाचारो हुए। इसी क्रम में दिनांक 18 फरवरी को प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के आय-व्ययक का समस्त साहित्य सदस्यों को ई-बजट के रूप में, ई-विधान परियोजना के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए टैबलेट्स में अपलोड कर प्रदान किया गया, जो पारदर्शिता एवं तकनीकी उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री राकेश सिंह

एफआईआर हटाने जंडेल ने किया 'शीर्षासन सत्याग्रह'

शुक्रवार को विधानसभा के दौरान श्योपुर से कांग्रेस विधायक बाबू जंडेल ने गांधी प्रतिमा के सामने 'शीर्षासन सत्याग्रह' कर अनोखा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को राजनीतिक प्रताड़ना बताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की। विधायक का आरोप है कि पिछले एक महीने में उनके खिलाफ तीन नई एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि अब तक कुल 15 मामले कायम किए जा चुके हैं। उनका कहना है कि वे जनता और गौ माता के मुद्दों को उठाते हैं, लेकिन बदले में उन पर केस दर्ज कर दिए जाते हैं। जंडेल ने बताया कि शिवपुरी में गौ संरक्षण को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसके अलावा शिव बारात के दौरान भी उन पर एफआईआर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित के सवाल उठाने पर उन्हें लगातार निशाना बनाया जा रहा है। विधायक ने कहा कि मैं गांधीवादी हूं, इसलिए अन्याय के खिलाफ सत्याग्रह कर रहा हूं। जब तक मेरे खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली जाती, मेरा विरोध जारी रहेगा।

अध्यक्ष के अनुभव के कारण विधानसभा ने एक नई ऊंचाई प्राप्त की

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी सदन को संबोधित करते हुए कहा कि सत्र अत्यंत सार्थक, परिणामकारी एवं जन भावनाओं के अनुरूप रहा। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में, आपके अनुभव के कारण विधान सभा ने एक नई ऊंचाई प्राप्त की है। इसलिए चाहता हूं कि पूरा सदन अध्यक्ष का अभिनन्दन करे। विजयवर्गीय ने कहा कि हमारा मप्र उन प्रदेशों में है, जिनकी विधान सभाओं की अपनी गरिमा एवं परम्परा हमेशा बहुत उच्चकोटि की रही है. जिसकी चर्चा सारे देश में की जाती है। अंत में वरिष्ठ विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने सदन में कहा कि हमारी विधान सभा की जो गौरवमयी परम्परा रही है, वह दबे पांव धीरे-धीरे वापस आ रही है।

दलीय निष्ठाएं भिन्न, पर हमारा साझा लक्ष्य सदैव जनहित काः तोमर

विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधियों का मूल दायित्व जन-समस्याओं का निराकरण, जन-आकांक्षाओं की पूर्ति तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि दलीय निष्ठाएं भिन्न हो सकती हैं, परंतु हमारा साझा लक्ष्य सदैव जनहित ही रहता है। उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान अनेक विषयों पर गहन एवं कभी-कभी तीव्र बहस भी हुई। किंतु अंततः सभी कार्य लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस सत्र के सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, सभी मंत्री, सभापति तालिका के सदस्य, समस्त सदस्य, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया , विधान सभा के प्रमुख सचिव, विस सचिवालय एवं शासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा सुरक्षा कर्मियों के साथ-साथ संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त किया। तोमर ने होली, ईद-उल-फितर, राम नवमी तथा महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

22 करोड़ से 72 करोड़ तक कैसे पहुंची भोपाल निगम मुख्यालय की लागतः जयवर्धन

राजधानी में बन रहे नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन को लेकर विधानसभा में पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार, निर्माण गुणवत्ता में लापरवाही और टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। जयवर्धन सिंह ने सदन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए आरोप लगाया कि परियोजना का प्रारंभिक टेंडर 22 करोड़ 57 लाख रुपए का था, लेकिन बाद में लागत में बार-बार बढ़ोतरी की गई। नियमानुसार टेंडर राशि अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही बढ़ाई जा सकती है अन्यथा दोबारा निविदा प्रक्रिया अनिवार्य होती है। कांग्रेस विधायक का आरोप है कि इस नियम की अनदेखी कर निर्माण एजेंसी को लाभ पहुंचाया गया। जयवर्धन सिंह ने दावा किया कि निर्माण कार्य में निम्न स्तर की सामग्री उपयोग किए जाने की शिकायतें हैं। फायर सेफ्टी जैसे अहम सुरक्षा मानकों की भी अनदेखी की गई है। इतने बड़े प्रशासनिक मुख्यालय में पर्याप्त मीटिंग हॉल का प्रावधान नहीं होना योजना की गंभीर खामी को दर्शाता है।

जयवर्धन सिंह

टैक्स के पैसे का हिसाब दो

जयवर्धन सिंह ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय स्वतंत्र तकनीकी और वित्तीय जांच, थर्ड पार्टी ऑडिट और टेंडर से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भ्रष्टाचार हुआ है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह मुद्दा सदन से लेकर सड़क तक उठाया जाएगा।

जिला पुलिस बल गरियाबंद की ई-30 ऑप्स टीम एवं डीआरजी धमतरी की कार्रवाई

माओवादियों के डम्प रखे हथियार, सामान व नगदी जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गरियाबंद

थाना मैनपुर अंतर्गत ग्राम बडेगोबरा के सांपसाटी जंगल/पहाड़ी क्षेत्र में माओवादियों द्वारा डम्प कर रखे गए नगद, हथियार और इलेक्ट्रॉनिक सामान को पुलिस ने बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

संयुक्त कार्रवाई जिला पुलिस बल गरियाबंद की ई-30 ऑप्स टीम एवं डीआरजी धमतरी द्वारा की गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से पूछताछ में प्रतिबंधित संगठन के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के शीर्ष लीडरों द्वारा उक्त क्षेत्र में डम्प छिपाकर रखने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर 28 फरवरी को संयुक्त पुलिस टीम को सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया।

46 लाख से अधिक की नगदी बरामद

सघन तलाशी के दौरान पहाड़ी क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से कुल 46 लाख 31 हजार 500 रुपये नकद, 1 भरमार बंदूक, 33 भरमार राउंड, 1 सुरका रायफल, 32 बीजीएल सेल, 1 लैपटॉप, 2 मोबाइल, 10 इंसास राउंड, 11 एसएलआर राउंड, 45 एके-47 राउंड, 41 नग .303 राउंड, 23 सिंगल शॉट राउंड, 26 नग 12 बोर राउंड, 13 इलेक्ट्रॉनिक एवं 10 नॉन-इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर सहित भारी मात्रा में नक्सली सामग्री और साहित्य बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में विगत दो वर्षों से नक्सल उन्मूलन अभियान लगातार चलाया जा रहा है। शासन की पुनर्वास योजना के प्रभाव से जनवरी 2026 तक गरियाबंद-धमतरी क्षेत्र में सक्रिय धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के सूचीबद्ध माओवादियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए आत्मसमर्पण और उन्मूलन में सफलता मिली है। इस डम्प की बरामदगी को पुलिस ने संभावित माओवादी गतिविधियों को विफल करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया है।

चैकिंग के दौरान युवक से 75 लाख रुपए नकद बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

चैकिंग में चल रहे विशेष जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना आजाद चौक की संयुक्त टीम ने समता कॉलोनी में चेकिंग के दौरान एक युवक से 75 लाख रुपये नकद बरामद किए। 27 फरवरी को एमसीपी प्वाइंट पर संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक एक्टिवा को रोका गया। वाहन में रखे बड़े बैग की तलाशी लेने पर पुलिस को भारी मात्रा में नकदी मिली। वाहन चला रहे युवक ने अपना नाम मिलन शर्मा (25) बताया, जो समता कॉलोनी का निवासी है। पूछताछ में युवक नकदी के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय करेली जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश
डाइस कोड 23400415104 Email-soe.kar.narsinghpur@gmail.com

क्र. / 80 / शाला प्रबंधन / 2025-26 **निविदा विज्ञप्ति** करेली दिनांक 20/02/2026

नरसिंहपुर जिले के सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय करेली में वर्तमान में सी.एम.राईज भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ है नव भवन निर्माण के लिए पुराने भवन के 07 कक्षो को तोड़ने के निर्देश प्राप्त हुये है । इस संबंध में भवन डिस्मेंटल का भौतिक सत्यापन कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भ/स) लोक निर्माण विभाग संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.) द्वारा ऑफसेट वेल्यू आंकी गई है । इस आधार पर नीलामी हेतु दरें आमंत्रित की जाना है विज्ञप्ति प्रकाशन के आगामी 10 दिवस में कायार्लीन समय पर विद्यालय के सूचना पटल पर भवन एवं निविदा की शर्तों को देखा जा सकता है !

विद्यालय के मुख्य भवन में प्राचार्य कक्ष के पीछे के कक्षो के विक्रय हेतु विवरण निम्नानुसार है ।

क्र. सं.	भवन का प्रकार एवं पता	निर्माण वर्ष	छत एवं फर्श का प्रकार	अतिरिक्त कक्ष /भवन का क्षेत्रफल	कार्यपालन यंत्री (भ/स) लोक निर्माण विभाग संभाग नरसिंहपुर(म.प्र.) द्वारा ऑफसेट वेल्यू का मूल्यांकन
1	सांदीपनि विद्यालय करेली	2009	RCC KOTA FLOORING	03 Extra Room 151.20 वर्गमीटर	125950.00
		1990	RCC KOTA FLOORING	04 Extra Room 178.30 वर्गमीटर	101845.00

प्राचार्य
सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय करेली
जिला - नरसिंहपुर

G-26632/25

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रं./ 384/लो.क.वि./न.पा./2026 कुम्हारी, दिनांक 25/02/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
186317	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	19.03.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने वन विभाग के विजन डाक्यूमेंट का किया विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन विभाग की ओर से प्रकाशित विजन 2047-रीइमैजिनिग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर ए क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर पुस्तक का मुख्यमंत्री निवास में विमोचन किया। विजन @2047 राज्य में जैव विविधता समृद्ध, सामुदायिक सहभागिता आधारित वन प्रबंधन की दीर्घकालिक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। प्रमुख सचिव वन संदीप यादव ने बताया कि प्रदेश के वनों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु-सहिष्णु तथा जैव-विविधता से समृद्ध आदर्श वनों के रूप में स्थापित करना विजन @ 2047 का लक्ष्य है। दृष्टि पत्र में वनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है। दृष्टि पत्र में स्पष्ट किया गया है कि आजीविका को सुरक्षित करने में सक्षम, समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में प्रदेश के वनों का संरक्षण किया जाएगा।

धरोहरों के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख

दृष्टि पत्र में प्रदेश के वन क्षेत्र में स्थित प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए किए जाने वाले प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख वीएन अम्बाड़े, प्रबंध संचालक राज्य वन विकास निगम एचयू ख़ान, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं विस्तार) विभाष कुमार ठाकुर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) शुभरंजन सेन, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ समीता राजौरा तथा संचालक वन विहार विजय कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यालय नगरपरिषद कटंगी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
E-Mail ID – cmokatangibalaghat@mpurban.gov.in, cmokatangibalaghat.mpurban@gmail.com
Phone No - 07630-250129, Fax No. - 07630-250073

क्र./3669/नजूल शा./न.परि./2026, **ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना** कटंगी दिनांक :- 28.02.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर परिषद कटंगी, जिला - बालाघाट द्वारा साप्ताहिक बैठकी बाजार फीस एवं पशु पंजीयन फीस तथा अस्थाई दखल उपविधि (गुजरी) वसूली ठेका (निविदा) वितीय वर्ष 2026 2027 के लिए अर्थात दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक (12 माह) की अवधि के लिए फीस वसूली ठेके पर दिये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जा रही है ।

अतः सारणी में दशार्ये विवरण एवं शर्तो का पालन करने वाला व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकता है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptendres.gov.in पर उपलब्ध है । निविदादाता जो वेवसाईट में पंजीकृत है । इस निविदा में दरे प्रस्तुत कर सकता है ।
विवरण निम्नसनुसार है-

क्र.	टेंडर क्रमांक	फीस/शुल्क/दर	ठेका अवधि	ऑफसेट प्राईज	निविदा फार्म राशि	अमानत राशि
1	2026_UAD_486477_1	साप्ताहिक पशु पंजीयन फीस	01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक	6,50,600/-	5,000/-	65,000/-
2	2026_UAD_486479_1	साप्ताहिक बैठकी बाजार		6,00,000/-	5,000/-	60,000/-
3	2026_UAD_486480_1	अस्थाई दखल उपविधि (गुजरी) ठेका		14,00,000/-	5,000/-	1,40,000/-

1. उच्चतम निविदाकार को 18 प्रतिशत जी.एस.टी. की राशि शासन को जमा किया जाना होगा । 2. प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी वेबसाईट https://www.mptendres.gov.in में पंजीकृत होना अनिवार्य है जिस नाम से आई.डी. होगी उसी से निविदा ऑफर प्रस्तुत किया जावेगा । 3. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑनलाईन वेबसाईट https://www.mptendres.gov.in में ऑनलाईन पेमेंट एवं पोर्टल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक 28.02.2026 समय 6.30 बजे से दिनांक 14.03.2026 समय 6.30 बजे तक खरीदे जा सकते है । 4. ऑनलाईन बीड सबमीट करने का अंतिम दिनांक 14.03.2026 समय 6.30 बजे तक । 5. ई - निविदा दिनांक 16/03/2026 को दोपहर 12.00 बजे खोली जावेगी । 6. समस्त निविदा प्रपत्रों में निविदाकार की डिजीटल हस्ताक्षर करना होगा । 7. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अमानत राशि ऑनलाईन पेमेंट द्वारा किया जावेगा । 8. निविदा के समस्त अधिकार नगर परिषद कटंगी, जिला - बालाघाट के पास सुरक्षित है । 9. ऑनलाईन निविदा फार्म - ए में ठेकेदार को निम्नलिखित के स्वंय के खाते से जमा की हुई है । 1- अमानत राशि ऑनलाईन रिसिप्ट (EMD) निविदाकार के स्वयं के खाते से जमा की हुई है । 2 - निकाय को बकायादार नही होने का प्रमाण-पत्र 3- निर्धारित प्रारूप में शपथ पत्र (Affaidavit) 4- आधार कार्ड 5-पेनकार्ड । 10. निविदा में संशोधन केवल वेबसाईट पर देख सकते है । अखबारो मे इसका प्रकाशन नही किया जावेगा ।
नोट- यह केवल संक्षिप्त निविदा सूचना है । निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए नगर परिषद कटंगी, जिला - बालाघाट के राजस्व शाखा में कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है ।

(श्रीमति धर्मकला / कामराज देशमुख) प्रभारी अध्यक्ष नगर परिषद कटंगी बालाघाट
(श्रीमति सविता / दिनेश नागमोते) सभापति नगर परिषद कटंगी बालाघाट
(श्री राधेश्याम चौधरी) मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद कटंगी बालाघाट

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 05/2026/निविदा/सा/मु.अ.भ. / भोपाल दिनांक 20.02.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वषार्काल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2026_PWPIU_484805_1	यूनानी महाविद्यालय परिसर जिला भोपाल में विभिन्न / मरम्मत / रिनोवेशन कार्य एवं 02 अतिरिक्त क्लास रूम का निर्माण कार्य।	भोपाल	161.87	161870	12500	12 माह वर्षाकाल सहित
2	2026_PWPIU_484823_1	लोक निर्माण विभाग (भवन) जिला भोपाल में विभिन्न विभागों के भवन कार्यों हेतु सुपरविजन एवं क्वालिटी कंट्रोल सर्विसेसे कार्य।	भोपाल	12601.52	252030	15000	24 माह वर्षाकाल सहित
3	2026_PWPIU_484858_1	प्रोवाइडिंग फर्नीचर फार गवर्नमेंट लॉ कॉलेज नर्मदापुरम एंड गवर्नमेंट कॉलेज इछावर डिस्ट्रिक्ट सीहोर म.प्र.	नर्मदापुरम्	49.81	50000	5000	03 माह वर्षाकाल सहित
4	2026_PWPIU_484059_1	शासकीय महाविद्यालय खिलचीपुर जिला राजगढ़ में 06 अतिरिक्त अध्ययन कक्षो का निर्माण कार्य	राजगढ़	420.18	420180	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
5	2026_PWPIU_484283_1	विदिशा में शासकीय महाविद्यालय लटेरी की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य	विदिशा	96.37	96370	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 20.02.2026 समय 10.30 से दिनांक 06.03.2026 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग भोपाल

जी- 26603/25 स्वच्छता ही सेवा

सन् 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान संगठन के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। वहीं, इस युद्ध में दोनों ओर से सैकड़ों लोगों के मारे जाने की भी खबरें हैं। इस विवाद की मुख्य जड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को माना जा रहा है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

सन् 2021 में अफगानिस्तान में फिर से तालिबान तंजीम के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। उल्लेखनीय है कि टीटीपी द्वारा पाकिस्तान के अनेक सैन्य और नागरिक इलाकों पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था। विगत अनेक दशकों के दौरान हुकूमत ए पाकिस्तान अफ़गान तालिबान को प्रबल समर्थन प्रदान करना अपने राष्ट्रीय हित का मामला मानती रही।

दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था।

सैन्य युद्ध जारी रखने का ऐलान

अब तो नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। आसिफ ने इल्जाम आयद किया है कि अफगानिस्तान की सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमणकारी साजिशें परवान चढ़ती रही हैं और पाकिस्तान पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। तालिबान हुकूमत के सैन्य प्रवक्ता ने फरमाया है कि जब कभी हम पर पाकिस्तान द्वारा सैन्य हमला अंजाम दिया जाएगा तो फिर हम समुचित सैन्य प्रतिउत्तर प्रदान करेंगे, लेकिन हम कभी पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष प्रारंभ नहीं करेंगे। यक्ष प्रश्न है कि यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक लंबी और फुल स्केल जंग शुरू हो जाती है तो फिर इसका क्या परिणाम मुमकिन हो सकता है। यह संभव है कि अफगान विरुद्ध पाक जंग के परिणाम स्वरूप गंभीर क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए अफगान विरुद्ध पाक जंग का एक सकारात्मक परिणाम भी हो सकता है कि पाक हुकूमत भारत की ओर से अपना रुख मोड़ लेने पर मजबूर हो सकती है।

कूटनीतिक बातचीत शुरू

अनेक विवेचकों का विचार है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य किसी बड़े युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं प्रतीत हो रही है। विगत अनेक वर्षों से जब से तालिबान अफगानिस्तान में सत्तानशीन हुए हैं, तभी से यह सिलसिला निरंतर चलता रहा है कि पाकिस्तान फौज अफगानिस्तान पर हमला अंजाम देती है और फिर तालिबान जवाबी कार्रवाई करते हैं, सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है और कूटनीतिक बातचीत शुरू हो जाती है। अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए यह मुमकिन नहीं है कि तालिबान हुकूमत वस्तुतः पाकिस्तान के विरुद्ध किसी बड़ी जंग का आगाज करेगी, क्योंकि इसके लिए सैन्य क्षमताओं, हवाई संसाधनों, सप्लाई चैन और प्रशिक्षित सैनिकों की बड़ी दरकार होती है। अफगान तालिबान यकीनन पाकिस्तान फौज के प्रत्येक आक्रमण का समुचित उत्तर अवश्य ही देंगे, क्योंकि यह उनकी संप्रभुता और राष्ट्रीय आत्म सम्मान का बुनियादी प्रश्न है। वस्तुतः कूटनीतिक तौर पर हुकूमत ए पाकिस्तान द्वारा तालिबान हुकूमत को टीटीपी के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अंजाम देने के लिए बातचीत के तमाम तरीके अख्तियार किए जा चुके हैं।

डूरंड लाइन स्वीकार नहीं

अभी तक तालिबान हुकूमत टीटीपी के विरुद्ध कोई भी निर्णायक कार्रवाई के लिए कदाचित तैयार नहीं हुई है। इसके पीछे एक विशिष्ट कारण रहा है कि तालिबान हुकूमत सोचती है कि अगर टीटीपी विरुद्ध फैसलाकुन कार्रवाई की जाएगी तो फिर टीटीपी के लड़ाके अंतरराष्ट्रीय दहशतगर्द तंजीम इस्लामिक स्टेट की तरफ जा सकते हैं, जो कि तालिबान की सबसे बड़ी दुश्मन तंजीम है। टीटीपी वस्तुतः एक खुदमुख्तार और आजाद पख्तूनिस्तान के लिए विगत अनेक विगत दशकों से पाक हुकूमत के विरुद्ध संघर्षरत रही है। अफ़गान वस्तुतः पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को कदाचित स्वीकार नहीं करते हैं। डूरंड लाइन को अफ़गानों को विभाजित और कमजोर करने वाली ब्रिटिश साम्राज्यवादी साजिश की कुटिल कूटनीतिक लाइन करार देते रहे हैं। डूरंड लाइन के दोनों तरफ पख्तूनों की बड़ी आबादी विद्यमान है। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र के सरहदी इलाकों में बसे हुए पख्तूनों और बलोचों द्वारा पाकिस्तान से मुकम्मल आजादी हासिल करने के लिए एक दीर्घकालीन गोरिल्ला युद्ध निरंतर जारी रहा है। इसी इलाके में टीटीपी का भी उदय हुआ था, जो कि तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान से प्रबल तौर पर प्रेरित रही है और गहन तौर से संबंधित भी रही है। अफगानिस्तान में सत्तानशीं तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान पख्तूनों के प्रभुत्व वाली तंजीम है। यही कारण है कि अफगानिस्तान हुकूमत आजकल पाकिस्तान के लिए भयंकर सरदर्द बनी हुई है। विगत वर्ष अक्टूबर महीने में जब अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत यात्रा पर पधारे थे, उस वक्त भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक सैन्य संघर्ष हुआ था। अक्टूबर के सैन्य संघर्ष में भी एक-दूसरे को काफी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया था।

भारत के लिए अफगान अहम

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत से पहले भारत और अफगानिस्तान के मध्य अत्यधिक प्रगाढ़ संबंध रहे। दरअसल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर से भी भारत के लिए अफगानिस्तान सदैव से महत्वपूर्ण मुल्क रहा है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध 1947 से ही निरंतर तनावपूर्ण बने रहे हैं। 2021 से जब से अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम हुई है, तभी से पाकिस्तान को संतुलित करने के लिए भारत तालिबान हुकूमत से कूटनीतिक बातचीत को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान की छापामार दहशतगर्दों की कार्यवाहियां दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक व्यवस्था की कमजोरी को दुनिया के सामने पेश करती है। इनका बेबोनी आज इल्जाम पाकिस्तान का गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पर आयद करता रहा है।

अफगानी तालिबान की शह पर चल रहा टीटीपी

तनाव

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी मौजूदा सैन्य संघर्ष की वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। अफगानी तालिबान ने पाकिस्तान पर भी अफगानी तर्ज पर इस्लामी शासन स्थापित करने का सपना देखा है। इस सपने को हाल ही में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने देखा और उसकी घोषणा भी की है, जिसे अफगानी तालिबान का गहरा समर्थन है। मौजूदा अफगान-पाक संघर्ष की बड़ी वजह यही है। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान उसके यहां आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम देता है। इसी आरोप में पाकिस्तान ने 21 से 26 फरवरी के बीच अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, पक्तिका और खोस्त जैसे प्रमुख शहरों में हवाई हमले किए। हालांकि तब पाकिस्तान का दावा था कि उसने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया है, जबकि अफगानी तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इसके बाद अफगानी तालिबान की ओर से भी पाकिस्तानी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। अफगानी तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को भी निशाना बनाया है। जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में करीब साढ़े छह हजार टीटीपी के लड़ाके हैं। हालांकि एक अन्य अनुमान के मुताबिक, इन दिनों टीटीपी के पास करीब पैंतीस हजार लड़ाके हैं। टीटीपी ने अपने नए सांगठनिक ढांचे का भी ऐलान किया है। इस घोषणा का उद्देश्य खुद को विद्रोही समूह से बदलकर 'समानांतर सरकार' के रूप में स्थापित करना है। टीटीपी ने इसके तहत पाकिस्तान को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में बांटा है, जिन्हें वह 'वियालत' यानी छाया प्रांत कह रहा है। शासन व्यवस्था के लिए टीटीपी ने खुफिया विंग, आर्थिक निदेशालय, मीडिया इकाई और न्यायिक प्रणाली का भी ऐलान किया है। पहले टीटीपी की गतिविधियां सिर्फ अफगानी सीमा से सटे पाकिस्तान के कुछ इलाकों में ही थीं, लेकिन अब उसने अपनी गतिविधियां खैबर पख्तूनख्वा के साथ-साथ बलूचिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर तक में बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि वह बलूच लड़ाकों को भी समर्थन दे रहा है। टीटीपी धीरे-धीरे लगातार ताकतवर बनता जा रहा है। उसके पीछे माना जा रहा है कि अफगानी तालिबान का प्रत्यक्ष सहयोग है। इसके पास आधुनिक अमेरिकी असॉल्ट राइफलें और मशीन गन हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार वे हैं, जिन्हें अमेरिकी सेना भागते हुए अफगानिस्तान में छोड़ गई थीं। टीटीपी का दावा है कि उसने ड्रोन हमलों की क्षमता भी विकसित कर ली है। अपने अंदरूनी इलाके में टीटीपी की बढ़ती भूमिका और शासन के उसके सपने के ऐलान से पाकिस्तान उससे चिढ़ा हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आत्मघाती हमले भी बढ़े हैं। यहां के बन्नू और बाजौर इलाकों में ये ज्यादा हुआ है। टीटीपी ने ही दावा किया है कि साल 2025 में उसने पाकिस्तान में 3,573 आतंकी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें करीब 3,481 सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद की वजह डूरंड रेखा भी है, जिसे अफगानी तालिबान नहीं मानता। पाकिस्तान इन वजहों से टीटीपी को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान ना सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह और वैचारिक समर्थन मुहैया करा रहा है, बल्कि आर्थिक मदद भी दे रहा है। यह सच है कि पाकिस्तानी सेना के मुकाबले टीटीपी सीधे युद्ध के मामले में कमजोर है, लेकिन गुरिल्ला रणनीति, स्थानीय भूगोल की समझ और बढ़ते अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग ने इसे बेहद घातक संगठन बना दिया है। बहरहाल तालिबान से जूझ रहे पाकिस्तान को देखकर इतना जरूर कहा जा सकता है कि सांप को पालना आखिरकार पालने वाले के लिए ही खतरनाक होता है। सवाल है कि क्या इससे वैश्विक राजनीति कुछ सबक लेगी?

जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं।

काबुल में भारत का बढ़ रहा प्रभाव

रणनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। इस्लामाबाद को लगा था कि उसने अफगानिस्तान में अपनी पसंद की सरकार बनवाकर 'मास्टर स्ट्रोक' खेल दिया है। हालांकि, 2026 तक आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज दोनों देशों की सेनाएं डूरंड लाइन पर एक-दूसरे पर गोले बरसा रही हैं और हालात युद्ध जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान का 'रणनीतिक दोस्त' उसके लिए 'एक बुरा ख्वाब' बन गया? दरअसल, सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकी अफगान जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और उन्हें तालिबान का संरक्षण प्राप्त है। जिस आतंकी इकोसिस्टम को पाकिस्तान ने दशकों तक पाला-पोसा, वही अब उसके सुरक्षा बलों पर भारी पड़ रहा है। बता दें, तालिबान को खड़ा करने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है। सोवियत-अफगान युद्ध के समय से लेकर अमेरिका के खिलाफ लड़ाई तक, पाकिस्तान ने तालिबान को रणनीतिक संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। 2021 में जब अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसे 'रणनीतिक गहराई' मिलेगी, यानी भारत के खिलाफ एक मजबूत सहयोगी, लेकिन तालिबान ने सत्ता में आने के बाद खुद को पूरी तरह इस्लामाबाद के इशारों पर चलने वाला नहीं दिखाया। उसने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई और भारत जैसे देशों से संपर्क भी बनाए रखा। यही बात पाकिस्तान की सैन्य एस्टेब्लिशमेंट को खल गई। पाकिस्तान को अंदाजा ही नहीं था कि जिसे उसने पाला-पोसा, वही आगे चलकर आंख में आंख डालकर खड़ा हो जाएगा। यह इस्लामाबाद के लिए एक रणनीतिक झटका था। भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है- सड़कों, अस्पतालों, संसद भवन और शिक्षा में, लेकिन 2021 के बाद अफगानिस्तान फिर आतंकवादी ठिकानों और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र बनने का खतरा बना। पाकिस्तान और चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूरी बनाकर रखना स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाना होगा। दरअसल कूटनीतिक लिहाज से भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान हमेशा से काफ़ी महत्वपूर्ण रहा है और ख़ासकर पाकिस्तान से भारत के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को क़रीब पांच साल का समय हो गया है और भारत की कोशिश रही है कि पाकिस्तान को साधने के लिए वह तालिबान शासन से बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाता रहे।

अगर तालिबान शासन और पाकिस्तान के बीच संघर्ष लंबा चला तो इससे अफ़ग़ानिस्तान कई टुकड़ों में बंट सकता है। ऐसा होना भारत के लिए अच्छा नहीं होगा, क्योंकि कई ग्रुप्स खड़े होने से उनमें से कुछ भारत के ख़िलाफ़ भी हो सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इससे पूरे क्षेत्र में भी अस्थिरता आ सकती है। तालिबान के लिए भी भारत से संवाद जरूरी है- क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते अब उतने सहज नहीं रहे और चीन का आर्थिक प्रभाव भी सीमित है। वहीं भारत सुरक्षा और स्थिरता चाहता है और तालिबान वैधता और सहयोग की तलाश में है। खैर, पाकिस्तान ने तालिबान पर भारत की गोद में बैठने का आरोप लगाया है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध पाकिस्तान की आंखों को हमेशा से चुभते रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अपने इलाके में होने वाली किसी भी अप्रिय गतिविधि के लिए भारत और तालिबान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। जबकि भारत हमेशा अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, तो भारत ने सबसे पहले मदद भेजी थी। तालिबान ने मानवीय मदद, बुनियादी ढांचे और कूटनीति के लिए नई दिल्ली के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध विकसित करके, तालिबान शासन क्षेत्रीय विरोधियों को यह भी दिखाना चाहता है कि उसके पास विकल्प मौजूद हैं। जैसे-जैसे अफगानिस्तान अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है, पाकिस्तान का उस पर दबाव कम होता जा रहा है।

भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध में भारत की सतर्कता जरूरी

सुरक्षा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

आज आज हक्कानी का देश है अफगानिस्तान, कभी इसके कन्धार (तब गांधार) क्षेत्र में महाभारत-कालीन शकुनि का शासन था और कौरव-माता गांधारी यहीं की राजकुमारी थी। महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का भी एक अंग था, काबुल कंधार तक हरिसिंह नलवा की वीरता के किस्से भी फैले हुए थे। वैसे इसे महाराजा दिलीप सिंह की सल्तनत भी माना जाता था। हमारे बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया था कि तेरे साम्राज्य में कभी शांति नहीं रहेगी क्योंकि तेरे छल-कपट से मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया है। अब 15 अगस्त, 2021 से पूरा अफगानिस्तान 'तालिबान' सरीखे संगठन की गिरफ्त में है। अब वहां 98.7 प्रतिशत आबादी इस्लामी है। कभी अफगानिस्तान 'सिल्क रूट' (रेशम-मार्ग) का केंद्र भी रहा है। यहां की समृद्धि व अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुझारू तेवर सदा चर्चा में रहे। एक समय में यहां अमेरिकी व सोवियत सेनाओं का भी कब्जा बना रहा। अब कोई विदेशी सैनिक वहां पर नहीं है। इन दिनों यह इस्लामी देश अपने पड़ोसी इस्लामी देश पाकिस्तान के साथ युद्ध में उतरा हुआ है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा रेखा को 'डूरंड लाइन' भी कहा जाता है। यह सीमा रेखा 2611 किलोमीटर में फैली है।

तालिबान के पास अमेरिकी व सोवियत सेनाओं द्वारा छोड़े गए हथियारों के भण्डार हैं और इधर अमेरिका इस समय पाकिस्तान की पीठ है। वैसे कौन अधिक सशक्त है, इस बात के प्रामाणिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं लेकिन दोनों के पास मांगी, लूटी और खरीदी आधुनिक युद्ध सामग्री के लम्बे-चौड़े भण्डार हैं। पाक परमाणु-सम्पन्न भी है और उधर अफगानिस्तान को भी कुछ मित्र देशों का परमाणु-संरक्षण प्राप्त है। यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। वैसे भी अपनी आदत के अनुरूप पाकिस्तान भारत पर अफगानिस्तान को शह देने का आरोप तो लगाएगा ही। उधर, पाकिस्तान को स्वयं भी बलूचिस्तान के अलगाववादी आंदोलन का भय सताता है। इधर, उसके अपने देश में भी स्थितियां नियंत्रण में नहीं हैं। इस समय वहां जो भी होता है, सेनाध्यक्ष मुनीर की रजा से होता है। मगर जनरल मुनीर को अपनी सेना के लगभग एक लाख सैनिक बलूचिस्तान में भी तैनात करने पड़ रहे हैं और अफगान-सीमा पर भी 50 हजार से अधिक की तैनाती है। अब तक के युद्ध में सैकड़ों के मरने की खबरें तो आ रही हैं मगर अभी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम के लिए दबाव भी आने लगे हैं। मुनीर चाहते हैं कि किसी भी विदेशी दखल से पहले वह तालिबान की वर्तमान सरकार का तख्ता पलटवा दें। बहरहाल, दोनों इस्लामी देशों के बीच भीषण-युद्ध छिड़ चुका है। दोनों को भारी क्षति चुकानी होगी और दोनों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है।

यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है।

चरमरा सकती है अर्थव्यवस्था

पाकिस्तान: पाकिस्तान को मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान की जरूरत पड़ती है। कराची और ग्वादर जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान को समुद्री व्यापार की सुविधा मिलती है। खासकर कराची पोर्ट अफगान ट्रांजिट व्यापार का मुख्य मार्ग रहा है। पाकिस्तान को ट्रांजिट फीस, कस्टम ड्यूटी से राजस्व मिलता है।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान समुद्री रास्ते के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ही निर्भर है। दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में उसके आयात-निर्यात पर सीधा असर पड़ सकता है। स्थिर क्षेत्रीय माहौल होने पर विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ सकती हैं।

चीन : दोनों देशों के बीच युद्ध का असर सबसे ज्यादा चीन पर पड़ेगा, क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पाक से होकर गुजरता है। अगर पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कमजोर होता है तो इसका असर चीन पर भी पड़ेगा। इसलिए चीन के लिए यह अवसर और खतरा दोनों हैं।

सीमा विवाद : ब्रिटिश शासन के दौरान खींची गई विवाद सीमा रेखा 'डूरंड रेखा' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं।

टीटीपी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच मौजूदा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बना हुआ है। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है।

अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होगी युद्ध की राह

संघर्ष

डॉ. एन.के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

दक्षिण एशिया के प्रमुख इस्लामिक देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसा व संघर्ष का नया दौर शुरू हो गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के बाद यह अब तक सबसे बड़ा संघर्ष है। इस खूनी संघर्ष के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले युद्ध का ऐलान कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग अगर बड़े युद्ध का रूप लेती है तो क्या होगा। क्या जंग की यह आग इन्हीं दोनों देशों तक सीमित रहेगी या इसकी तपत अन्य देशों तक भी पहुंच सकती है।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम के महज चार माह बाद जिस तरह से दोनों देश यकायक युद्ध के मुहाने पर आ खड़े हुए हैं उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि धर्म के नाम पर समान विचार रखने वाले इन निकट पड़ोसियों के बीच संघर्ष का असल कारण क्या है। एक समय था जब तालिबान इस्लामाबाद की नाक का बाल हुआ करता था। लेकिन, बीते चार साल में दोनों देशों की सरकारें एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गई हैं।

हिंसा व संघर्ष की वजह

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हुई तो पाक नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान को यह खुशफहमी भी थी कि पाक-तालिबान संबंध उस परम्परागत विचारधारा के आधार पर आगे बढ़ेंगे, जिसका आधार कहीं न कहीं इस्लाम था, लेकिन तालिबान सरकार के मुखिया हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पाकिस्तान की सरपरस्ती में आगे न बढ़ने और अपनी सरकार को पाकिस्तान की 'पिछलग्गू सरकार' की छवि से बाहर निकलने की कोशिश ने पाक सरकार के उत्साह को जल्द ही ठंडा कर दिया। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विवाद का बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है और देश में सख्त इस्लामी शासन (शरिया) की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकवादी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए अफगानिस्तान को एक अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के इस आरोप के प्रति तालिबान ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उलटा इसे पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बताकर उससे अपने देश के हालात संभालने की नसीहत देता रहा है। इन्ही आरोप-प्रत्यारोप के चलते पाकिस्तान ने काबुल और दूसरे क्षेत्रों पर कई बार हवाई हमले किए, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें भी हुई।

अब सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा।

ताजा संघर्ष की शुरूआत उस समय हुई जब पाकिस्तान ने 21 फरवरी को अफगानिस्तान के भीतर संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना था कि टीटीपी और बलोच विद्रोही अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले के लिए कर रहे हैं। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के जवाब में तालिबान सरकार ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अफगानिस्तान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की 19 चैकियों को तबाह कर दिया और 55 सैनिकों को मार गिराया। उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नजदीक एक सैन्य मुख्यालय पर कब्जा करने व कई पाक सैनिकों को बंदी बनाने का दावा किया है। 55 सैनिकों की मौत व राजधानी पर हमले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक (हक या न्याय के लिए खुदा का कहर) शुरू किया है। ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की वायु सेना ने काबुल, कंधार और पंक्तिया में तालिबान के ठिकानों, गोला-बारूद के डिपो और सैन्य मुख्यायलयों पर भारी बमबारी की। इस जवाबी हमले में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 270 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

पाक का कड़ा संदेश

सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा- 'हमारी बर्दाशत की हद पार हो चुकी है। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान में हवाई हमलों और अफगान तालिबान की उचित समय पर भरपूर जवाब देने की धमकी के बाद सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा। खासकर सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के सैन्य समझौते के बाद। सैन्य क्षमताओं का आकलन चाहे किसी भी स्तर पर किया जाए और चाहे कोई किसी पर कितना भी भारी क्यों न हो लेकिन दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

अब सिम का होना अनिवार्य कर दिया

वॉट्सएप और अन्य मैसेजिंग एप्स को फोन के सक्रिय सिम से लिंक करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर बार की तरह इस महीने भी 1 मार्च से कई नियमों में बदलाव देखने को मिलेंगे। महीने की पहली तारीख अक्सर नीतिगत और प्रशासनिक परिवर्तनों के लिए अहम मानी जाती है, जिनका सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या और जेब पर पड़ता है। मोबाइल यूजर्स के लिए नया नियम लागू होगा जिसके तहत वॉट्सएप और अन्य मैसेजिंग ऐप्स को उसी फोन के सक्रिय सिम से लिंक करना जरूरी होगा जिसमें एप चल रहा है। यानी जिस डिवाइस पर एप इस्तेमाल कर रहे हैं, उसमें संबंधित सिम का होना अनिवार्य होगा। साथ ही वेब या डेस्कटॉप लॉगिन के लिए छह घंटे का ऑटो लॉग-आउट नियम लागू किया जाएगा। 6 घंटे के बाद अब से वेब या डेस्कटॉप अपने आप लॉगआउट हो जाएगा। इसका उद्देश्य फर्जी नंबरों और साइबर अपराधों पर रोक लगाना है।

आज से कई बदलाव देखने को मिलेंगे

सिम से लेकर यूपीआई पेमेंट तक बदल जाएंगे नियम

फर्जी नंबरों और साइबर अपराधों पर रोक लगेगी

महीने की पहली तारीख अक्सर नीतिगत और प्रशासनिक परिवर्तनों के लिए अहम मानी जाती है, जिनका सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या और जेब पर पड़ता है। इसके साथ ही लोगों को सुविधा भी मिलती है

रेलवे ने बंद किया पुराना एप

1 मार्च से रेलवे अपना पुराना यूटूएस एप बंद कर रहा है। इसके बाद यात्री इसका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट बुक करने के लिए अब यात्रियों को नए रेलवन एप का उपयोग करना होगा। इससे यात्रियों को नई प्रणाली अपनानी होगी। शुरुआत में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन रेलवे का कहना है कि नया सिस्टम अधिक तेज, सुरक्षित और उपयोगकर्ता-अनुकूल होगा। इस नए एप में टिकट बुक करने पर आपको काफी छूट भी मिलेगी।

एलपीजी की कीमतों में भी बदलाव संभव

हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी होती हैं। होली के त्योहार को देखते हुए लोगों को उम्मीद है कि इस बार कीमतों में राहत मिल सकती है, हालांकि अंतिम फैसला सरकार की घोषणा के बाद ही साफ होगा।

न्यूनतम बैलेंस नियम में राहत

बैंकिंग से जुड़ा एक संभावित राहत भरा बदलाव भी सामने आ सकता है। कुछ सरकारी बैंक मिनिमम बैलेंस की गणना के तरीके में बदलाव कर सकते हैं। पहले किसी एक दिन बैलेंस कम होने पर पेनल्टी लग जाती थी, लेकिन अब एवरेज मंथली बैलेंस के आधार पर शुल्क तय किया जा सकता है।

यूपीआई पेमेंट में बढ़ेगी सुरक्षा

डिजिटल भुगतान को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए 1 मार्च से बड़े ऑनलाइन ट्रांजैक्शन पर सिर्फ यूपीआई पिन पर्याप्त नहीं होगा। बैंक उच्च राशि के लेनदेन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा जैसे बायोमेट्रिक या मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य कर सकते हैं। बड़े अमाउंट के ट्रांजैक्शन पर अतिरिक्त वेरिफिकेशन लागू किया जा सकता है। केवल यूपीआई पिन के बजाय बायोमेट्रिक या अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन की जरूरत पड़ सकती है। इसका मकसद ऑनलाइन फ्रॉड को कम करना और यूजर्स की सुरक्षा बढ़ाना है।

किराए में सुरक्षा निधि पर भी परिवर्तन के आसार

किराए के नियमों में भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नए या रिन्यू होने वाले रेंट एग्रीमेंट के लिए डिजिटल रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही सिक्योरिटी डिपॉजिट को अधिकतम दो महीने के किराए तक सीमित करने और मकान मालिक के प्रवेश से पहले पूर्व सूचना जैसे प्रावधानों पर जोर दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

यूपी में महिला जज के पिता का मर्डर

मुरादाबाद। यहां के नागफनी थाने के बंगला गांव चौराहे पर शुक्रवार को बुलंदशहर में एडिशनल सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के पद पर तैनात आसमा सुल्ताना के पिता और शहर की मशहूर अलवीना बेकरी के संचालक मो. असद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड को मो. असद के हिस्ट्रीशीटर साले जफर ने अंजाम दिया है।

शेट्टी फायरिंग मामले में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन

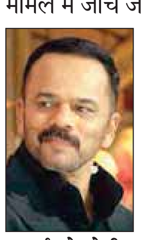

मुंबई। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई वाले घर पर फायरिंग मामले में जांच जारी है। इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच के हाथ बड़े सुराग लग रहे हैं। मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि शूटर्स को मोटी रकम दी गई थी। वारदात को अंजाम देने एटीएम के जरिए फंडिंग पड़ोसी देश नेपाल से हुई थी। इसके लिए मुंबई क्राइम ब्रांच जांच कर रही है।

केजीएमयू के डॉक्टर के खिलाफ चार्जशीट पेश

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटीमें महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म, गर्भपात और मतांतरण के मामले में चौक पुलिस ने मुख्य आरोपित डॉ. रमीजुद्दीन नायक, उसके मां-बाप व सहयोगी के खिलाफ 800पन्नों से अधिक की चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस ने 2पीड़िताओं के बयान शामिल किए हैं। उसके पास से 3 लैपटाप से 4हजार जीबी डाटा भी मिला है।

राज्यसभा चुनाव से पहले एमवीए में 'तनातनी'

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा सियासी संग्राम छिड़ गया है। राज्यसभा की सात सीटों में से एक सीट और उसी एक सीट ने एमवीए की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस, राष्ट्रवादी (शरद गुट) और उद्धव सेना तीनों ही दल इस सीट पर दावा ठोक रहे हैं। कई दौर की बातचीत के बाद कोई फैसला नहीं हो पाया है अपितु घमासान बढ़ गया है।

दुराचार का आरोप पुरुष पर, पालक पर नहीं होगा

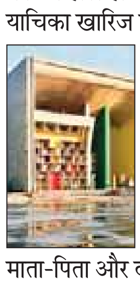

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महिला की याचिका खारिज कर दी। महिला ने मांग की थी कि जिस व्यक्ति पर उसने शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने का आरोप लगाया है, उसके माता-पिता और दादी पर भी मुकदमा चलाया जाए। महिला का कहना था कि उस व्यक्ति के परिवार वालों पर भी केस चले, लेकिन कोर्ट ने नकार दिया।

पीएम मोदी ने अजमेर में किया एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध ये नारीशक्ति को सशक्त करने में होगा अहम

अभियान का लक्ष्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना

कार्यक्रम का लक्ष्य 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका

इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस टीका लगाया गया

एचवीपी टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ▶▶ अजमेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के अजमेर से सर्विकल कैंसर के विरुद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर 5 लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) टीका लगाया गया। इस अभियान का लक्ष्य हर साल सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 14 साल की लगभग 1.15 करोड़ लड़कियों को टीका लगाना है। टीका तय सरकारी हेल्थ सेंटर पर मुफ्त में दी जाएगी। एचपीवी टीकाकरण के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के शुभारंभ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। पीएम मोदी ने कहा कि अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान की शुरुआत के साथ कई परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास और युवाओं को नियुक्ति पत्रों के वितरण का सौभाग्य मिला है।

भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल दिया जा रहा

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अजमेर से एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। ये अभियान देश की नारीशक्ति को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम है। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि परिवार में जब मां बीमार होती है, तो घर बिखर सा जाता है। अगर मां स्वस्थ है, तो परिवार हर संकट का सामना करने में सक्षम रहता है। इसी भाव से भाजपा सरकार में महिलाओं को संबल देने वाली अनेक योजनाएं चलाई हैं।

महिलाओं के लिए मिशन मोड में काम हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि हमने 2014 से पहले का वो दौर देखा है, जिसमें शौचालय के अभाव में बहनों-बेटियों को कितनी पीड़ा और अपमान झेलना पड़ता था। बच्चियां स्कूल छोड़ देती थी, क्योंकि वहां अलग टॉयलेट की सुविधा नहीं होती थी। पहले जो सत्ता में रहे, उनके लिए ये छोटी बातें थी, इसलिए इन समस्याओं की चर्चा तक नहीं होती थी। हमारे लिए ये बहन-बेटियों को बीमार करने वाला, उनके अपमान से जुड़ा संवेदनशील मसला था। इसलिए इनका मिशन मोड पर समाधान किया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान कुपोषण माताओं के जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा होता था।

गुजरात में माइक्रोन टेक्नोलॉजी सेमीकंडक्टर असेंबली की शुरुआत

पीएम मोदी ने गुजरातके साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्ट और पैकेजिंग (एटीएमपी) संयंत्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सभा को संबोधित किया। यह उद्घाटन भारत के सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि है। एटीएमपी संयंत्र से भारत में निर्मित पहले सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल का वाणिज्यिक उत्पादन और शिपमेंट शुरू हो गया है।

दुनिया के सबसे बड़े संयंत्रों में से एक होगा

साणंद संयंत्र पूरी तरह से चालू हो जाने पर लगभग 5 लाख वर्ग फीट का क्लीनरूम क्षेत्र उपलब्ध होगा और यहां दुनिया के सबसे बड़े रेज़्ड-फ्लोर क्लीनरूम में से एक बन जाएगा। साणंद एटीएमपी संयंत्र माइक्रोन के वैश्विक विनिर्माण नेटवर्क से उन्नत डायनेमिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (डीआरएएम) और नैंड सेमीकंडक्टर वेफर्स को तैयार मेमोरी और स्टोरेज उत्पादों में परिवर्तित करेगा।

पीएम आज तमिलनाडु और पुडुचेरी में अहम परियोजनाएं शुरू करेंगे

प्रधानमंत्री रविवा को पुडुचेरी में 2,700 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर वे एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे।इसके बाद वे मदुरै में दोपहर लगभग 3:00 बजे वे 4,400 करोड़ से अधिक की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री इस अवसर पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

साइंस-डे पर बोले प्रधानमंत्री

ज्ञान विज्ञान से जुड़े तो संकटों से मुक्ति पाना होगा आसान

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को नेशनल साइंस डे पर कहा कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है तो संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है, तो जब ज्ञान और विज्ञान से हमारा परिचय होता है, तो संसार की सभी समस्याओं और संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान का, विकास का और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। पीएम ने कहा कि आज नेशनल साइंस डे सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट खोज को समर्पित है। यह कोज बड़ी अहम रही।

विज्ञान का उपयोग लोगों की भलाई के लिए हो

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि नेशनल साइंस डे पर हम रिसर्च, इनोवेशन और साइंटिफिक जिज्ञासा की भावना का जश्न मनाते हैं जो हमारे देश को आगे बढ़ाती है। यह दिन सर सीवी रमन की रमन इफ़ेक्ट की अहम खोज की याद में मनाया जाता है। इस खोज ने भारतीय रिसर्च को दुनिया भर में मजबूती से जगह दिलाई। हम अपने युवाओं को मजबूत बनाने पर काम कर रहे।

एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस पर हमला बोला

हार से थक चुकी कांग्रेस अब देश को बदनाम करने में जुटी

अब तो वह मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस बनी

प्रधानमंत्री ने एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेसके विरोध-प्रदर्शन पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस ने दुनिया भर के मेहमानों के सामने देश को बदनाम करने की कोशिश की। पूरे देश में हार रही कांग्रेस भारत को बदनाम करके ले रही है। कांग्रेस अब 'मुस्लिम लीगी-माओवादी कांग्रेस' बन गई।

'कभी वह इंडियन नेशनल कांग्रेस थी'

प्रधानमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, 'कभी कांग्रेस इंडियन नेशनल कांग्रेस थी लेकिन अब आईएनसी नहीं बची है... इंडियन नेशनल कांग्रेस नहीं बची है... आज वो आईएनसी के बजाय एमएमसी बन गई है। एमएमसी यानी मुस्लिम लीग - माओवादी कांग्रेस हो चुकी है।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का प्रकाशन किया शुरू

बंगाल में एसआईआर के बाद नई वोटर लिस्ट में लाखों नाम हट गए

बांकुरा में 1.35 लाख नाम हटने की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ कोलकाता

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में एसआईआर के बाद की मतदाता सूचियों को शनिवार को चरणबद्ध तरीके से प्रकाशित करना शुरू कर दिया। बांकुरा जैसे कुछ जिलों में मतदाता सूची पोर्टल और मोबाइल एप पर उपलब्ध नहीं कराई गई है। हटाए गए नामों की संख्या के बारे में अब तक कोई स्पष्टता नहीं मिली है लेकिन कहा जा रहा बांकुरा से 1.35 लाख से अधिक नाम हटाए गए होंगे। प्रकाशन से 7.08 करोड़ मतदाताओं को 'स्वीकृत', 'हटाए गए'।

7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ हुए वोटर

बंगाल में एसआईआर पूरा करने और अंतिम लेकिन अपूर्ण सूची प्रकाशित करने में 116 दिन लगे। मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित हुई थी जिसके अनुसार मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गई है। मसौदा मतदाता सूची में शामिल मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए गए थे, फिर अपील सुनी गई।

ममता का महिला सुरक्षा पर जोर

कोलकाता में पिंक बूथ और शाइनिंग पेट्रोलिंग बनाने का किया ऐलान

बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने आगामी चुनाव से पहले महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कोलकाता पुलिस की दो नई पहलों की घोषणा की है। सीएम ने एक्स पर बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर ऑल-वुमन पिंक बूथ स्थापित किए जाएंगे, जो शाम से लेकर आधी रात तक संचालित रहेंगे। इन पर तैनात महिला पुलिसकर्मी सीधे तौर पर महिलाओं की सहायता और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर सकेंगी। इनके जरिए शहर की महिलाएं जरूरत पड़ने पर सीधे महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी।

द्वारकाधीश में रंगों से सराबोर लोग

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में द्वारकाधीश मंदिर में शुक्रवार को होली के त्योहार से पहले लोग रंगों से जश्न मनाते हुए।

बरनाला में राहुल ने कांग्रेस नेताओं को दिया बड़ा अल्टीमेटम

आप टीम वर्क का काम करें वरना रिजर्व में चले जाएंगे

एजेंसी ▶▶ बरनाला

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक किसान महाचौपाल को संबोधित करते हुए पंजाब के बरनाला से केंद्र की मोदी सरकार पर करारे हमले किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को टीम वर्क का मंत्र भी दिया।

राहुल ने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। काम टीम वर्क से होता है वरना रिजर्व में चले जाएंगे। उन्होंने केंद्र पर किसानों, छोटे उद्योगों की अनदेखी का आरोप लगाया। इतना ही नहीं राहुल ने सवाल किया कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव था जिसके कारण प्रधानमंत्री ने देश के हितों के खिलाफ फैसले लिए। राहुल ने फिर पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब को लेकर अपने दावे दोहराए।

नहीं माने तो खरगे सबक सिखाएंगे

राहुल ने कहा कि मैं कांग्रेस को भी एक संदेश देना चाहता हूं। मैं आपको बता रहा हूं,आप चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। टीम के सदस्य बनिए। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो खरगे और मैं आपको सबक सिखाएंगे। हमारी असली ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। वे ही हमारी असली ताकत हैं।

4 महीने तक टालते रहे, 15 मिनट में कर दिया

राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ऐसे फैसले लिए हैं जो किसानों के हितों के खिलाफ हैं। वे ऐसा काम मात्र 15 मिनट में कर दिया।

समझौते पर हस्ताक्षर क्यों किए?

अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि ऐसा क्या दबाव था कि भारत के प्रधानमंत्री ने हमारे देश के लिए मृत्युदंड के फरमान पर हस्ताक्षर कर दिए?

वित्त मंत्री को लिखा पत्र पूर्व सैनिकों को उनका सही हक दिया जाए

राहुल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए प्रयाप्त बजट का आवंटन और विकलांगत पेंशन पर आयकर की छूट को बहाल किया जाए। कांग्रेस नेता ने वित्त मंत्री को 25 फरवरी को यह पत्र लिखा यह उल्लेख किया कि पूर्व सैनिक इन दोनों मामलों के कारण मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

जज के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

हाईकोर्ट की कड़ी टिप्पणी, यह 'दिनदहाड़े न्यायिक हत्या' जैसा

एजेंसी ▶▶ इलाहाबाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद की एक सिविल अदालत के जज के खिलाफ सख्त टिप्पणी करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है। यह मामला एक संपत्ति विवाद से जुड़ा था, जिसमें निचली अदालत ने एक किराएदार को उस संपत्ति पर कब्जा और मालिकाना हक दे दिया था। सुनवाई की अध्यक्षता न्यायमूर्ति संदीप जैन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निचली अदालत का यह फैसला गलत ही नहीं, बल्कि जान-बूझकर किया गया गंभीर न्यायिक कदाचार है। इस फैसले को 'दिनदहाड़े न्यायिक हत्या' बताया।

अनुचित फायदा दिया गया

हाई कोर्ट ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने जान-बूझकर महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया, जैसे उस महिला का मृत्यु प्रमाण पत्र, जिसके नाम पर संपत्ति थी। अदालत के अनुसार ऐसा करने का मकसद वादी (किराएदार) को अनुचित फायदा पहुंचाना था।

फिल्म 'स्पिरिट' से विवेक का पहला पोस्टर जारी...

मुंबई। प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' मार्च, 2027 में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए उतरेगी। फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अभी से माहौल सेट करना शुरू कर दिया है। नए साल के मौके पर, 1 जनवरी को फिल्म से पहली तस्वीर सामने आई थी जिसमें प्रभास और तृप्ति डिमरी की झलक देखने को मिली थी। अब फिल्म से विवेक ओबेरॉय का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया गया है। 'स्पिरिट' से विवेक का पहला लुक जारी करते हुए कैप्शन दिया गया, 'अंधेरे में छिपा एक रहस्य और वो आंखें जो सबसे गहरे राज़ याद रखती हैं।'

लाइफ Style

कीर्ति

अब खलनायिका बनकर मचाएंगी तहलका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'पिंक', 'इंदु सरकार' और 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' जैसी फिल्मों-सीरीज से दर्शकों का दिल जीतने वालीं कीर्ति कुल्हारी नई भूमिका को लेकर चर्चा में आ गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि फैंस इस बार उन्हें नकारात्मक किरदार में देखेंगे।

पिछले साल अभिनेत्री ने राकेश सैन के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'चकोर बन' की शूटिंग शुरू की है। इसके बाद से फैंस फिल्म से जुड़े अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, कीर्ति को फिल्म 'चकोर बन' में मुख्य खलनायिका (या मुख्य प्रतिपक्षी) के लिए चुना गया है जो उनके लिए एक नया अनुभव होगा। फिल्म को बनाने के लिए राकेश बतौर सहायक और एसोसिएट निर्देशक बनकर, दिग्गज निर्देशक श्रीराम राघवन के साथ काम कर रहे हैं। पहले भी उन्होंने 'एक हसीना थी', 'एजेंट विनोद', 'बदलापुर', 'अंधाधुन' और 'मेरी क्रिसमस' जैसी कई फिल्मों में अपना पूरा सहयोग दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कीर्ति ने अपनी एक अन्य फिल्म 'किनारे' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह उनकी पहली फीचर फिल्म है जिसे उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी किंटसुकुरोई फिल्म्स के बैनर तले निर्मित किया है। फिल्म का निर्देशन अकबर आजम कादरी ने किया है, जबकि कहानीकार भी वह खुद हैं। कास्ट में कीर्ति के अलावा, अभिनेता राजीव सिद्धार्थ, रवि तनेजा और अलका अमीन जैसे सितारे हैं। फिलहाल फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है और इसी साल रिलीज हो सकती है।

हॉलीवुड मसाला

टेलर व ट्रैविस करने जा रहे शादी

लॉस एंजिल्स। पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट अपनी निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अगस्त, 2025 में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ट्रैविस केल्स के साथ सगाई की थी। उस वक्त से चर्चा थी कि दोनों 2026 में एक-दूसरे के साथ शादी करके अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ा सकते हैं। ताजा जानकारी में पता चला है कि टेलर और ट्रैविस ने अपनी शादी की तारीख को पक्का कर लिया है। दोनों जून में शादी करने जा रहे हैं। रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि टेलर और टैविस 13 जून, 2026 को अमेरिका के रोड आइलैंड में शादी करने जा रहे हैं।

शो 'द वायर' के अभिनेता बॉबी जे ब्राउन नहीं रहे

लॉस एंजिल्स। एचबीओ के टीवी शो 'द वायर' से लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता बॉबी जे. ब्राउन का निधन हो गया है। उन्होंने 62 साल की उम्र में अपनी आखिरी सांस ली। इस दुखद खबर की पुष्टि अभिनेता की बेटी की ओर से की गई। उनकी बेटी ने बताया कि 24 फरवरी, यानी को मैरीलैंड में एक खलिहान में आग लग गई थी। इसके धुंए के कारण दम घुटने से अभिनेता की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरीलैंड के मुख्य चिकित्सा परीक्षक कार्यालय की ओर से बताया गया कि, 'ब्राउन की मौत का कारण उनके शरीर में फैली गर्मी और दम घटना था। हमें बताया गया कि मौत एक दुर्घटना थी।' बताया जाता है कि खलिहान में आग उस वक्त लगी, जब अभिनेता अपनी गाड़ी स्टार्ट करने पहुंचे थे। जब तक अग्निशामक यंत्र वहां पहुंचे, आग पूरी तरह से फैल चुकी थी।

नई फिल्म को मिला नाम शूटिंग होगी शुरू

मुंबई। शनाया कपूर ने अपनी हालिया रिलीज एडवेंचर-थ्रिलर फिल्म 'तू या मैं' से सुर्खियां बटोरी थीं। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव मुख्य किरदार में थे, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में यह बुरी तरह से नाकामयाब साबित हुई। इस बीच, शनाया अगली फिल्म को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं जिसके शीर्षक का खुलासा आखिरकार हो गया है। फिल्म के निर्माता विकेश भूटानी हैं जिन्होंने आधिकारिक तौर पर शीर्षक का खुलासा कर दिया है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता भूटानी ने बातचीत के दौरान बताया है कि आगामी कॉमेडी फिल्म का शीर्षक 'जैकब कार्डोसो' रखा गया है। शनाया के अलावा, फिल्म में अभय वर्मा मुख्य किरदार में दिखाई देंगे, जिन्हें 'मुंज्या' से लोकप्रियता मिली थी।

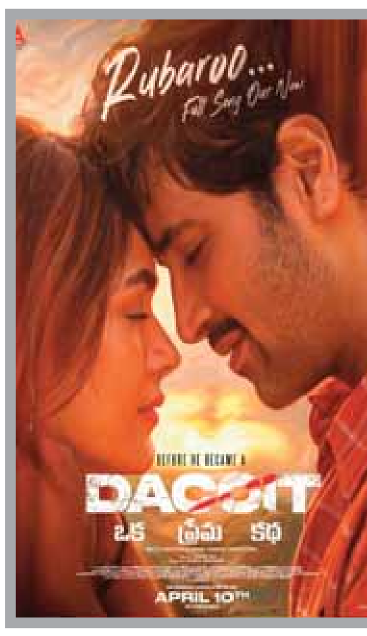

मृणाल की 'डकैत' का पहला गाना जारी

मुंबई। मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की आगामी फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' लंबे समय से चर्चा में है। पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इस बीच, लोगों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने पहला गाना 'रूबरू' जारी कर दिया है। गाने को हिंदी और तेलुगु भाषाओं के साथ डब किया गया है, जो सोनी म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हो चुका है। 'रूबरू' को फहीम अब्दुल्लाह ने आवाज दी है। इसमें उनका साथ चिन्मयी श्रीपदा ने दिया है। गाने का संगीत भीम्स सेसिरोलियो ने तैयार किया है, जबकि बोल रितेश रजवाड़ा ने लिखे हैं। बता दें, फिल्म 'डकैत' का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। इसकी कहानी प्यार, धोखे और बदले के इर्द-गिर्द घूमती है।

टीवी मसाला

फिल्म की शूटिंग खत्म करते ही शादी के बंधन में बंधेगी कृतिका

नई दिल्ली। टीवी और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की जानी-मानी जोड़ी कृतिका कामरा और गौरव कपूर अपने जीवन के सबसे खास पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। दोनों इस मार्च शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं और जैसे-जैसे तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे उनकी जिंदगी में उत्साह बढ़ते नजर आ रहे हैं। शादी से पहले दोनों अपने-अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स को पूरा करने में पूरी तरह जुटे हुए हैं, ताकि जब जश्न का समय आए तो वे बिना किसी चिंता के हर पल को जी सकें। कृतिका इन दिनों एक इंडिपेंडेंट फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह प्रोजेक्ट लगातार चलने वाले शेड्यूल में शूट हो रहा है और उम्मीद है कि मार्च के पहले सप्ताह तक इसका काम पूरा हो जाएगा। लंबे शूटिंग घंटों के बावजूद कृतिका शादी की तैयारियों पर भी उतना ही ध्यान दे रही हैं। उनके करीबी बताते हैं कि वह चाहती हैं कि शादी के समय उनका कैलेंडर पूरी तरह खाली हो, ताकि वह इस नए सफर की शुरुआत पूरे सुकून और खुशी के साथ कर सकें।

करण कुंद्रा के सीने पर तेजस्वी प्रकाश का टैटू, ये परमानेंट है या एआई का कमाल?

नई दिल्ली। टीवी के पॉपुलर कपल 'तेजरन' यानी तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा को फैंस काफी पसंद करते हैं। बिग बॉस के बाद से दोनों की जोड़ी हिट है। हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें फैंस ने नोटिस किया कि करण कुंद्रा ने सीने तेजस्वी का चेहरा टैटू करवा रखा है। वीडियो वायरल हुआ तो चर्चाएं शुरू हो गईं, लोग जानने के लिए बेताब हो गए कि ये परमानेंट है या एआई जनरेटेड फेक इमेज हैं। हालांकि, करण के इस रोमांटिक जेस्चर पर प्यार लुटा रहे हैं। इवेंट की तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही फैंस के बीच इस टैटू को लेकर बहस छिड़ गई कुछ फैंस ने इसे असली प्यार का इजहार बताया तो कुछ ने इसे एआई जनरेटेड फोटो करार दे दिया। इसी कन्फ्यूजन को दूर खुद करण कुंद्रा ने किया। करण कुंद्रा ने बताया कि ये तेजस्वी के चेहरे का टैटू तो है, लेकिन ये परमानेंट नहीं है। यह टैटू तेजस्वी के डेब्यू ओटीटी शो 'साइको सैयां' के प्रमोशन के लिए बनवाया गया। उन्होंने कहा कि मैंने अपना सपोर्ट दिखाने के लिए ये किया।

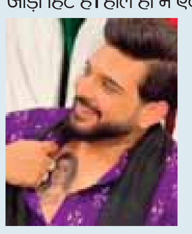

रश्मिका- देवरकोंडा की राजसी शादी 10 महीने में तैयार हुए किलोभर सोने के गहने

__मुंबई।__ उदयपुर में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी सिर्फ एक उत्सव नहीं थी, बल्कि भव्यता और शाही ठाट-बाट का जश्न था, लेकिन इस राजसी चमक के पीछे छुपा है कारीगरों का 10 महीने का कड़ा परिश्रम। हर गहना शादी को यादगार बनाने के लिए बारीकी से तैयार किया गया, जो इसे वाकई एक राजसी अनुभव बनाता है। आइए जानते हैं इन गहनों से जुड़ी कुछ और दिलचस्प और अनसुनी बातें।

रश्मिका- विजय की शादी में सोने की चमक

विजय और रश्मिका की शादी में सबसे ज्यादा ध्यान खींचा उनके किलोभर वजनी सोने के गहनों ने। मांग टीके और बाजूबंद से लेकर पैरों की पायल तक, रश्मिका-विजय दोनों ने अपनी शादी के लिए भारी-भरकम मंदिर वास्तुकला से प्रेरित गहने चुने। रश्मिका ने सोने की चेन वाले झुमके पहने थे, जो पीछे बालों तक जुड़े हुए थे। उनके हाथों में सोने की चूड़ियों का ढेर, कड़े और हाथफूल भी थे, जो उनके लुक को और भी भव्य बना रहे थे।

आधुनिक फैशन और प्राचीन संस्कृति का संगम

इस जोड़ी ने अपनी शादी के लिए खास 'टेंपल-स्टाइल' (मंदिर वास्तुकला शैली) के गहनों को चुना, जिन्हें तैयार करने में कारीगरों को पूरे 10 महीने का समय लगा। किलोभर सोने से बने इन आभूषणों पर देवी-देवताओं और पौराणिक प्रतीकों की बेहद बारीक नक्काशी की गई है। गले में सजे भारी हार से लेकर हाथों के कड़ों तक, रश्मिका और विजय का ये 'शाही लुक' आधुनिक फैशन और प्राचीन संस्कृति का एक अद्भुत मेल है।

हर गहने में शाही नक्काशी का कमाल

विजय ने राजाओं जैसा लुक अपनाया, गले में भगवान लक्ष्मी की नक्काशी वाला नेकलेस, हाथों में 'थानोस' स्टाइल ब्रेसलेट्स, बाजूबंद और पैरों में सोने के कड़े पहने। रश्मिका के 11 विशेष आभूषणों को तैयार करने में कारीगरों ने 10 महीने का लंबा समय लिया। इस 'विरोश' जोड़ी ने करीब 2 किलो से भी ज्यादा वजन के पारंपरिक सोने के गहने पहने थे।

प्रियंका के जबरदस्त किरदार, एक के लिए निर्देशक ने देखते ही कर दिया था इंकार

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ' की हर तरफ चर्चा हो रही है, जहां वो एक समुद्री डाकू के बेहद चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आ रही हैं। फिल्म में उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है। प्रियंका की मेहनत ने साबित कर दिया है कि चाहे 'बर्फी' की मासूम झिलमिल हो, 'बाजीराव मस्तानी' की स्वाभिमानी काशीबाई या अब 'द ब्लफ' की योद्धा, प्रियंका हर किरदार में जान फूंकना जानती हैं। एक नजर प्रियंका के दमदार किरदारों पर।

'बर्फी' (झिलमिल) : साल 2012 में आई फिल्म 'बर्फी' में झिलमिल की भूमिका के लिए जब प्रियंका निर्देशक से मिलने पहुंचीं तो उन्हें देखते ही निर्देशक ने ये कहकर मना कर दिया कि वो इस रोल के लिए बहुत 'ग्लैमरस' हैं। हालांकि, प्रियंका की कड़ी मेहनत ने निर्देशक को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। नतीजा ये हुआ कि जब फिल्म पर्दे पर आई तो उसी ठुकराए गए किरदार ने भारतीय सिनेमा में अभिनय की एक नई मिसाल कायम कर दी।

'मैरी कॉम' (मैरी कॉम) : 'मैरी कॉम' में प्रियंका ने अपनी ताकत और जुनून से दर्शकों को हिला दिया था। दिग्गज मुक्केबाज मैरी कॉम की इस बायोपिक फिल्म के लिए प्रियंका ने खुद को पूरी तरह बदल लिया था। इस रोल के लिए प्रियंका ने न केवल मुक्केबाजी सीखी, बल्कि अपने शरीर को भी एक एथलीट की तरह ढाला। पर्दे पर उन्होंने अपनी भूमिका को इतनी शिद्दत से जिया कि दर्शकों को लगा जैसे वो खुद मैरी कॉम को रिंग में लड़ते देख रहे हैं।

'फैशन' (मेघना माथुर) : प्रियंका की फिल्म 'फैशन' ने उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया था। इसने ने सिर्फ प्रियंका को उनके करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिलाया, बल्कि बॉलीवुड में अभिनेत्री होने की परिभाषा भी बदल दी। फिल्म में प्रियंका ने मेघना माथुर' का किरदार निभाया था, जिसने एक छोटे शहर की लड़की से सुपरमॉडल बनने और फिर अर्श से फर्श पर गिरने के दर्दनाक सफर को दिखाया। अभिनेत्री कंगना रनौत ने इस फिल्म में सहायक भूमिका निभाई थी।

सिनेमाघरों से ओटीटी तक कोहराम, मार्च में रिलीज हो रहीं 'धुरंधर 2' समेत 5 धमाकेदार फिल्में...

__मुंबई।__ साल 2026 का मार्च महीना भारतीय सिनेमा के लिए किसी ब्लॉकबस्टर उत्सव से कम नहीं होने वाला है। इस महीने जहां बड़े पर्दे पर रणवीर सिंह अपनी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ तहलका मचाएंगे, वहीं अनिल कपूर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपनी फिल्म 'सूबेदार' के जरिए एक फौजी के दमदार अंदाज में दर्शकों का दिल जीतेंगे। आइए जानते हैं मार्च के महीने में कौन-सी फिल्म कब रिलीज हो रही है।

'धुरंधर 2': साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' मार्च के महीने में सिनेमाघरों में तहलका मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। आदित्य धर के निर्देशन में बन रही ये फिल्म न केवल एक सीक्वल है, बल्कि भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े एक्शन प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। फिल्म 19 मार्च को दर्शकों के बीच आने वाली है। सीक्वल में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के कलाकार विक्की कौशल और यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं।

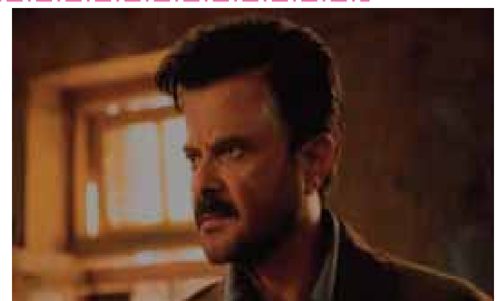

'टॉक्सिक' : 'धुरंधर 2' को सीधी टक्कर देने के लिए साउथ के रॉकिंग स्टार यश अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' के साथ मैदान में उतर रहे हैं। 'KGF' फ्रैंचाइजी की ऐतिहासिक सफलता के बाद दर्शकों की नजरें यश के इस अगले कदम पर टिकी हैं। ये फिल्म ठीक उसी दिन रिलीज हो रही है, जिस दिन 'धुरंधर 2' आ रही है। बॉक्स ऑफिस पर ये 'यश बनाम रणवीर सिंह' की जंग साल 2026 का सबसे बड़ा 'सिनेमाई युद्ध' साबित होने वाली है।

'मैसा': रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मैसा' को लेकर भी मार्च 2026 के कैलेंडर में जबरदस्त सुगबुगाहट है। रश्मिका इस फिल्म में एक बिल्कुल नए और शक्तिशाली अवतार में नजर आएंगी। 'मैसा' उनके करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक मानी जा रही है। ये फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जो अपनी ताकत और साहस के दम पर समाज की बेड़ियों को तोड़ती है। 20 मार्च, 2026 को इस फिल्म के सिनेमाघरों में आने की चर्चा है।

***'सूबेदार' और 'चरक'** : जहां एक तरफ मार्च में 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' जैसी बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में टकरा रही हैं, वहीं अनिल कपूर अपनी फिल्म 'सूबेदार' के साथ 5 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर धमाका करने को तैयार हैं। उधर 'द केरल स्टोरी' और 'बस्तर' जैसी प्रभावशाली फिल्में देने वाले निर्देशक सुदीप्तो सेन अब अपनी नई फिल्म 'चरक' के साथ एक बार फिर दर्शकों को झकझोरने के लिए तैयार हैं।उनकी ये फिल्म 6 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।*

'मालामाल वीकली 2' में लौटेगी रितेश, परेश-राजपाल की तिकड़ी, फिर मचेगा धमाल

मुंबई। रितेश देशमुख, परेश रावल और राजपाल यादव की फिल्म 'मालामाल वीकली' साल 2006 में रिलीज हुई थी। ताजा जानकारी में पता चला है कि इसकी दूसरी किस्त लाने की तैयारी चल रही है। जाहिर है कि 'हेरा फेरी', 'भागम भाग' और 'खोसला का घोसला' जैसी कल्ट फिल्मों का सीक्वल आने के लिए तैयार है। ऐसे में, 20 साल पहले आई 'मालामाल वीकली' की दूसरी किस्त आना फैंस के लिए किसी बड़े तोहफे से कम साबित नहीं होगा। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया, 'मालामाल वीकली 2' के लिए बातचीत शुरू हो गई है। फिल्म पर काम कर रही टीम को एक बेहतरीन आइडिया मिला है जो इस फिल्म के दूसरे भाग के लिए बिल्कुल सही होगा। उन्होंने आगे बताया, यह सीधा सीक्वल नहीं है। इस बार किरदार और पृष्ठभूमि अलग होंगे, लेकिन पहले भाग की तरह ही, यह लालची ग्रामीणों के एक समूह के बारे में होगा।